THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 234 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.1 2081 शनिवार, 16 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वायनाड लैंडस्लाइड- राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से केंद्र का इनकार

प्रियंका बोलीं- भाजपा राजनीति कर रही, आपदा में 400 से ज्यादा मौतें हुई थीं

नई दिल्ली/वायनाड, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र ने वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से इनकार कर दिया है। इसको लेकर 10 नवंबर को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल सरकार को लेटर लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ-एनडीआरएफ के मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत किसी भी आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है। अगस्त में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी। इसके अलावा राहुल गांधी ने भी 7 अगस्त को लोकसभा में यही मांग की थी।

दिल्ली में बदली ऑफिस की टाइमिंग

बढ़ते प्रदूषण के बाद सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकारी ऑफिस के टाइमिंग में दिल्ली सरकार की ओर से बदलाव किए गए हैं। अब सभी सरकारी दफ्तरों के लिए अलग-अलग टाइमिंग होगी।

एमसीडी के ऑफिस 8.30 से 5 बजे तक खुलेंगे। वहीं सेंट्रल गवर्नमेंट के ऑफिस पहले की ही तरह सुबह 9 से 5 होगी। वहीं दिल्ली सरकार के दफ्तरों की टाइमिंग 10 बजे से 6.30 बजे होगी।

इस फैसले के पीछे दिल्ली सरकार की मंशा है कि सड़क पर ट्रैफिक कम हो। एक साथ अधिक गाड़ियों के सड़कों पर होने की वजह से ट्रैफिक और प्रदूषण की समस्या बढ़ जाती है।

पीएम मोदी का विमान नहीं हो सका ठीक

करीब दो घंटे बाद दूसरी फ्लाइट से दिल्ली हुए रवाना

देवघर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उन्हें देवघर हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए रुकना पड़ा। इस वजह से पीएम मोदी के दिल्ली वापसी में कुछ देरी भी हुई है। बता दें कि चुनावी राज्य झारखंड के दौरे पर रहे पीएम मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस पर जनसभा को संबोधित किया। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी के वापसी के दौरान उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई थी। इस मामले में डीसी देवघर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री के विमान में तकनीकी खराबी को ठीक नहीं किया जा सका। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी दो घंटे की देरी के बाद दूसरे विमान से दिल्ली रवाना हुए है।

जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी को बिहार के जमुई में एक रैली को संबोधित करने के बाद भारतीय वायु सेना के विमान से नई दिल्ली लौटना था, जो देवघर से लगभग 80 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र में 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस वजह से विपक्ष के नेता राहुल गांधी गोड्डा में फंस गए, जहां उन्होंने एक चुनावी रैली को संबोधित किया, क्योंकि इसके बाद उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। हालांकि, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने राहुल गांधी को गलत तरीके से निशाना बनाया।

इससे पहले पीएम मोदी ने बिहार के जमुई जिले में जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर आदिवासी क्रांति के नायक बिरसा मुंडा को नमन किया था। बता दें कि ये कार्यक्रम उनकी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने नृत्य कलाकारों के साथ बातचीत की और पारंपरिक ढोल पर हाथ भी आजमाया।

इस अवसर पर उन्हें आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुल 6,640 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। उन्होंने इस अवसर पर एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया।

जमुई में पीएम के सामने नीतीश बोले अब कहीं नहीं जाऊंगा

जमुई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिन में दूसरी बार बिहार आए। जमुई के बल्लोपुर में शुक्रवार को वो भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने बिरसा मुंडा के नाम पर 150 रुपये का सिक्का और 5 रुपये का स्मारक डाक टिकट जारी किया है।

पीएम ने ये स्मारक सिक्का और डाक टिकट बिरसा मुंडा के वंशज को भेंट भी किया।

इस दौरान पीएम ने 6,640 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा दो जनजातीय फ्रीडम फाइटर म्यूजियम और दो जनजातीय रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी किया।

नीतीश कुमार के बाद पीएम मोदी मंच पर पहुंचे। करीब 40 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने आदिवासियों पर फोकस किया।

शरद पवार ने पीएम पर लगाया समाज को बांटने का आरोप

कहा- भाजपा से गठबंधन करने वालों से कोई संबंध नहीं

पुणे, 15 नवंबर (एजेंसियां)। विपक्ष के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर समाज को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री के चुनावी भाषणों की आलोचना की। उनसे जब पूछा गया कि क्या चुनाव के बाद उनके और उनके भतीजे अजित पवार के बीच सुलह हो सकती है, तो उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह भाजपा के साथ गठबंधन करने वालों के साथ कोई संबंध नहीं रखेंगे।

एक इंटरव्यू में शरद पवार ने कहा, सत्तारूढ़ महायुति लोकसभा चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन के बाद चुनावों को प्रभावित करने के लिए भारी मात्रा में पैसे का इस्तेमाल कर रही है। लेकिन, लोग उन्हें खारिज कर देंगे। महाराष्ट्र के चार बार के मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी आलोचना की।

इस नारे की कुछ भाजपा नेताओं और उप मुख्यमंत्री अजित पवार जैसे सहयोगियों ने भी निंदा की है। पवार ने कहा, वह (योगी आदित्यनाथ) इन सांप्रदायिक बयानों के लिए जाने जाते हैं। उन्हें इतना महत्व क्यों दें? मैं उनके बारे में एक भी वाक्य नहीं बोलना चाहता। ये वे लोग हैं, जो भगवा वस्त्र पहनते हैं और सांप्रदायिकता फैलाते हैं। वे देश का अहित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में विपक्ष पर समाज को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाया है और सत्तारूढ़ महायुति के समर्थन में 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा दिया। प्रधानमंत्री के चुनावी अभियान के बारे में पूछे जाने पर राकांपा (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख ने कहा, वह प्रधानमंत्री हैं।

उन्होंने कई बातें कहीं हैं। वह हमारे सहयोगियों के बारे में जो कह रहे हैं, वह बहुत अनुचित है। वह खुद ही समाज को बांट रहे हैं। आप पिछले कुछ दिनों के उनके भाषणों और मुद्दों को देख सकते हैं, जो वह अपने राजनीतिक हितों के लिए उठा रहे हैं। पवार ने कहा कि उन्होंने अपने चुनावी अभियान के दौरान लोगों में भारी अशांति देखी है।

प्रधानमंत्री अपने चुनावी अभियान के दौरान कांग्रेस और भाजपा के पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पर हमले कर रहे हैं। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के चुनावी अभियान का नेतृत्व करते हुए और 2023 में पार्टी के बंटवारे के बाद पश्चिम महाराष्ट्र में राकांपा (शरदचंद्र पवार) की स्थिति को फिर से मजबूत करने की कोशिश करते हुए 83 वर्षीय नेता पवार ने चुनाव जनता से समर्थन मिलने का भरोसा जताया।

राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर को गोड्डा में रोका

डेढ़ घंटे के बाद मिली उड़ान भरने की अनुमति, कांग्रेस बोली- ये बर्दाश्त नहीं

बोकारो/गोड्डा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा में चुनावी सभा के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी का हेलिकॉप्टर डेढ़ घंटे तक रुका रहा। बताया जा रहा है कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से गोड्डा के बेलबड्डा से हेलिकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली थी। पूरी घटना के दौरान राहुल गांधी हेलिकॉप्टर में ही बैठे रहे और मोबाइल देखते रहे।

महगामा क्षेत्र से विधायक और कांग्रेस कैंडिडेट दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि हेलिकॉप्टर को सिर्फ इसलिए रोका गया कि प्रधानमंत्री देवघर में हैं। राहुल गांधी को उस क्षेत्र से गुजरने की अनुमति नहीं दी गई। प्रोटोकॉल है, जिसे हम समझते हैं लेकिन कांग्रेस ने 70 वर्षों तक देश पर शासन किया और किसी भी विपक्षी नेता के साथ ऐसी घटना कभी नहीं हुई। यह स्वीकार्य नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के जमुई से सभा कर देवघर एयरपोर्ट आने वाले हैं, इस कारण राहुल के हेलिकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली थी। कांग्रेस नेता को गोड्डा से बोकारो के बेरमो जाना है, जहां उनकी चुनावी सभा है। हेलिपैड के आसपास राहुल गांधी की सुरक्षा में तैनात कर्मचारी भी खड़े हुए हैं।

इससे पहले महगामा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा के दौरान राहुल गांधी ने कहा, मुंबई के धारावी की जमीन एक लाख करोड़ रुपये की है। इसको महाराष्ट्र सरकार और नरेंद्र मोदी, गौतम अडाणी को देना चाह रहे हैं। वहां हमारी सरकार थी, ऐसा नहीं हो पा रहा था तो उन्होंने सरकार गिरा दी।

अब ब्राजील में मिल सकते हैं मोदी-जिनपिंग

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। रूस में ब्रिक्स की बैठक के एक महीने से भी कम अंतराल के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जी-20 शिखर सम्मेलन में एक और मुलाकात हो सकती है। गलवां घाटी संघर्ष की आंच धीमी होने के कारण वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों के बीच बेहतर समन्वय के बीच यह मुलाकात अहम साबित हो सकती है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि दोनों ही ओर से शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की संभावना तलाशी जा रही है।

गुजरात तट पर 700 किलो ड्रग्स बरामद

अहमदाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों की तरफ से संयुक्त अभियान के तहत शुक्रवार को गुजरात तट से दूर भारतीय जलक्षेत्र से करीब 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया और आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल, ड्रग सिंडिकेट के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पहचान करने के लिए जांच जारी है, जिसके लिए विदेशी डीएलईए की मदद ली जा रही है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बयान जारी कर कहा कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर 'सागर मंथन-4' कोडनेम से अभियान चलाया गया। नौसेना ने अपनी समुद्री गश्ती संपत्तियों को सक्रिय करके एक जहाज की पहचान की और उसे रोका। यह ऑपरेशन भारत में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए असाधारण अंतर-एजेंसी समन्वय और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निरंतर खुफिया संग्रह और विश्लेषण के बाद एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त हुआ कि एक अपंजीकृत जहाज नारकोटिक ड्रग्स/साइकोट्रोपिक पदार्थों के साथ भारतीय जल में प्रवेश करेगा। इस खुफिया इनपुट पर ऑपरेशन शुरू किया गया।

पत्नी नाबालिग है तो सहमति के साथ सेक्स भी माना जाएगा रेप

हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग पत्नी के साथ सेक्स के मामले में अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि नाबालिग पत्नी के साथ सहमति के साथ भी संबंध नहीं बनाए जा सकते हैं। कोर्ट का कहना है कि ऐसे मामलों में पति के खिलाफ रेप का मामला चलाया जाएगा। हाईकोर्ट ने एक मामले में दोषसिद्धि को बरकरार रखा है। दोषी का तर्क था कि पीड़िता के साथ यौन संबंध सहमति से बनाए गए थे और उस समय वह उसकी पत्नी थी। आरोपी का कहना था कि उसके खिलाफ बलात्कार का मामला नहीं चलाया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में जस्टिस गोविंद सनप ने एक मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि कानून के मद्देनजर यह बात स्वीकार नहीं की जा सकती कि अपीलकर्ता का पीड़ित पत्नी के साथ यौन संबंध बनाना बलात्कार या यौन हिंसा नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर लड़की की उम्र 18 साल से कम है फिर चाहे वह उसकी पत्नी ही क्यों ना हो, उसके साथ सेक्स बलात्कार माना जाएगा।

क्या है पूरा मामला

25 मई 2019 को एक शख्स को बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया। एक नाबालिग लड़की ने उस पर रेप का आरोप लगाया था। इस मामले में 9 सितंबर 2021 को वर्धा जिले के ट्रायल कोर्ट ने युवक को पोक्सो एक्ट के तहत दोषी पाया था। इसके बाद शख्स हाईकोर्ट पहुंचा। मामले में सामने आया कि जिस समय शख्स को गिरफ्तार किया गया था उस समय वह 31 सप्ताह की गर्भवती थी। पीड़िता की ओर से कहा गया कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग थे और अपीलकर्ता ने उसके साथ जबरन यौन संबंध बनाए और शादी का झूठा वादा कर इसे जारी रखा।

जब पीड़िता गर्भवती हुई तो उसने शख्स से शादी के लिए कहा। बाद में शख्स ने किराए पर एक घर लिया और पड़ोसियों की मौजूदगी में उसे हार पहनाकर अपनी पत्नी बताया। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद उसने शिकायतकर्ता से अबॉर्शन कराने के लिए जोर डाला लेकिन पीड़िता ने इससे इनकार कर दिया। शख्त लगातार उसके साथ मारपीट करने लगा। पीड़िता को उसके माता-पिता के घर पर भी पीटा गया। इसके बाद पीड़िता ने शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। ट्रायल कोर्ट में क्रॉस एग्जामिनेशन में पीड़िता ने स्वीकार किया है कि उसने बाल कल्याण समिति में शिकायत की है। साथ ही तस्वीरों के हवाले से अधिकारियों को बताया था कि वह उसका पति है। अब इसके आधार पर अपीलकर्ता ने कहा था कि यौन संबंध सहमति से बने थे।

पेट्रोल भराकर बाइक पर जा रहे सब इंस्पेक्टर पहले रुके और फिर अचानक सड़क पर गिरे, मौके पर हो गई मौत

रायसेन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में हैरान करने वाली घटना सामने आई। अचानक दिल का दौरा पड़ने से एक एसआई की मौत हो गई। वह बरेली में पेट्रोल पंप से फ्यूल भरवाकर आगे बढ़े ही थे कि बाइक के साथ जमीन पर गिर पड़े, मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, हैरान कर देने वाला वीडियो बरेली के एक पेट्रोल पंप का है, जहां ड्यूटी पर तैनात सब इंस्पेक्टर सुभाष सिंह अपनी बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए गए थे। वह पेट्रोल भरवाकर वापस लौट रहे थे, लेकिन वह 50 कदम की दूरी भी वह तय नहीं कर पाए और मौत उनके पास पहुंच गई। घटना का जो सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, उसमें दिख रहा है कि सब इंस्पेक्टर बाइक से जा रहे हैं और तभी वह कुछ असहज महसूस करते हैं और बाइक रोकते हैं, अगले कुछ सेकेंड में वह बाइक के साथ जमीन पर गिर जाते हैं।

चुनाव से पहले केजरीवाल ने कांग्रेस को दिया झटका, तीन बार के विधायक आप में शामिल

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी को एक और झटका लगा है। कांग्रेस के तीन बार के विधायक रहे वीर सिंह धींगान ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ले ली है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने वीर सिंह को पार्टी का पटका और टोपी पहना कर स्वागत किया। सीमापुरी से विधायक रह चुके हैं। बता दें इस सीट से आप के विधायक रहे राजेंद्र पाल गौतम कुछ समय पहले कांग्रेस में जा चुके हैं। कांग्रेस नेता को पार्टी ज्वाइन कराने के बाद अरविंद केजरीवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने कहा कि वीर सिंह धींगान जी कई वर्षों से जनता के लिए काम करते आये हैं। आज इनके आम आदमी पार्टी में शामिल होने से हमारे दलित उत्थान के काम को काफी मजबूती मिलेगी। पूर्व सीएम ने आगे कहा कि सीमापुरी क्षेत्र के अंदर धींगान जी ने काफी काम किया और आज हम सीमापुरी के भावी विधायक को आप में शामिल करा रहे हैं। आज पूरी दिल्ली की जनता आप के साथ खड़ी है और दूसरे दलों के अच्छे नेता हमारे साथ जुड़ रहे हैं।

यह बताता है कि आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ जीत रही है। वहीं कांग्रेस छोड़ने वाले वीर सिंह धींगान ने कहा कि मैं आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल जी के कामों और नीतियों से प्रभावित होकर आज कांग्रेस छोड़ आप की सदस्यता ले रहा हूं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल जी ही दलितों और पिछड़ों के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं और आज से मैं आप के सदस्य के रूप में जनता की सेवा करूंगा। वहीं आप के नेता और विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि सीमापुरी विधानसभा से तीन बार के विधायक और दलित समाज के लिए वर्षों से काम करने वाले वीर सिंह धींगान जी आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। यह आप के लिए बेहद ही खुशी का दिन है।

चंद्रपुर में सुबह-सुबह हुई 200 के नोटों की बारिश, साथ में मिला एक मैसेज भी

चंद्रपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में शुक्रवार सुबह एक बड़ी ही अनोखी घटना घटी। सुबह होते ही शहर की सभी मेन रोड, रास्तों, गली और पार्क में 200 रुपए के नोटों की बारिश होने लगी। जब हर जगह करीब पांच से सात करोड़ रुपए के ये नोट मिले, तो लोग भी हैरान रह गए। इससे हर तरफ कौतूहल और चर्चा का माहौल बन गया। लेकिन ये बच्चों के खेलने के नोट्स निकले, जिसमें एक नोट तो दूसरी तरफ एक मैसेज लिखा था- '200 यूनिट का वादा पुराना धोखा नया' लिखा हुआ था। इन नोटों का मामला शहर में हर जगह चर्चा का विषय बना हुआ है। चंद्रपुर शहर में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी में शुक्रवार 15 नवंबर की सुबह लोगों को इसी तरह के नोट मिले। कई लोग तो पहले सड़क से ऐसे गुजर गए, लेकिन जब उनका ध्यान गया, तो वापस मुड़कर सड़कों पर बिखरे 200 रुपए के नोटों को उठाया। हालांकि, जब उन्होंने नोट पलट कर दूसरे तरफ देखा, तो पता चला ये डमी और बच्चों के खेलने वाले नोट हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये नोट शहर में कई जगहों पर इस तरह बिखरे हुए थे कि लोगों को लगा कि ये असली नोट हैं, लेकिन इन नोटों के दूसरे पहलू को देखने पर पता चला कि ये एक प्रचार रणनीति थी। विधानसभा चुनाव में जहां सभी उम्मीदवारों का प्रचार जोरों पर चल रहा है, वहीं इस तरह प्रचार के बाद सभी की नजर बीजेपी और महायुति उम्मीदवार विधायक किशोर जोरगेवार पड़ी। हालांकि, अधिकारिक तौर ये पता नहीं चल पाया कि ये किसने किया। शुक्रवार, 15 नवंबर को शहर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सार्वजनिक बैठक से पहले इन नोटों की बारिश हुई, जिसमें जाहिर तौर पर आम आदमी पार्टी के 200 यूनिट फ्री बिजली के वादे पर निशाना साधा गया। शहर की कई अलग-अलग जगहों से मिले 200 रुपए के इन डमी नोटों के पीछे '200 यूनिट मुफ्त देने का वादा पुराना, लेकिन खतरा नया' जैसे नारे लिखे हुए थे।

'हिंदू विरोधियों के साथ रहे अजित'

मतदान से ठीक पहले क्यों 'बंट' गए फडणवीस और पवार?

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बटेंगे तो कटेंगे नारे ने बीच चुनाव में महाराष्ट्र एनडीए में दरार डाल दी है। इस नारे को लेकर अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस आमने-सामने आ गए हैं। हाल ही में अजित पवार ने कहा था कि बटेंगे तो कटेंगे का नारा महाराष्ट्र के लिए नहीं है, जिस पर फडणवीस ने उन पर तीखा हमला किया है। एक इंटरव्यू में देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि दशकों तक अजित पवार ऐसी विचारधाराओं के साथ रहे, जो धर्मनिरपेक्ष और हिंदू विरोधी हैं।। वे ऐसे लोगों के साथ रहे हैं जिनके लिए हिंदुत्व का विरोध करना ही धर्मनिरपेक्षता है।

अजित बयान का मतलब नहीं समझ रहे

फडणवीस ने आगे कहा कि अजित को जनता का मूड समझने में थोड़ा समय लगेगा। ये लोग या तो जनता की भावना को नहीं समझ पाए या इस बयान का मतलब नहीं समझ पाए। फडणवीस के मुताबिक हो सकता है अजित पवार बोलते समय शायद कुछ और कहना चाहते थे, लेकिन बोल कुछ और गए।

बटेंगे तो कटेंगे पर अजित ने क्या कहा था?

बटेंगे तो कटेंगे नारे का विरोध करते हुए अजित पवार ने कहा था कि यह सबका साथ, सबका विकास नहीं है। अजित ने कहा कि एक तरफ आप सबका साथ और सबका विकास की बात करते हो और दूसरी तरफ बटेंगे तो कटेंगे की बात करते हो।। यह कैसे चलेगा? जूनियर पवार ने आगे कहा कि महाराष्ट्र का सियासी मिजाज यूपी जैसा नहीं है। यहां लोग काफी समझदार हैं, इसलिए इन नारों का कोई मतलब नहीं है।

बीजेपी के नेता भी जता चुके हैं विरोध

अजित पवार के अलावा बीजेपी के कद्दावर नेता पंकजा मुंडे और अशोक चव्हाण भी बटेंगे तो कटेंगे नारे का विरोध जता चुके हैं। दोनों ही नेता सार्वजनिक तौर पर इस नारे को गलत बता चुके हैं। पंकजा मुंडे अभी विधानपरिषद की सदस्य और अशोक चव्हाण राज्यसभा के मेंबर हैं। महाराष्ट्र एनडीए में यह विवाद तब शुरू हुआ है, जब मतदान में 5 दिन का वक्त बचा है। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होने हैं।

नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क दुर्घटना, सड़क पर लगा लंबा जाम, एक व्यक्ति की मौत

चिकोडी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिकोडी के निपाणी शहर में शुक्रवार को स्तवनिधि घाट से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क दुर्घटना हुई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हादसे की वजह से सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिसे बहाल करने में पुलिस और प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित ट्रक बना हादसे की वजह निपाणी पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना एक अनियंत्रित ट्रक के कारण हुई, जो मुंबई जा रहा था। ट्रक ने पहले एक जीप को टक्कर मारी, जिससे जीप सड़क के दूसरी ओर चली गई और दो कारों तथा एक दोपहिया वाहन से टकरा गई। इस हादसे में खानपुर के जंबोती निवासी 65 वर्षीय नारायण नागु परवलकर की मौत हो गई। हादसे के समय नारायण और अन्य लोग जंबोती से कोल्हापुर स्थित महालक्ष्मी देवी और ज्योतिबा मंदिर जा रहे थे। वीडियो में दिखा भयावह मंजर घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ट्रक को सड़क के नीचे पलटा हुआ देखा जा सकता है। इसके अलावा, कुछ अन्य वाहन और कारें भी क्षतिग्रस्त हालत में दिखाई दे रही हैं।

घायलों का अस्पताल में इलाज जारी हादसे में 45 वर्षीय रेशमा कुदथुरकर और 28 वर्षीय शंकर परवलकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें तुरंत बेलगाम अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा, 15 अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। मृतक नारायण नागु परवलकर के घर में शोक का माहौल है। पुलिस ने शुरू की जांच निपाणी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगने के कारण पुलिस और प्रशासन मार्ग को जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

शिवाजी पार्क में पीएम मोदी की रैली पर संजय राउत ने घेरा

कहा- 'पता चलेगा कौन कितने पानी में है'

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के शिवाजी पार्क में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा को लेकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की सभा के दौरान आपने देखा क्या हाल था, लोग थे ही नहीं, महाराष्ट्र की जनता प्रधानमंत्री के भाषण से ऊब चुकी है, जिस तरीके से मुंबई को लूटा, महाराष्ट्र को लूटा है, मुंबई के बारे में जो षड्यंत्र रचा, उसकी वजह से मुंबई की जनता बात नहीं सुनना चाहती। राउत ने आगे कहा कि ये एक संदेश पीएम मोदी की बगल में बैठे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के लिए भी था कि लोग उनसे भी ऊब चुके हैं। आने वाले दिनों में जब विधानसभा चुनाव का नतीजा आएगा, तब पता चलेगा कौन कितने पानी में है।

'महाराष्ट्र की जनता विश्वास नहीं करती- संजय राउत

शिवसेना यूबीटी नेता ने आगे कहा कि देखिए प्रधानमंत्री के बयान पर महाराष्ट्र की जनता विश्वास नहीं रखती है। महा विकास अघाड़ी में हम तीनों एक साथ है। हम तीनों एक हैं और आपसे ज्यादा सेफ हैं। उन्होंने कहा कि किसका रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में है, यह जनता तय करेगी। उन्होंने जो शिवसेना तोड़कर एक अलग गुट बनाया है, उसका रिमोट कंट्रोल जरूर उनके हाथ में होगा। लेकिन, हमारा रिमोट कंट्रोल उनके हाथ में देने से हम बच गए, इसलिए वे हमसे नाराज हैं। राउत ने कहा कि हमको मालूम है, हम स्वाभिमानी लोग हैं, महाराष्ट्र और शिवसेना आपके चंगुल में आने वाले नहीं है।

एकनाथ शिंदे को किसी भी हाल में मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे'

सांसद ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है 23 नवंबर के बाद महायुति नहीं रहेगी, क्योंकि मुख्यमंत्री नहीं रहेगा एकनाथ शिंदे को यह किसी भी हालत में मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे, सबसे पहले तो उनको बहुमत ही नहीं मिलेगा, शिंदे को वे लीडर ऑफ अपोजिशन भी नहीं बनाएंगे। हमारी सरकार बनने वाली है। वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयान पर भी शिवसेना यूबीटी नेता ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे स्वर्ग से सब देख रहे हैं, आपका जो नौटंकी चल रहा है। शिवराज सिंह चौहान हो या नरेंद्र मोदी हो या फिर अमित शाह हो, शिवसेना आपके साथ 25 साल रही। लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने कैसा धोखा दिया है, यह भी बालासाहेब ठाकरे देख रहे हैं।

होमगार्ड ने व्हाट्सऐप पर दे दिया तीन तलाक पत्नी ने अहमदाबाद में दर्ज कराई एफआईआर

अहमदाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में व्हाट्सऐप पर तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। यहां इसनपुर में रहने वाले एक होमगार्ड ने व्हाट्सऐप पर पत्नी को मैसेज किए। पहले गाली-गलौज किया और फिर तीन बार तलाक बोल दिया। पीड़ित महिला ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। महिला का आरोप है कि पति के किसी दूसरी महिला से नाजायज संबंध हैं, इसलिए वो परेशान भी कर रहा था। महिला का कहना है कि उसका पति मोहमद सबाब मणिनगर पुलिस थाने में होमगार्ड है। वो परिवार के साथ इसनपुर में रहती है। पीड़िता ने आगे बताया कि 10 साल पहले उसकी शादी हुई थी। अब पति ने उसे व्हाट्सऐप पर गालियां दीं और तीन तलाक दे दिया। महिला का कहना है कि पति के किसी अन्य महिला के साथ नाजायज संबंध थे, जिसकी वजह से उन दोनों के बीच झगडे. होते थे। साल 2023 में उसने इसी वजह से पति का घर छोड़ दिया था और अपनी मां के साथ रहने लगी थी।

2 साल का बेटा भी है, जो महिला के साथ रहता है। महिला ने उस समय पति के खिलाफ दहेज के लिए परेशान करने की शिकायत दर्ज कराई थी। साथ ही भरण-पोषण के लिए फैमिली कोर्ट में केस दर्ज कराया था। यह मामला अभी पेंडिंग चल रहा है। महिला ने बताया कि 26 अक्टूबर को पति का कॉल आया और वो झगड़ा करने लगा और गाली-गलौज करके धमकाया। उसी दिन शाम को व्हॉट्सऐप पर तीन तलाक बोलकर तलाक दे दिया। महिला के परिवार और समाज के लोगों ने दोनों को समझाने की कोशिश की और समाधान का प्रयास किया। लेकिन हर कोशिश विफल रही, जिसके बाद महिला ने अब इसनपुर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 351 (1), 296 (बी) और मुस्लिम महिला अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराई है।

पालतू कुत्ते ने मासूम को किया लहूलुहान, चेहरे पर चोट के निशाना; मालिक पर केस दर्ज

गाजियाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सिटी सोसायटी में पिता के साथ गृह प्रवेश समारोह में जा रही ढाई साल की बच्ची पर झपटे कुत्ते ने नोंचकर लहूलुहान कर दिया। बच्ची के पिता की ओर से कुत्ता मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। हालांकि सोसायटी के लोगों के अनुसार हमला करने वाला कुत्ता पिटबुल बताया जा रहा है, जो भारत में प्रतिबंधित है। भारत सिटी सोसायटी के फेज 2 स्थित फ्लैट संख्या 1104 निवासी शिव कुमार मिश्रा ने मामले में केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की रात करीब 8:45 बजे वह पत्नी और दो बेटी सताक्षी और श्रीजा के साथ सोसायटी में ही रहने वाले अपने मित्र के बी-1 स्थित फ्लैट 408 में गृह प्रवेश समारोह में जा रहे थे। लिफ्ट के पास इंतजार करते समय उनकी बेटियां खेल रहीं थी। तभी एक कुत्ता अपने मालिक के साथ वहां पहुंचा और अचानक उनकी ढाई साल की बेटी श्रीजा पर हमला कर दिया। बच्ची के चेहरे पर कई जगह नोच कर गहरे जख्म कर दिए। किसी तरह कुत्ते को हटाकर बच्ची को बचाया गया। रात टीलामोड़ थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। वहीं शुक्रवार सुबह से ही सोसायटी के लोगों ने कुत्ता हटाने को लेकर हंगामा शुरू कर दिया।

असम के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी गोपाल पॉल गिरफ्तार

गुवाहाटी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने असम में 2,200 करोड़ रुपये के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। एजेंसी ने इस घोटाले के मुख्य आरोपी गोपाल पॉल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गोपाल पॉल को सिलीगुड़ी में एक ठिकाने से एजेआरएस मार्केटिंग मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया, जो एजेंसी द्वारा जांचे जा रहे घोटाले से संबंधित 41 मामलों में से एक है। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने असम सरकार की सिफारिश के बाद असम में विभिन्न अनियमित जमा योजनाओं से संबंधित 41 मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है। यह जांच पहले असम पुलिस द्वारा की गई थी, जिसने मामले में मुख्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन गोपाल पॉल फरार हो गया था। सीबीआई ने अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में राज्य पुलिस से ये मामले अपने हाथ में ले लिए थे। सीबीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि कार्यभार संभालने के बाद से सीबीआई ने अपनी जांच तेज कर दी है और पांच राज्यों में 92 स्थानों पर नए सिरे से तलाशी ली है। इस तलाशी में 24 मोबाइल फोन, 18 डेस्कटॉप, सात हार्ड ड्राइव और 11 लैपटॉप जब्त किए गए हैं। पीटीआई के मुताबिक, एजेंसी ने उन जमाकर्ताओं के विवरण वाले डेटाबेस का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है, जिन्हें इन अनियमित जमा योजनाओं में निवेश करने के लिए धोखा दिया गया था। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि एजेआरएस मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े एक विशेष मामले में सीबीआई ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही पुलिस और एजेंसी के हाथ नहीं आ रहा था। सीबीआई अधिकारी ने बताया कि गोपाल पॉल सिलीगुड़ी में एक ठिकाने पर पाया गया, जहां से अपराध साबित करने वाले सबूत भी बरामद किए गए हैं।

राज्य में ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाला अगस्त के आखिरी सप्ताह में तब सामने आया जब 29 वर्षीय दीपांकर बर्मन की स्टॉक कंपनी में भारी मात्रा में पैसा लगाने वाले निवेशकों ने आरोप लगाया कि उसने उन्हें उचित रिटर्न नहीं दिया है और उसका कार्यालय 21 अगस्त से बंद है। राज्य पुलिस ने बर्मन, बिशाल फुकन, अभिनेता सुमी बोरा और उसके पति सहित अन्य को गिरफ्तार किया था। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में अब तक करीब 18 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

संभल जाएं: रिटायर्ड इंजीनियर को कर लिया 'डिजिटल अरेस्ट', 10 करोड़ रुपये ठगे

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देश के विभिन्न हिस्सों से एक के बाद एक डिजिटल अरेस्ट की घटनाएं सामने आ रही हैं। साइबर अपराधियों द्वारा इस तरीके से लोगों से करोड़ों रुपयों की ठगी को अंजाम दिया जा रहा है। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से आया है। यहां रोहिणी इलाके में अपराधियों ने एक रिटायर्ड इंजीनियर को 8 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर के रखा। साइबर अपराधियों उसके साथ 10 करोड़ रुपयों की ठगी को अंजाम दिया है। पुलिस ने रिटायर्ड इंजीनियर को डिजिटल अरेस्ट कर के 10 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित रिटायर्ड इंजीनियर अपनी पत्नी के साथ में रोहिणी के सेक्टर 10 इलाके में रहते हैं। पुलिस ने रिटायर्ड इंजीनियर की शिकायत के आधार पर साइबर सेल में प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि रोहिणी में हुए डिजिटल अरेस्ट यानी धन उगाही के लिए ऑनलाइन डराने-धमकाने के मामले में उन्हें 60 लाख रुपये फ्रीज करने में कामयाबी मिली है। एक पुलिस अधिकारी ने आशंका जताई है कि ये ठगी विदेश से कॉल करने वालों की ओर से अंजाम दी गई थी। लेकिन भारत में ठगों के सहयोगियों ने उन्हें लक्ष्य के बारे में जानकारी इकट्ठा करने में मदद की है।

नेता प्रतिपक्ष को हनीट्रैप कर एचआईवी संक्रमित करने का था प्लान

बीजेपी विधायक संग साजिश रचने वाला पुलिस इंस्पेक्टर गिरफ्तार

बेंगलूरू, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक पुलिस इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा भूचाल आ गया है। यह पूरा मामला हनीट्रैप और राजनीतिक विरोधियों को एचआईवी संक्रमित करने की साजिश से जुड़ा है। गिरफ्तार पुलिस इंस्पेक्टर पर आरोप है कि उसने बीजेपी विधायक मुनिरत्ना नायडू के साथ मिलकर ये साजिश रची। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी विधायक मुनिरत्ना नायडू पर एक महिला का उत्पीड़न करने और उसका इस्तेमाल अपने राजनीतिक विरोधियों को हनीट्रैप करने का आरोप है। इस पूरे केस से जुड़े दो मामलों की जांच कर्नाटक पुलिस की एसआईटी टीम कर रही है। एसआईटी का आरोप है कि हेब्बागोडी स्टेशन में तैनात इंस्पेक्टर अय्याना रेड्डी ने राजराजेश्वरी नगर के विधायक नायडू और उनके सहयोगियों की हनीट्रैप में मदद की। अय्याना रेड्डी को मुनिरत्ना नायडू का करीबी माना जाता है। एसआईटी ने उसे हिरासत में लिया, इसके बाद उसके मेडिकल टेस्ट कराए गए। उसे आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। उधर, बीजेपी विधायक मुनिरत्ना नायडू को हाल ही में इस मामले में जमानत मिली है। 40 साल की एक सामाजिक कार्यकर्ता ने आरोप लगाया था कि बीजेपी विधायक ने उसका लगातार रेप किया और उसका इस्तेमाल हनीट्रैप में किया। बीजेपी नेता और कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक को भी एसआईटी ने तलब किया था क्योंकि उनका आरोप था कि नायडू ने उन्हें हनीट्रैप में फंसाने और उन्हें एचआईवी संक्रमित करने की कोशिश की थी। पिछले दिनों आर अशोक का एक वीडियो भी सामने आया था, इसमें वे बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना से बात करते नजर आ रहे थे। इसमें उन्होंने दावा किया था कि इस मामले में एक आरोपी ने बयान दिया है कि उन्हें एचआईवी संक्रमित करने की भी साजिश थी। आर अशोक ने यह भी दावा किया था कि यह जानकारी सामने आने के बाद उनके परिवार ने उन्हें देश छोड़ने की सलाह दी थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 16 नवंबर, 2024

मेरा हैदराबाद

सुविचार: भगवान में दृढ विश्वास रखना। जो होता है भगवान की इच्छा से ही होता है, जो सर्वदा मंगलमयी है।

लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले चार गिरफ्तार

सुनसान इलाके में रात को लोगों को बनाते थे शिकार

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केपीएचबी पुलिस ने सीसीएस बालानगर पुलिस के साथ मिलकर केपीएचबी पुलिस स्टेशन की सीमा में डकैती करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में बीरबल सिंह बीबानु निवासी भोनगिरी, भागेंद्र सिंह उर्फ बबलू सिंह निवासी भोनगिरी, रवि सिंह बौरी निवासी काजीपेट, दांडू नागेश उर्फ बबलू डुंडीगल शामिल हैं। सहायक पुलिस आयुक्त, कुकटपल्ली डिवीजन, साइबराबाद आयुक्तालय ने बताया कि आरोपी रात के समय यात्रा करने वाले यात्रियों और पैदल चलने वालों को निशाना बनाते हैं और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते हैं और उनसे संपत्ति जैसे सेल फोन, पैसे आदि छीन लेते हैं। इन आरोपियों ने केपीएचबी पुलिस स्टेशन की सीमा में मोबाइल फोन की लूट की थी।

शिकायतकर्ता केपीएचबी कॉलोनी में आरएस ब्रदर्स ज्वेलरी शॉप में कैशियर के पद पर कार्यरत है और जगतगिरी गुट्टा में रहता है। बीते 12 नवंबर की रात करीब दो बजे शिकायतकर्ता अपने निजी काम से मोटर साइकिल से कैथलपुर गया था और वापस घर लौट रहा था। इसी बीच रास्ते में शिकायतकर्ता रोड नंबर 1 में स्थित लोढ़ा अपार्टमेंट से गुजरा और कुछ दूर एक सुनसान जगह पर पहुंचा, अचानक कुछ ट्रांसजेंडर आए और कहा कि उपद्रवी आ रहे हैं, चले जाओ। यह कहकर वे चले गए। शिकायतकर्ता ने अपनी बाइक स्टार्ट की और कुछ दूर जाने पर दो अज्ञात अपराधी शिकायतकर्ता की बाइक के सामने एक मोटरसाइकिल पर आए और उन्होंने अपने चेहरे को नकाब से ढक लिया और दूसरी बाइक पर दो अज्ञात अपराधी शिकायतकर्ता की बाइक के पीछे आए और उन्होंने चाकू की नोंक पर शिकायतकर्ता की सोने की चेन, एक सेल फोन और उसकी बाइक की चाबी छीन ली और भाग गए। अंधेरे की आड़ में शिकायतकर्ता उन्हें पहचान नहीं सका। इसी क्रम में एक अन्य मामले में 9 नवंबर को शिकायतकर्ता अपने दोस्त जगदीश, निवासी मोती नगर, बोराबंडा से मिलने हैदराबाद आया और तीन दिनों से शिकायतकर्ता हैदराबाद में पर्यटन स्थलों का दौरा कर रहा था।

12 नवंबर को वह अपने दोस्त के साथ बाइक पर भोजन करने के लिए केपीएचबी आया था। रात का खाना खाने के बाद वे बोराबंडा वापस लौटे और करीब 12.15 बजे वे कैथलापुर रोड की ओर जाने वाली सड़क संख्या 4 पर पेशाब करने के लिए रुके। अचानक दो बाइकों पर चार अज्ञात व्यक्ति आए और शिकायतकर्ता का सैमसंग मोबाइल लूटकर भाग गए। अपराधियों ने अपना चेहरा नकाब से ढका हुआ था।

इसलिए शिकायतकर्ता ने आवश्यक कार्रवाई की मांग की। पुलिस के अनुसार दोनों अपराधों में शामिल आरोपी व्यक्ति एक ही हैं, और वे दो समूहों में विभाजित हो गए हैं, एक समूह (दो व्यक्ति) निगरानी के लिए है और दूसरा समूह (दो व्यक्ति) अपराध करने के लिए है, आसानी से पैसा कमाने की उनकी योजना के अनुसार वे अपने लक्ष्यों को पूरा करने और संपत्ति के अपराध करने के लिए सुनसान इलाकों और रात के समय यात्रियों को निशाना बना रहे हैं, जिसके संबंध में दो अपराध भी एक के बाद एक हुए और उन्होंने यह केवल आसान पैसा कमाने के लिए किया क्योंकि वे उस कमाई से अपनी विलासिता की आदतें बनाने के आदी हैं। एसएचओ एम. वेंकटेश्वर राव और डीआई, के. रवि कुमार और डीएसआई अब्दुल समद, ई. नरेंद्र गौड़, पीसी चेन्नईया, रामचंदर, सुरेश, आदिल पाशा और सिरीशा डब्ल्यूपीसी द्वारा किए गए अच्छे काम को एसीपी कुकटपल्ली के. श्रीनिवास राव के मार्गदर्शन में डीसीपी बालानगर के. सुरेश कुमार की देखरेख में जबरदस्त प्रयास किया गया।

बीआरएस नेताओं पर किसानों को भड़काने का आरोप

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और श्रीधर बाबू ने किसानों को भड़काने के आरोप में बीआरएस नेताओं की कड़ी आलोचना की। शुक्रवार को सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए मंत्रियों ने पिछली बीआरएस सरकार पर राज्य की वित्तीय प्रणाली को खराब तरीके से प्रबंधित करने का आरोप लगाया और तेलंगाना राज्य में अशांति पैदा करने के लिए बीआरएस नेताओं को भी दोषी ठहराया। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक चुनौतियों के बावजूद किसानों से किए गए वादों को पूरा कर रही है।

उन्होंने कहा, अच्छी किस्म के धान के लिए बोनस की घोषणा पहले ही की जा चुकी है और खरीद के एक सप्ताह के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया गया है।

किसानों को राजनीतिक उकसावे में आने के बजाय रचनात्मक सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

मंत्री ने कहा कि तेलंगाना 66.77 लाख एकड़ में 146 लाख मीट्रिक टन धान की खेती के साथ धान उत्पादन में अग्रणी है और राज्य सरकार द्वारा घोषित 500 रुपये के बोनस की बदौलत बारीक अनाज की किस्मों की खेती बढ़कर 40 लाख एकड़ हो गई है। उन्होंने खुलासा किया कि राज्य ने 7,411 खरीद केंद्र स्थापित किए हैं और अधिशेष उपज के निर्यात के अवसर तलाश रहा है। भाजपा नेताओं पर किसानों का मनोबल गिराकर कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाते हुए तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि अगर भाजपा वास्तव में किसानों की परवाह करती है तो उसे नमी की मात्रा के नियमों में बदलाव करना चाहिए।

मंत्री श्रीधर बाबू ने आरोप लगाया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की भूमिका लागाचर्ला घटना में शामिल थी, उन्होंने कहा कि उनकी अपनी पार्टी के नेताओं ने चिंता जताई है।

एलेग्रो आरएंडडी सेंटर से पांच सौ नौकरियां पैदा होंगी : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्रों के लिए चुंबकीय सेंसर, सेमीकंडक्टर और चिप्स के निर्माण में वैश्विक अग्रणी एलेग्रो माइक्रोसिस्टम्स ने हैदराबाद में अपना अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने शुक्रवार को एलेग्रो प्रतिनिधियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के बाद सचिवालय में एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इस विकास की घोषणा की।

मंत्री ने कहा कि इस आरएंडडी केंद्र की स्थापना से 500 प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि तेलंगाना के उद्योग-अनुकूल वातावरण से प्रभावित होने के बाद एलेग्रो ने हैदराबाद को चुना। उन्होंने कहा कि सरकार कंपनी को अपना आरएंडडी केंद्र स्थापित करने में पूरा समर्थन देगी। मंत्री श्रीधर बाबू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एलेग्रो के प्रवेश से राज्य में सेमीकंडक्टर चिप निर्माण उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि कंपनी के चिप्स का व्यापक रूप से सिग्नल डिजाइन, सत्यापन, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सत्यापन और रोबोटिक स्वचालन में उपयोग किया जाता है। एलेग्रो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी प्रबंधन और पावर चिप निर्माण में भी अग्रणी है, जो बीएमडब्ल्यू जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों के साथ सहयोग कर रहा है।

|| श्री गणेशाय नम: ||
मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद
के तत्वावधान में
दिपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम
कल रविवार 17 नवम्बर 2024 प्रात: 11.05 बजे से
:शुभस्थल: श्री महावीर भवन, मोण्डा मार्केट, सिकंदराबाद
: निवेदन : समस्त सेन समाज बन्धुओं से निवेदन है सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे
:निवेदक: मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के समस्त पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : हनुमानराम तंवर 9618240231
उपाध्यक्ष : नरेन्द्र चौहान 7981385114
सम्पर्क: 9849351230, 9182153274, 8886506301, 9000309375
सौजन्य: पितृ कृपा ज्वैलर्स पोट मार्केट, सिकंदराबाद - 9703440871
P.Solankey

ईओडब्ल्यू पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया

पॉलिसी और डबल गोल्ड स्कीम के नाम लोगों से करते थे ठगी

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की ईओडब्ल्यू पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बाय बैक पॉलिसी स्कीम और डबल गोल्ड स्कीम के नाम पर भोले-भाले लोगों से जमा राशि एकत्र करता थे। जनता से भारी मात्रा में राशि एकत्र करने के बाद उन्हें वादे के अनुसार ब्याज राशि का भुगतान नहीं करते थे। निवेश की गई राशि भी वापस नहीं किया गया।

आरोपियों ने 12 वेल्थ कैपिटल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड और अन्य कंपनियों के नाम पर निवेशकों को धोखा दिया। शिकायतकर्ता नयनी हरिकान्त निवासी केपीएचबी, हैदराबाद की शिकायत पर कालीदिंडी पवन कुमार, बिजनेस (एम/एस. 12 वेल्थ कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के एमडी) और उनके सहयोगी, रावुला सत्यनारायण, बोड्डुलु हरिकृष्णा, वल्लुरु भास्कर रेड्डी, पगडाला रवि कुमार रेड्डी, कोलाटी जे योथी, कुरल्ला मौनिका और कुरकुला लावण्या को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त, ईओडब्ल्यू, साइबराबाद के. प्रसाद के मुताबिक आरोपी ने 25 महीने के लिए बाय बैक ओपन प्लॉट स्कीम शुरू की है (8 लाख 8 हजार), जिसमें प्रत्येक ग्राहक को कम से कम 2 गुंटा जमीन खरीदनी होगी, जिसके लिए ग्राहक को रजिस्ट्रेशन शुल्क सहित 8.08 लाख रुपये देने होंगे।

इसके लिए कंपनी प्रत्येक ग्राहक को हर महीने 4 प्रतिशत लाभ देगी जो 25 महीने के लिए 32,000 रुपये प्रति माह है। इसके लिए बिजनेस एसोसिएट को ग्राहकों से जुड़ने के लिए 1 प्रतिशत कमीशन यानि 25 महीने के लिए 7200 रुपये प्रति माह मिलता है। जबकि डबल गोल्ड स्कीम के तहत ग्राहक न्यूनतम निवेश के रूप में 4 लाख रुपये तक और एक बार में अधिकतम बड़ी राशि का निवेश कर सकता है, जिसके लिए कंपनी ग्राहक को बांड की रसीद देगी। 12 महीने की अवधि पूरी होने के बाद, अंत में वे ग्राहकों को 8 लाख रुपये मूल्य के गोल्ड बिस्किट देंगे, जिस पर स्विट्जरलैंड की मुहर लगी होगी।

20 महीने की योजना वाली गोल्ड चिट्स स्कीम के तहत ग्राहक 5 लाख रुपये निवेश कर सकते हैं, जिसके लिए प्रबंधन ने 19 महीने तक 37 ब्याज के रूप में 15,000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है। 20वें महीने में, ग्राहक द्वारा 15,000 रुपये की राशि और जोड़कर, उन्होंने ग्राहकों को 5 लाख रुपये का निवेश वापस करने का वादा किया। इसका मतलब है कि ग्राहकों को अंत में कुल 8 लाख रुपये मिलते हैं। इस तरह से आरोपी ने 3600 सदस्यों से लगभग 300 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं।

साइबराबाद ईओडब्ल्यू पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे अनधिकृत लेआउट से सावधान रहें और धोखेबाजों, धोखेबाजों का शिकार न बनें। विभाग धोखेबाजों, धोखेबाजों पर मुकदमा चलाने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले की जांच एस अंजनेयुलु, पुलिस निरीक्षक, आर्थिक अपराध शाखा पुलिस स्टेशन, साइबराबाद द्वारा की जा रही है।

बालानगर रेलवे स्टेशन पर पहली बार एनएमजी रेक का उपयोग

बालानगर गुड्स शेड से ऑटोमोबाइल लोडिंग की गई

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद डिवीजन पर पहली बार बालानगर गुड्स शेड से एनएमजी (न्यू मॉडिफाइड गुड्स) रेक का उपयोग करके ऑटोमोबाइल ट्रैफिक लोड किया गया। हैदराबाद के बालानगर स्टेशन से दिल्ली के बिजवासन स्टेशन तक 1,770 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए एनएमजी रेक पर इलेक्ट्रिक ऑटो का परिवहन किया गया, जिससे उत्तर रेलवे को 17.5 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। लोकेश विश्नोई, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, हैदराबाद डिवीज़न, अनिरुद्ध पामर जेड, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/हैदराबाद मंडल और वी. विद्याधर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, हैदराबाद मंडल ने बालानगर रेलवे स्टेशन का दौरा किया और लोडिंग पैटर्न का निरीक्षण किया। दक्षिण मध्य रेलवे हाल के वर्षों में माल ढुलाई में सुधार के लिए विभिन्न पहल कर रहा है। माल ढुलाई की टोकरी को मजबूत करने और माल ग्राहकों को लाने के लिए व्यापक विपणन प्रयास करने के लिए ज़ोन के छह डिवीजनों में व्यवसाय विकास इकाइयां भी स्थापित की गई हैं। तदनुसार, केटो मोटर्स, जिसका प्लांट जेडचेरला के राजपुर गांव में है, बालानगर स्टेशन से ऑटोमोबाइल के परिवहन के लिए आगे आया है। इसके अलावा, उसी कंसाइनर द्वारा बालानगर रेलवे स्टेशन से ऑटोमोबाइल ट्रैफ़िक के 6 से 7 रेक लोड किए जाने की उम्मीद है। एनएमजी रेक संशोधित यात्री कोच हैं जिनका उपयोग मुख्य रूप से कार, ऑटो, मोटरसाइकिल, स्कूटर, कार और हल्के वाणिज्यिक वाहनों आदि जैसे वाहनों के परिवहन के लिए किया जाता है। एनएमजी रेक भारत के माल ढुलाई नेटवर्क का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, जो लागत प्रभावी और कुशल रसद सुनिश्चित करते हुए बढ़ते ऑटोमोबाइल उद्योग का समर्थन करते हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने माल ढुलाई बढ़ाने में हैदराबाद डिवीजन के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

अठारहवीं पुण्यतिथि

स्व.श्री देवारामजी परिहार
सुपुत्र: स्व.श्री खरतारामजी (मरुधर में गुड़ा मोकमसिंह)
स्वर्गवास: 16-11-2006
मृदुल था स्वभाव आपका, श्रद्धा भाव आपके।
सदा याद आती रहेगी, बीते हर पल संग आपके।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : दाकुबाई (धर्मपत्नी), मोटाराम (भाई), नरेन्द्रकुमार, बाबुलाल, पूनमचंद (पुत्र), विध्याबाई-विकासजी देवड़ा (पुत्री-दामाद), दिनेश, मुकेश, डॉ.राजेश (पौत्र), डॉ.हेमलता (पौत्री), हर्षिल, गर्वित, दिशा, लितिशा, जगवीर, प्रत्युष (पड़पौत्र-पड़पौत्री) एवं समस्त परिहार परिवार
: फर्म : पद्मावती ट्रेडर्स
कवाड़ीगुड़ा, हैदराबाद 9440067215, 9849591439
P.Solankey

नाम में बदलाव

मैं, "श्रीरामुला रमेश" (आधार कार्ड नं : 6084 8478 4452) , "श्रीरामुला वेंकटेश" के सुपुत्र, निवास स्थल : डोर.नं. 5/115 , गुडवंडला पल्ली (विलेज), नागिरेड्डिपल्ली (पोस्ट), सी.के.दिन्ने (मंडल), वाई. एस. आर. कडपा (जिला), आंध्रप्रदेश। इस तथ्य से मैं अवगत करता हूँ कि, मेरी पुत्री का नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र में "श्रीरामुला" "योक्षिथा" (नया नाम) के बदले गलती से "योक्षिथा श्रीरामुलु" (पुराना नाम) दर्ज किया गया है।

गरीबों के लिए मुसीबत, तस्करी को बढ़ावा, पटना हाईकोर्ट ने शराबबंदी को बताया उद्देश्य से भटका हुआ कानून

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने एक बार फिर बिहार में लागू शराबबंदी कानून की आलोचना की है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि शराबबंदी कानून बिहार में शराब और अन्य अवैध सामानों की तस्करी को बढ़ावा दे रहा है। यह कानून गरीबों के लिए मुसीबत बन चुकी है। इस कानून के तहत एक पुलिस इंस्पेक्टर के खिलाफ जारी किए गए डिमोशन के आदेश को रद्द करते हुए कोर्ट ने यह गंभीर टिप्पणियां की हैं।

उद्देश्य से भटका कानून

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि कोर्ट नेकहा कि बिहार प्रोहिबिशन एंड एक्साइज एक्ट, 2016 को सरकार द्वारा नागरिकों के जीवन स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुधारने के उद्देश्य से लागू किया था, लेकिन यह कानून कई कारणों से इतिहास की गलत दिशा में चला गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह फैसला न्यायमूर्ति पूर्णेंदु सिंह ने 29 अक्टूबर को सुनाया गया था और 13 नवंबर को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर फैसला अपलोड किया गया है। कोर्ट का यह फैसला मुकेश कुमार पासवान द्वारा दायर की गई याचिका के जवाब में आया।

शराब तस्करी को मिल रहा बढ़ावा

न्यायमूर्ति पूर्णेंदु सिंह ने अपने फैसले में कहा, "पुलिस, एक्साइज, राज्य वाणिज्यि क कर और परिवहन विभागों के अधिकारी इस शराबबंदी का स्वागत करते हैं, क्योंकि उनके लिए यह कमाई का जरिया है। शराब तस्करी में शामिल बड़े व्यक्तियों या सिंडिकेट ऑपरेटरों के खिलाफ बहुत कम मामले दर्ज होते हैं। वहीं, शराब पीनेवाले गरीबों या नकली शराब के शिकार हुए लोगों के खिलाफ अधिक मामले दर्ज किए जाते हैं।"

पुलिस और तस्करों में मिलीभगत

अपने फैसले में न्यायमूर्ति पूर्णेंदु सिंह ने पुलिस और तस्करों में मिलीभगत की ओर ध्यान दिलाते हुए स्पष्ट कहा, "शराबबंदी कानून की कड़ी शर्तें पुलिस के लिए एक सुविधाजनक उपकरण बन गई हैं। पुलिस अक्सर तस्करों के साथ मिलीभगत में काम करती है। कानून से बचने के लिए नए तरीके विकसित किए गए हैं। यह कानून मुख्य रूप से राज्य के गरीब लोगों के लिए ही मुसीबत का कारण बन गया है।"

इंस्पेक्टर के इलाके में हुई थी जब्ती

याचिकाकार्ता मुकेश कुमार पासवान पटना बाईपास पुलिस स्टेशन में स्टेशन हाउस ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे। उन्हें इसलिए निलंबित कर दिया गया था क्योंकि राज्य के एक्साइज अधिकारियों ने उनके स्टेशन से लगभग 500 मीटर दूर छापेमारी की थी और विदेशी शराब जब्त किए थे। राज्य सरकार द्वारा 24 नवंबर 2020 को जारी किए गए सामान्य आदेश के तहत उन्हें डिमोशन की सजा दी गई। इस आदेश में कहा गया है कि जिस पुलिस अधिकारी के क्षेत्राधिकार में शराब की बरामदगी होती है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट ने रद्द की सजा

याचिकाकार्ता मुकेश कुमार पासवान ने विभागीय जांच के दौरान भी अपना पक्ष रखा। इसके साथ ही उन्होंने खुद को निर्दोष साबित करने के लिए अदालत का रुख किया। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने पाया कि यह सजा पहले से निर्धारित थी, जिससे पूरी विभागीय प्रक्रिया मात्र औपचारिकता बनकर रह गई। अदालत ने न केवल सजा के आदेश को रद्द किया, बल्कि याचिकाकर्ता के खिलाफ शुरू की गई पूरी विभागीय कार्रवाई को भी रद्द कर दिया।

यूपी उपचुनाव में जीत के लिए

बीजेपी की आरएसएस के साथ बैठक, संघ के साथ तय हुआ खास फॉर्मूला

लखनऊ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी लोक सेवा आयोग के सामने यूपीपीएससी छात्रों के आंदोलन और उप-चुनाव को लेकर चल रही सियासी गहमा-गहमी के बीच लखनऊ में बीजेपी और संघ की बड़ी बैठक हुई है। इस बैठक में सपा के पीडीए फॉर्मूले की काट से लेकर छात्रों के आंदोलन को लेक चर्चा की गई। इसके साथ ही आगे की रणनीति पर भी मंथन हुआ। बीजेपी और संघ की बैठक में उपचुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई। इस बैठक में आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने संघ की क्षेत्रीय टोली और भाजपा नेताओं के साथ बातचीत की। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल भी मौजूद रहे।

संघ से जुड़े लोगों को तरजीह

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि बीजेपी संगठन में बदलाव से लेकर मंत्रिमंडल में बदलाव और आयोगों में पद देते समय संघ पृष्ठभूमि वाले लोगों को ज्यादा तरजीह दी जाए। इसके साथ ही पीएम मोदी के जनहित और विकासकारी एजेंडे को कैसे आगे बढ़ाना है इसका मंत्र भी दिया गया।

हिन्दुत्व के एजेंडे पर जोर

बैठक में समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले की काट को लेकर भी मंथन किया गया है। संघ ने पीडीए की काट के लिए हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने पर जोर दिया। इसके लिये पीएम मोदी के नारे 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' को आधार बनाते हुए इसे जमीन पर उतारने पर ज़ोर दिया गया। सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे के नारे को भी आधार बनाया जाएगा।

संघ ने छात्र आंदोलन पर जताई चिंता

विधानसभा उप चुनाव के बाद आम चुनाव 2027 के दृष्टि से भी नये सिरे से बने कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। संघ ने इस दौरान प्रयागराज में चल रहे छात्र आंदोलन पर भी चिंता जताई और बैठक में प्रतियोगी छात्रों के साथ समन्वय पर जोर दिया और लोकतांत्रिक तरीके से उनकी बातों पर विचार करने की सलाह दी।

आखिरी समय में संघ अपनी पूरी ताकत झोंकेगा

बैठक में ये फैसला लिया गया कि उपचुनाव वाली जिन सीटों पर कड़ी टक्कर है उनपर चुनाव के आखिरी समय में संघ अपनी पूरी ताकत झोंकेगा। इनमें करहल, कुंदरकी, सीसामऊ, कटेहरी जैसी सीटें शामिल हैं।

चार साल की दो मासूम बच्चियों के साथ बुजुर्ग ने की अश्लील हरकत, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान हो जाएगा। यहां चार साल की दो मासूम बच्चियों के साथ एक 70 वर्षीय व्यक्ति का अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। दरअसल पूरी घटना थाना क्षेत्र के दुमदुमवा गांव की है। जहां आरोपित व्यक्ति का नाम लेस मोहम्मद है और वह इसी गांव का निवासी है। पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर पॉक्सो एक्ट के तहत के साथ विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया है। पीड़ित बच्चियों के परिजनों ने बताया कि आज दोपहर करीब 12 बजे उनकी बच्चियों घर के बाहर सड़क पर खेल रही थी और वह अपने घर पर थी। इस बीच पड़ोस के रहने वाली एक महिला ने उन्हें उसकी और उसके रिश्तेदार की चार-चार साल की बच्चियों को लेस मोहम्मद द्वारा मकान में ले जाने की बात बताई।

सरकार के आश्वासन के बाद भी धरना दे रहे अभ्यर्थियों से पुलिस ने की ये 'इमोशनल' अपील

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने अभ्यर्थियों की मांगों को स्वीकार करते हुए समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा स्थगित कर दी और प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा को पुराने पैटर्न पर आयोजित करने की घोषणा की। मगर इस फैसले के बाद भी अभ्यर्थी धरना स्थल पर बने हुए हैं। उनकी मांग है कि वो प्रदर्शन से तब तक पीछे नहीं हटेंगे जब तक आरओ/एआरपओ परीक्षा भी एक ही पाली में कराने का फैसला ना आ जाए। इस बीच पुलिस ने अभ्यर्थियों से एक बड़ी मांग की है। आपको बता दें कि धरना दे रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने समझाते हुए कहा है कि वे धरनास्थल पर बैठे रहें, लेकिन बाकी ट्रेफिक चलने दें, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़ा।

अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन को लेकर ये कहा

बता दें कि सरकार के फैसले के बाद भी प्रयागराज में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन में डंटे हुए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार ने पीसीएस परीक्षा के लिए तो 'एक दिन, एक पाली' कर दिया है। लेकिन आरओ/एआरओ परीक्षा के बारे में कमेटी बनाने की बात कही है। यह कैसी कमेटी होगी और एग्जाम एक पाली में होगा कि नहीं, अभी तक क्लियर नहीं है। सरकार पहले क्लियर करे कि कमेटी क्या डिसाइड करेगी, तब तक धरना प्रदर्शन पर अभ्यर्थी ऐसे ही बने रहेंगे।

जमीन के लिए चली लाठियां, 7 लोग घायल

आरा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के भोपतपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। दोनों पक्षों से मां-बेटे समेत 7 लोग जख्मी हुए थे। सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जख्मियों में एक पक्ष से गीधा थाना क्षेत्र के भोपतपुर गांव निवासी स्व।विजय यादव की पत्नी राजवसिया कुंवर, उनका बेटा सूरज यादव, शोभा देवी और पुष्पा देवी शामिल है। जबकि दूसरे पक्ष से उसी गांव के निवासी वीरेंद्र सिंह उर्फ मैनेजर यादव की पत्नी धर्मशिला देवी, बेटी आंचल कुमारी और बहू रागिनी देवी शामिल है। धर्मशिला देवी ने बताया कि साढ़े 4 कट्ठा खेत को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। जानकारी स्थानीय थाना को भी है। दूसरे पक्ष का कहना है कि यह खेत मेरा है। उस खेत में उन्होंने धान बोया है। खेत में धान कट रही थी। दूसरे पक्ष ने काटने से मना किया। कहा कि खेत मेरा है। इसी बात को लेकर कहासुनी हुई। दूसरे पक्ष ने बेटी को पड़कर लाठी-डंडों से पीट दिया। जब सभी लोग उसे बचाने गए तो दूसरे पक्ष ने सभी की पिटाई कर दी गई।

जमीन विवाद के चलते दबंगों ने की पिटाई, पीड़ित परिवार ने एसपी से मिलकर मदद की लगाई गुहार

बस्ती, 15 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बस्ती में गुंडों और माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद है कि वह दिन दहाड़े आम लोगों को पीट-पीट कर अधमरा कर दे रहे हैं। बस्ती जिले से जो तस्वीर सामने आई , वह रोंगटे खड़े कर देने वाली हैं। जिसमें दबंग बेखौफ होकर पीड़ित के घर वालों पर टूट पड़े और लाठी डंडों से मार कर उन्हें देखते ही देखते लहूलुहान कर दिया। इसके बाद पीड़ित परिवार थाने पहुंचा। पीड़ित परिवार का आरोप है कि जब उनका पूरा परिवार लहूलुहान होने के बाद थाने पहुंचा तो हरैया थाने के थानेदार ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा न दर्ज कर मामले को अल्पीकरण कर दिया गया है और बेहद ही मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज कर खानापूर्ति कर ली।

कॉलेज में छात्रा के साथ दो शिक्षकों ने की छेड़छाड़ विरोध करने पर पीटा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

आजमगढ़, 15 नवंबर (एजेंसियां)। आजमगढ़ में स्थित हरिहर जी महाविद्यालय में पड़ने वाली बीए तृतीय वर्ष की छात्रा के साथ छेड़खानी करने वाले दो अध्यापकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। निजामाबाद थाना क्षेत्र की रहने वाली छात्रा अपने कॉलेज गई थी। कॉलेज प्रांगण में वह झूले पर बैठ कर अपने पिता से फोन पर फॉर्म भरने को लेकर बात कर रही थी। इसी बीच कॉलेज के एक अध्यापक मौके पर आकर खड़े हुए और इधर उधर बहुत देर तक देखते रहे जब कोई अगल बगल नजर नहीं आया तो छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने लगा। वहीं जब छात्रा ने विरोध किया तो उससे मार पीट करने लगा, फिर इसकी सूचना छात्रा ने अपने पिता को दी तो उसके पिता और भाई कॉलेज में पहुंचकर उससे सारी बात की जानकारी ली और डायल 112 को सूचना दिया। थाना प्रभारी निजामाबाद को घटना की जानकारी दी तो थाना प्रभारी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रा द्वारा बताए गए अध्यापक को हिरासत में ले लिया। इसके साथ में कालेज का सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर अपने साथ लेकर थाने चले गए।

अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर भीषण हादसा, दो युवतियों समेत 3 लोगों की मौत; 17 घायल

रुदौली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। (अयोध्या)। लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में मेदांता अस्पताल लखनऊ के लैब टेक्नीशियन व दो युवतियों सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। श्रद्धालु कार्तिक पूर्णिमा पर लखनऊ से अयोध्या दर्शन को जा रहे थे। वहीं, ट्रैवलर के 15 यात्री घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दो यात्रियों की हालत नाजुक बताई जा रही है। उनका प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 पर भेलसर चौकी के नवीन मंडी कुढासादात के पास दुर्घटना शुक्रवार को भोर में लगभग पांच बजे हुई।

कुढासादात के पास रुदौली नगर जाने के लिए कट बना है। इस कट पर तेज रफ्तार ट्रक अयोध्या जाने के लिए मुड़ रहा था। तभी लखनऊ की तरफ से आ रही यात्रियों से भरी ट्रैवलर ने ट्रक में टक्कर मार दी। ट्रैवलर कानपुर से गोरखपुर बारात लेकर जा रही थी। इसमें बैठे 15 लोग घायल हो गए। ट्रक में ट्रैवलर के टकराने के बाद लखनऊ से अयोध्या जा रही कार टकरा गई। कार की ट्रक व ट्रैवलर में टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और वाहन के परखच्चे उड़ गए। घटनास्थल पर पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची। हाइवे पर एक घंटे तक जाम लग गया। दोनों लेन पर भीषण जाम लग गया। दुर्घटना की शिकार तीनों वाहनों को पुलिस ने क्रेन से हटाकर यातायात को शुरू कराया।

बिहार में पोस्टर वार: 'बंटोगे तो कटोगे' पर आरजेडी का जवाब, 'भाजपा से सटोगे तो कटोगे'

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी तापमान तेजी से बढ़ रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग शुरू हो चुकी है और अब पोस्टर वार ने भी सियासी संघर्ष को नया मोड़ दे दिया है। हाल ही में संपन्न हुए चार विधानसभा सीटों के उपचुनावों के बाद से ही बिहार की राजनीति में गर्मी आ गई है। बीजेपी का 'बंटोगे तो कटोगे' नारा, आरजेडी का पलटवार 'भाजपा से सटोगे तो कटोगे भारतीय जनता पार्टी ने आगामी चुनावों के लिए 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा देते हुए चुनावी मैदान में उतरी है। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने भी पलटवार करते हुए 'भाजपा से सटोगे तो कटोगे' का नारा बुलंद किया है, जिससे राज्य की सियासत और भी गरम हो गई है। पटना की सड़कों पर अब आरजेडी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए पोस्टर लगवाए हैं। इन पोस्टरों में बीजेपी पर अपने सहयोगियों और जनता के साथ धोखा करने का आरोप लगाया गया है। आरजेडी प्रवक्ता और पूर्व विधायक ऋषि मिश्रा द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों में साफ लिखा गया है कि 'भाजपा से सटोगे तो कटोगे'। यह पोस्टर बीजेपी के खिलाफ आरजेडी के तीखे हमले का प्रतीक बन गए हैं।

बिहार पुलिस को बड़ी सफलता

पटना में 6.47 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

पटना , 15 नवंबर (एजेंसियां)। पटना के मसौढ़ी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर बीते शाम नूरा हाइस्कूल के पीछे स्थित खंडहर में छापेमारी कर पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तलाशी के दौरान उनके पास से 6.47 ग्राम ब्राउन शुगर, ब्राउन शुगर मापने की मशीन, पांच मोबाइल और दो बाइक भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों में थाना के नूरा ग्रामवासी नाथू राम के पुत्र राजकुमार, राजीव रंजन के पुत्र बब्लू कुमार और सुभाष सिंह के पुत्र त्रिदेव कुमार, पटना के कुर्जी थाना के कुर्जी बालूपर निवासी राकेश सिंह के पुत्र शशांक राज व दुल्हिनबाजार थाना के जवारपुर गौरेया ग्रामवासी बैजू शर्मा के पुत्र दीपू कुमार हैं। इधर पुलिस ने पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया। इस बाबत थानाध्यक्ष विजय कुमार यादवेंदु ने बताया कि शाम उन्हें गुप्त सूचना मिली कि कुछ तस्कर ब्राउन शुगर की तस्करी के लिए नूरा हाइस्कूल के पास स्थित खंडहर में इकट्ठा हुए हैं। सूचना के आलोक में पुलिस ने कारवाई करते हुए 6.47 ग्राम ब्राउन शुगर , ब्राउन शुगर मापने की एक मशीन, पांच मोबाइल और दो बाइक के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान दो तस्कर मौके से कुछ लेकर भाग निकलने में सफल हो गये, हालांकि दोनों की पहचान कर ली गयी है। पुलिस दोनों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी भी की है।

डीआरआई ने मुजफ्फरपुर में 42 करोड़ रुपये की कोकीन की बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक व्यक्ति से 42 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की है। साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। डीआरआई के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीआरआई, मुजफ्फरपुर इकाई द्वारा मामले की जानकारी दी गई। डीआरआई के अधिकारियों ने बताया कि मुजफ्फरपुर से एक भारतीय नागरिक से 4.2 किलोग्राम कोकीन जब्त की। गायघाट थाना क्षेत्र के मैथी टोल प्लाजा एनएच 57 के पास एक गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

भारतीय नागरिक थाईलैंड से भारत में मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त पाया गया। जब अधिकारियों ने पकड़े गए व्यक्ति द्वारा ले जाए जा रहे ट्रॉली बैग की जांच की, तो बैग के ऊपरी और निचले हिस्से में एक सफेद पाउडर जैसा पदार्थ छिपा हुआ मिला। डीआरआई अधिकारियों द्वारा जांच में बरामद पदार्थ कोकीन होने की पुष्टि हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह खेप नई दिल्ली में कुछ अज्ञात व्यक्तियों को दी जानी थी। अधिकारियों ने गिरफ्तार आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया है। उन्हें संदेह है कि आरोपी मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हिस्सा है।

लड़कियों की शिक्षा के लिए दान करेंगी 5 साल की सैलरी, बिहार की इस सांसद का ऐलान

समस्तीपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देश में सरकार की ओर से लड़कियों की शिक्षा के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। वहीं, अब नेताओं की ओर से निजी स्तर पर भी बेटियों के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। बिहार की युवा लोकसभा सांसद शांभवी चौधरी ने ऐसा ही कदम उठाया है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह अपने लोकसभा क्षेत्र समस्तीपुर में बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल के वेतन दान करेंगी।

कौन हैं शांभवी चौधरी?

शांभवी चौधरी केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की अध्यक्षता वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद हैं। वह बिहार की समस्तीपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान पीएम मोदी ने भी शांभवी चौधरी की तारीफ की थी। उन्होंने शांभवी को एनडीए की सबसे युवा उम्मीदवार बताया था।

शुरू किया शिक्षा का अभियान

शांभवी चौधरी ने कहा है कि उनके 5 साल के वेतन का उपयोग 'पढ़ेगा समस्तीपुर तो बढ़ेगा समस्तीपुर' नाम के अभियान में किया जाएगा। सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि पांच साल के दौरान मुझे वेतन के रूप में जो पैसा मिलेगा, उसे उन लड़कियों की मदद करने के उद्देश्य से कार्यक्रम के लिए खर्च किया जाएगा, जो आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ देती हैं।

सांसद नहीं, एक बेटी मिली- शांभवी

सांसद शांभवी चौधरी ने इस अनोखी घोषणा का ऐलान करते हुए बताया है कि जिस दिन समस्तीपुर जिले की स्थापना हुई थी उसी दिन इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। शांभवी ने कहा कि उन्होंने लोगों से वादा किया था कि मुझे वोट देकर उन्हें सिर्फ एक सांसद नहीं, बल्कि एक बेटी मिलेगी।

मानव अंगों की तस्करी में फंसाने की धमकी दे पूर्व सीडीए कर्मी से 15 लाख ठगे, पांच दिन रखा डिजिटल अरेस्ट

मेरठ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर रक्षा लेखा नियंत्रक (सीडीए) कार्यालय से रिटायर्ड कर्मचारी को मानव अंगों की तस्करी और 68 लाख रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने की धमकी देकर डराया। पांच दिन तक उन्हें घर में ही डिजिटल अरेस्ट रखा। किसी से बात करने और मिलने से रोका गया। बैंक खातों में उनसे 15 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। इस घटना के बाद से परिवार सदमे में है।

साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई है।

मेरठ में फर्जी स्टांप बनाकर करोड़ों का घोटाला सरकार को 7 करोड़ से ज्यादा राजस्व का नुकसान

मेरठ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ में अफसरों की नांक के नीचे करोड़ों का स्टांप घोटाला कर दिया गया। घोटाला करने के लिए किन लोगों ने सिंडिकेट बनाया, इसका खुलासा हो ही नहीं पा रहा है। मामले की गूंज लखनऊ तक भी पहुंच गई है, लेकिन सवाल यही है इस घोटाले की किसी को भनक नहीं लगी या फिर जानबूझकर आंखे बंद कर ली गई। अब तक की जांच में 997 के करीब फर्जी स्टांप पर बैनामें सामने आ चुके हैं और ये दायरा बढ़ रहा है। ये आंकड़ा बहुत छोटा है, लेकिन जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ता जाएगा, ये आंकड़ा भी और बढ़ेगा। इस फर्जी स्टांप घोटाले ने अफसरों की नींद उड़ा डाली है। अभी जिन बैनामों की जांच की गई थी उनमें 997 बैनामें सामने आए हैं जो फर्जी स्टांप पर कर दिए गए हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि ये स्टांप ट्रेजरी से खरीदे ही नहीं गए।

स्टांप घोटाला करने वालों के हौसले देखिए कि कोई उन्हें पकड़ ही नहीं पाया। गुपचुप तरीके से फर्जी स्टांप छापे गए और फिर बेचे भी गए और बैनामें कर दिए गए। अब जांच हुई तो पता चला कि करीब सात करोड़ रुपये से ज्यादा का सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ है, लेकिन इस घोटाले के गेम में कौन-कौन शामिल हैं और किस अधिकारी के संरक्षण में ये काम किया गया, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। मेरठ कोषागार की फर्जी मुहर भी बनवाई गई और फर्जी स्टापों पर लगाई भी गई।

स्टांप घोटाला इतना बड़ा है कि अफसरों को भी पसीना आ गया है। अब साल 2015 से लेकर अब तक के बैनामों की जांच की जाएगी जो दो लाख 27 हजार से ज्यादा हैं। इस जांच में भी करोड़ों के फर्जी स्टांप मिल सकते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फर्जी और असली स्टांप में फर्क कर पाना बेहद मुश्किल है, क्योंकि दोनों ही हुबहू नजर आते हैं। अब ये फर्जी स्टांप मेरठ में कहां छापे गए, कहां से यहां लाए गए, किसने इन्हें चलाया और किस-किस को इसमें शामिल किया, इसकी जांच की जा रही है।

सर्दी में जंगल भ्रमण के साथ बाघ दर्शन का है विचार तो कान्हा, बांधवगढ़ स्वागत को है तैयार

उमरिया, 15 नवंबर (एजेंसियां)। ऊंचे-ऊंचे साल के वृक्षों के बीच से होकर धरती को चूमती सूर्य रश्मियां, पक्षियों के कलरव, कुलांचे मारते हिरणों के झुंड और उन्मुक्त विचरण करते बाघ। घने वन के बीच घास के लंबे-लंबे मैदान और वन्य जीवों की गतिविधियों के बीच सर्दी के मौसम में जंगल सफारी का आनंद अलग है। अगर आप भी इस सर्दी के मौसम में प्रकृति के निकट कुछ समय व्यतीत करना चाहते हैं तो टाइगर स्टेट कहे जाने वाले मध्य प्रदेश के बांधवगढ़, कान्हा, पेंच और संजय दुबरी टाइगर रिजर्व स्वागत को तैयार हैं।

पर्यटकों से संकोच नहीं करते बजरंग और छोटा भीम

टाइगर स्टेट में सर्वाधिक बाघों की संख्या वाला बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व है। 165 बाघों वाले इस राष्ट्रीय उद्यान में बजरंग और छोटा भीम नाम के बाघ लोगों को सर्वाधिक आकर्षित करते हैं। यह दोनों पर्यटकों के समक्ष आने में संकोच नहीं करते। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान पहुंचने वाले पर्यटक एक ही दिन में कम से कम दो टाइगर रिजर्व की सफारी कर सकते हैं। बांधवगढ़ में सुबह की सफारी करने के बाद पर्यटक कान्हा टाइगर रिजर्व, संजय धुबरी टाइगर रिजर्व अथवा मुकुंदपुर टाइगर सफारी का भ्रमण आसानी से कर सकते हैं। इन सभी स्थानों की दूरी चंद घंटों की है। टाइगर स्टेट के टाइगर रिजर्व की बुकिंग के आंकड़ों के अनुसार दिसम्बर के दूसरे पखवाड़ा से जनवरी के पहले पखवाड़ा तक एक लाख से ज्याद पर्यटकों के पहुंचने की संभावना है। बांधवगढ़ से कान्हा की दूरी महज 210 किलोमीटर है और सड़क बेहद शानदार है। पर्यटक रास्ते में पड़ने वाले घुघुवा जीवाश्म पार्क का भ्रमण भी कर सकते हैं। बांधवगढ़ आने वाले पर्यटक मुकुंदपुर टाइगर सफारी इसलिए जाना चाहते हैं क्योंकि उन्हें वहां सफेद बाघ की सतवीं-आठवीं पीढ़ी के दर्शन सुगम होते हैं। यहां से 129 किमी की दूरी पर मुकुंदपुर टाइगर सफारी तथा 84 किमी की दूरी पर संजय धुबरी टाइगर रिजर्व है।

इस तरह पहुंचे

कान्हा, बांधवगढ़, पेंच और दुबरी टाइगर रिजर्व तक पहुंचने के लिए जबलपुर केंद्र बिंदु है। जबलपुर हवाई अड्डे से सभी प्रमुख शहरों की कनेक्टिवटी है। जबलपुर और कटनी रेलवे स्टेशन से भी पर्यटक बांधवगढ़ पहुंच सकते हैं इसके लिए उमरिया स्टेशन उतरना होता है। कान्हा नेशनल पार्क जबलपुर से 160 किमी तथा पेंच पार्क 170 किमी दूर है। वहीं संजय दुबरी टाइगर रिजर्व जबलपुर से 350 किमी की दूरी पर है।

ठहरने की व्यवस्था

बांधवगढ़, पेंच, कान्हा और संजय दुबरी में रुकने के लिए अच्छे होटल और सर्वसुविधा संपन्न होम स्टे सुविधा है। यहां मध्य प्रदेश टूरिज्म कार्पोरेशन के गेस्ट हाउस भी पर्यटकों की अच्छी आवभगत करता है।

भाजपा विधायक के घर के पास मिला एक युवक का शव शरीर पर चोट के निशान भी थे

इंदौर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक गोलू शुक्ला के बाणगंगा स्थित निवास के समीप एक युवक का शव मिला। एक वाहन के पास पड़े युवक को जब आसपास के लोगों ने देखा तो पहले लगा कि शराब के नशे में सो रहा होगा, लेकिन जब देर तक कोई हलचल नहीं हुई तो लोगों ने करीब से जाकर देखा। उसके सिर व अन्य हिस्सों में चोट लगी थी और उसकी सांस भी नहीं चल रही थी। तत्काल बाणगंगा पुलिस को जानकारी दी गई। भूरे रंग की टी शर्ट और काले रंग की पेंट पहने युवक के जेंब की पुलिस ने तलाशी ली,लेकिन कोई पहचान पत्र या मोबाइल फोन नहीं मिला। इस कारण युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई।मौके पर एफएसएल टीम भी पहुंची और घटनास्थल के आसपास की जांच की। युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए अरविंदो अस्पताल भेज दिया है। जिस युवक का शव शुक्रवार सुबह विधायक के घर के समीप दुकान के बाहर देखा, उसे गुरुवार रात लोगों ने सड़क पर टहलते हुए देखा था।

चिल्ड्रन डे पर स्कूल में गाना गा रहे थे हेडमास्टर, अचानक गिर पड़े, छात्रों ने समझा बेहोश हुए, पर हो गई मौत

बलांगीर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के बलांगीर जिले के कांटाबांझी क्षेत्र के पल्लीबिकाश पंचायत हाई स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर भाषण देते वक्त स्कूल के हेडमास्टर अचानक जमीन पर गिर पड़े। विद्यार्थियों ने समझा शायद थकान की वजह से बेहोश हुए पर जब हेडमास्टर साहब को अस्पताल ले जाया गया तब डॉक्टरों ने जो बात कही ,उसकी वजह से उत्साह का माहौल मातम में बदल गया। डॉक्टरों ने हेडमास्टर साहब को मृत घोषित कर दिया। हंसते खेलते माहौल को मानो किसी की नजर लग गई। स्कूल में जो शिक्षक कुछ समय पहले बच्चों को भाषण दे रहे थे। उनके लिए गाना गा रहे थे उनका शरीर अब बेसुध पड़ा था। शिक्षक द्वारा गाया गया आखिरी गाना अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो को छात्र ने रिकॉर्ड किया था। वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि बच्चे बैठे हुए हैं जबकि हेडमास्टर कुछ गाने गा रहे हैं। इस दौरान छात्र भी काफी खुश लग रहे थे। अचानक जब हेडमास्टर जमीन पर गिरे तो माहौल बदलते देर नहीं लगी। इसके बाद हेडमास्टर को छात्र और अन्य टीचर एक कार में लेकर अस्पताल पहुंचे। इसका भी वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि हेडमास्टर को कार के पिछली सीट पर लेटाया गया है। जब अस्पताल के डॉक्टरों ने मृत घोषित किया तो स्कूल में शोक की लहर की दौड़ गई। प्रधानाध्यापक के अचानक गिरने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन माना जा रहा है कि उन्हें हार्ट अटैक आया होगा। स्कूल के एक शिक्षक ने कहा कि हमारे स्कूल में बाल दिवस मनाया जा रहा था। हमारे प्रधानाध्यापक भाषण देते देते अचानक गिर पड़े। हम उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल लेकर गए पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे पिछले 23 वर्षों से पढ़ा रहे थे। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का खुलासा हो सकेगा।

मध्य प्रदेश ने पराली जलाने के मामले में पंजाब को पछाड़ा, दर्ज की गई 14.5% की बढ़ोतरी

भोपाल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश ने इस साल के धान की कटाई के मौसम में पराली जलाने के मामलों में पंजाब को पीछे छोड़ दिया है। 14 नवंबर तक की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में 7,626 मामले दर्ज हुए हैं, जबकि मध्य प्रदेश में 8,917 मामले सामने आए हैं। यानी मध्य प्रदेश में पराली जलाने के मामलों की संख्या पंजाब से 14.5% ज्यादा रही। यह पहला मौका है, जब मध्य प्रदेश ने पराली जलाने के मामलों में पंजाब को पीछे छोड़ दिया है। 2020 से जब से मध्य प्रदेश में पराली जलाने के मामलों की गिनती शुरू हुई थी, तब से यह पहली बार हुआ है कि राज्य ने पंजाब को मात दी है। पिछले चार वर्षों में पंजाब ने कुल 2,99,255 पराली जलाने के मामले दर्ज किए, जबकि मध्य प्रदेश में इन चार वर्षों में कुल 55,462 मामले दर्ज हुए हैं। इस आंकड़े को देखकर यह कहा जा सकता है कि पंजाब ने पराली जलाने के मामलों को नियंत्रण में रखने में बड़ी सफलता हासिल की है।

इस साल की स्थिति

इस साल 14 नवंबर तक पंजाब में पराली जलाने के मामलों में पिछले वर्षों के मुकाबले 70% की कमी आई है। यह आंकड़ा पंजाब के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि राज्य ने अपने प्रयासों के कारण इस गंभीर पर्यावरणीय समस्या में कमी लाने में सफलता प्राप्त की है। पंजाब के साथ-साथ हरियाणा ने भी पराली जलाने के मामलों में काफी कमी की है और अब यह राज्य शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बाद हरियाणा का स्थान है। हालांकि, यदि पिछले छह वर्षों का आंकड़ा देखा जाए, तो पंजाब और मध्य प्रदेश के बाद हरियाणा तीसरे स्थान पर है। इस साल 14 नवंबर तक उत्तर प्रदेश में 2,375, राजस्थान में 1,906, हरियाणा में 1,036 और दिल्ली में सिर्फ 12 पराली जलाने के मामले दर्ज हुए हैं।

इन छह राज्यों में कुल 21,866 पराली जलाने के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जिनमें से 932 मामले दर्ज हुए थे। दिल्ली और मुंबई से मिली जानकारी के अनुसार, पंजाब में मध्य प्रदेश की तुलना में अधिक फायर रेडियेटिव पावर (एफआरपी) रिपोर्ट की गई है। एफआरपी एक पैमाना है, जिससे यह पता चलता है कि किसी क्षेत्र में कितनी पराली जलाई जा रही है और जलाने से कितनी गर्मी उत्पन्न हो रही है। अधिक एफआरपी मान का मतलब है कि जलने का क्षेत्र ज्यादा और जलने की तीव्रता भी अधिक है।

घर में आग लगने से जिंदा जल गए पति-पत्नी, मिलीं केवल राख और हड्डियां!

भोपाल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल से एक दिल दहला देने वाले हादसे की जानकारी मिली है। यहां पर एक दंपती सतीश बिराडे (26) और आम्रपाली बिराडे (24) के घर में भीषण आग लगी थी। फायर ब्रिगेड द्वारा आग बुझाए जाने के बाद उन्हें बचाने गई पुलिस को घर में से उनकी जली हुई लाश मिली है। दोनों के शव राख और हड्डियों में तब्दील हो चुके थे। बताया जा रहा है कि उनकी शादी तीन साल पहले ही हुई थी। मामला मिसरोद थाना क्षेत्र के जाट खेड़ी का है जहां यह खौफनाक घटना हुई। घर से धुआं निकलते देख पड़ोसियों ने इस बात की जानकारी पुलिस को दी थी। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अब पुलिस हत्या और आत्महत्या, दोनों ही एंगल से जांच कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस को दंपती की हड्डियां और राख बिस्तर पर पड़ी मिली थीं। बाकी पूरे घर का सामान भी जल चुका था। हालत यह थी कि पुलिस को पोटलियों में बांधकर शवों को ले जाना पड़ा। पुलिस ने खुद बताया कि शवों की हालत बहुत बुरी थी।

'चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक', हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की दो टूक

चंडीगढ़, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रशासन के एक फैसले के चलते पंजाब-हरियाणा में राजनीतिक माहौल गर्माया हुआ है। हरियाणा सरकार को विधानसभा भवन बनाने के लिए चंडीगढ़ प्रशासन 10 एकड़ भूमि देने का फैसला लिया है। इसी को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। पंजाब और हरियाणा दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ है, लेकिन दोनों ही इसे अपना बताते हैं और इसे अपने राज्य को सौंपने की मांग करते हैं। इस मुद्दे पर अब पंजाब और हरियाणा के सीएम आमने सामने हो गए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा,'पहले उन्होंने (पंजाब) एसवाईएल का पानी रोका और अब वे विधानसभा पर आ गए हैं। चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक है। आपको (भगवंत मान) लोगों के लिए काम करना चाहिए। मैं भगवंत मान से कहना चाहूंगा कि आप किसानों की फसल खरीद सकते थे। आप उन्हें एमएसपी नहीं दे रहे हैं।

'समझदारी से काम लेना चाहिए'

हरियाणा के सीएम ने कहा,'आप (भगवंत मान) यह कहकर लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं कि आप हमें यहां विधानसभा नहीं बनाने देंगे। मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि वे किसानों के हित में कदम उठाएं। वे ऐसी बातें क्यों कहते हैं कि हमने पानी रोक दिया है, हम उन्हें विधानसभा नहीं बनाने देंगे। इसका क्या मतलब है? समझदारी से काम लेना चाहिए।

चंडीगढ़ पंजाब काः सुनील जाखड़

इस मुद्दे पर हाल ही में पंजाब बीजेपी के नेता सुनील जाखड़ का भी बयान आया था। सुनील जाखड़ ने पंचकुला में आज तक से बात करते हुए कहा था,'हां, मैं चंडीगढ़ में हरियाणा की अपनी विधानसभा के निर्माण के लिए चंडीगढ़ हरियाणा को जमीन देने के फैसले का विरोध करता हूं। चंडीगढ़ पंजाब का है और कोई भी पंजाबी इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। मैंने प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने और इस फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है।'

बीजेपी चीफ के पद से दिया इस्तीफा

सुनील जाखड़ ने कहा था कि चंडीगढ़ पर पंजाब का पूरा अधिकार है। पीएम मोदी ने पंजाब के लिए बहुत कुछ किया है। मुझे लगता है कि पंजाब के हित में उन्हें इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। हरियाणा के नेताओं को हरियाणा में ही अपनी विधानसभा बनानी चाहिए। पंजाब में लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाने के बाद मैंने पंजाब भाजपा प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था। मैंने अपना इस्तीफा जेपी नड्डा को दे दिया है और अब पार्टी नेतृत्व को फैसला लेना है।

'अलग-अलग जगहों पर किया यौन उत्पीड़न' भोपाल के डिप्टी कलेक्टर पर लगा रेप का आरोप

राजगढ़, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक डिप्टी कलेक्टर पर रेप के आरोप में केस दर्ज हो गया है। एक अधिकारी द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने अपने दावे के बारे में एक वीडियो भी शेयर किया है। अधिकारी ने बताया कि डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते पर आरोप है कि उन्होंने एक महिला सरकारी कर्मचारी को शादी का झांसा देकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि महिला द्वारा शिकायत मिलने के बाद डिप्टी कलेक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। अधिकारी ने महिला की शिकायत के हवाले से बताया कि 47 वर्षीय राजेश सोरते 2022 में राजगढ़ जिले के पचोर में तहसीलदार के पद पर थे। उन्होंने कहा कि राजगढ़ का तहसीलदार रहने के दौरान ही सोरते महिला के संपर्क में आए थे। महिला की शिकायत के हवाले से अधिकारी ने बताया कि उसके बाद सोरते ने महिला का अलग-अलग स्थानों पर कथित यौन उत्पीड़न किया। सारंगपुर के उपसंभागीय पुलिस अधिकारी अरविंद सिंह ने बताया कि पचोर पुलिस ने सोरते के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। दुष्कर्म के इस मामले को भारतीय न्याय संहिता यानी कि बीएनएस की बजाय आईपीसी के तहत इसलिए दर्ज किया गया क्योंकि कथित अपराध बीएनएस के लागू होने से पहले 2022 में किया गया था। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता महिला ने अपने दावे के संबंध में एक वीडियो भी साझा किया है। अधिकारी ने कहा, 'हमने सोरते को अरेस्ट करने के लिए एक स्पेशल टीम का गठन किया है।' महिला ने राजगढ़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) आदित्य मिश्रा से सोरते के खिलाफ शिकायत की थी, जिसके बाद मिश्रा ने केस को जांच के लिए पचोर थाने के इंस्पेक्टर अखिलेश वर्मा को सौंप दिया था।

बलिदानी नायब सूबेदार राकेश कुमार के घर पहुंचीं एमपी कंगना रनौत, बच्चों से मुलाकात कर दिया हौसला

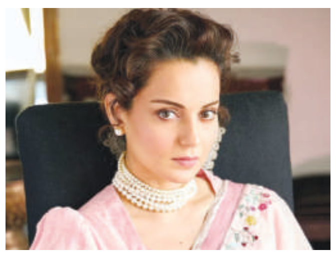

मंडी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की संसद कंगना रनौत शुक्रवार को बलिदानी नायब सूबेदार राकेश कुमार के घर पर पहुंचीं। यहां उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। सांसद कंगना रनौत नाम बलिदानी राकेश कुमार के बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान कंगना रनौत में कहा- 'कुछ दिन पहले मंडी का बेटा नायब सूबेदार राकेश जम्मू कश्मीर में उग्रवादियों से लोहा लेते हुए इस मातृभूमि के लिए शहीद हो गए। आज उनके घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके बेटे और बेटी से भी बात की। उन्होंने भी यही कहा कि पिताजी के शहीद होने का शोक तो है, लेकिन गर्व भी है कि उन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शहीदों और उनके परिवारों के प्रति विशेष संवेदनशीलता है'। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों से मुठभेड़ में नायब सूबेदार राकेश कुमार बलिदान हो गए थे। वे आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन को लीड कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें गोली लगी। गोली लगने के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

वे मंडी जिला के नाचन विधानसभा क्षेत्र की छम्यार पंचायत के बरनोग गांव के रहने वाले थे। बलिदानी राकेश कुमार की धर्मपत्नी भानुप्रिया का अब भी रो-रो कर बुरा हाल है।

वे किसी तरह खुद को समझाने की कोशिश कर रही हैं। 12 नवंबर को जब राकेश कुमार का पार्थिव देह अपने पैतृक घर पहुंचा था, तो भानुप्रिया ने हिम्मत जुटाते हुए भारत माता की जय का उद्घोष किया जिसके बाद हर सीना गर्व से चौड़ी हो उठा था। साल 2023 में अगस्त महीने में आई आपदा के दौरान नायब सूबेदार राकेश कुमार का घर भी क्षतिग्रस्त हो गया था। उनका घर अपने बड़े भाई के साथ ही था। उन्होंने अपने बड़े भाई से कहा था कि जनवरी 2025 में छुट्टियों पर आएंगे तो यह घर बनवा लेंगे, लेकिन इससे पहले ही वह देश के लिए बलिदान हो गए। उन्होंने किश्तवाड़ में आतंकियों से लोहा लेते हुए उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। नायब सूबेदार राकेश कुमार की उम्र सिर्फ 42 साल थी और वे लंबे वक्त से भारतीय सेवा में सेवाएं दे रहे थे।

ओडिशा के 24 तटीय गांव 'सुनामी रेडी' घोषित, यूनेस्को ने भी दी मान्यता

भुवनेश्वर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा राज्य के 24 तटीय गांव सुनामी रेडी (सुनामी की आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार) घोषित किए गए हैं। यूनेस्को के 'इंटर गवर्नमेंटल ओसीनोग्राफिक कमीशन' ने भी इन 24 गांवों को सुनामी रेडी होने की मान्यता दे दी है। 11 नवंबर को इंडोनेशिया में दूसरे ग्लोबल सुनामी सिम्पोसियम का आयोजन किया गया। इसी आयोजन के दौरान यूनेस्को ने ओडिशा के 24 गांवों को सुनामी रेडी होने का प्रमाण पत्र जारी किया। ओडिशा के जिन गांवों को सुनामी के लिए तैयार घोषित किया गया है, उनमें बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी और गंजम जिले के गांव शामिल हैं। साथ ही ओडिशा के दो गांवों जगतसिंहपुर जिले के नोलियासाही और गंजम जिले के वेंकटरायपुर को सूनामी के लिए तैयार रहने का प्रमाण पत्र नवीनीकरण किया गया है। इन दो गांवों को साल 2020 में ही सुनामी के लिए तैयार घोषित कर दिया गया था। इन गांवों में सरकार ने सभी हितधारकों की आपात स्थिति की ट्रेनिंग दी है। साथ ही गांव के लोगों के लिए जागरुकता अभियान, सुनामी प्रबंधन योजना, मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। साथ ही बचाव मार्गों की पहचान आदि का काम किया गया है। नेशनल सुनामी रेडी रिकॉगनिशन बोर्ड (एनटीआरआरबी) ने इन तटीय गांवों का दौरा कर उन 12 सूचक बिंदुओं को जांचा, जिनके आधार पर किसी भी गांव को सुनामी रेडी घोषित किया जाता है। नेशनल सुनामी रेडी रिकॉगनिशन बोर्ड में नेशनल सेंटर फॉर ओसीन इन्फोर्मेशन के वैज्ञानिक और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी शामिल रहे। एनटीआरआरबी बोर्ड ने अपनी पुष्टि के बाद इन गांवों के नाम यूनेस्को के पास मंजूरी के लिए भेजे थे। जहां से इन्हें मंजूरी मिल गई है।

लॉरेंस बिश्नोई की हिटलिस्ट में श्रद्धा वाकर हत्याकांड के आरोपी आफताब पूनावाला का नाम? मुंबई पुलिस का खुलासा

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर मुंबई पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इसी बीच जांच में एक और खुलासा हुआ है। सामने आया है कि राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मोस्ट वॉन्टे सस्पेक्ट में से एक शुभम लोनकर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए काम कर रहा है। इसके अलावा, यह जानकारी भा सामने आई है कि दिल्ली में हुए श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड मामले में आरोपी आफताब पूनावाला भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के रडार पर है। बाबा सिद्दीकी की हत्या का आरोप लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर लगा है। इस हत्याकांड में पुलिस ने अब तक 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मुख्य आरोपी शुभम लोनकर और जीशान अख्तर अभी तक फरार हैं। सलमान खान को 10 दिनों में चार बार जान से मारने की धमकी मिली है।

मुंबई क्राइम ब्रांच पुणे में रहने वाले शुभम लोनकर को गिरफ्तार करने के लिए व्यापक प्रयास कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इस साल जनवरी में अकोला पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के एक मामले में शुभम लोनकर को गिरफ्तार किया था। उस समय पुलिस ने शुभम लोनकर के पास से तीन हथियार जब्त किए थे। अकोला पुलिस रिपोर्ट से संकेत मिला है कि शुभम लोनकर के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके भाई अनमोल बिश्नोई के साथ संबंध हैं। आरोप है कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के असलहा तस्करी में शामिल है। जांच में पता चला है कि शुभम लोनकर ने अनमोल बिश्नोई से उनके मोबाइल पर वॉट्सऐप बिजनेस के जरिए संपर्क किया था। पुलिस ने पुष्टि है कि शुभम लोनकर वास्तव में बिश्नोई गिरोह के लिए काम कर रहा है। मई 2022 में वसई की एक युवती, श्रद्धा वाल्कर की दिल्ली में उसके प्रेमी आफताब पूनावाला ने हत्या करके टुकड़े कर दिए थे। इन टुकड़ों को उसने फ्रिज में रखा था। मामला बहुत चर्चित हुआ था। इस घटना को सांप्रदायिक रंग भी दिया गया था। मामला नवंबर 2022 में सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस ने आफताब को गिरफ्तार कर लिया।

आफताब तिहाड़ में है और सूत्रों से संकेत मिलता है कि वह बिश्नोई गिरोह का निशाना है। इस जानकारी ने महाराष्ट्र एटीएस और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

महाराष्ट्र में शाह के हेलिकॉप्टर की चेकिंग

ईसी अधिकारियों ने बैग खोलकर जांचे; गृह मंत्री बोले- बीजेपी का निष्पक्ष चुनाव में विश्वास

हिंगोली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के हिंगोली में शुक्रवार दोपहर गृह मंत्री अमित शाह के हेलिकॉप्टर की जांच हुई। इलेक्शन कमिशन के अधिकारियों ने शाह के हेलिकॉप्टर की जांचा और उसमे रखा सामान भी खोलकर देखा। पूरी जांच की वीडियोग्राफी भी कराई गई। वहीं, शाह ने भी इस चेकिंग के वीडियो को एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- आज महाराष्ट्र के हिंगोली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मेरे हेलीकॉप्टर की जांच की। भाजपा निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास करती है। और माननीय चुनाव आयोग के बनाए गए सभी नियमों का पालन करती है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग (ईसी) की सख्ती जारी है। चुनाव के बीच ईसी देश के 9 बड़े नेताओं की जांच हो कर चुकी है। 14 नवंबर को भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और उद्धव ठाकरे के सामानों की चेकिंग की गई थी। खड़गे नासिक में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। हैलिपेड पर उनकी जांच की वीडियोग्राफी भी हुई। गोंदिया में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के हेलिकॉप्टर और बैग की जांच की गई। वे गोरेगांव विधानसभा सीट पर एनसीपी(एसपी) उम्मीदवार के लिए प्रचार करने जा रहे थे। उद्धव ठाकरे की तीसरी बार अहमदनगर में जांच हुई। इस तरह कराड एयरपोर्ट (सातारा) पर गोवा के सीएम प्रमोद सावंत का सामान भी चेक हुआ। 13 नवंबर को सीएम एकनाथ शिंदे की भी चेंकिग हुई थी। वे पालघर में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अधिकारी से कहा था- कपड़े हैं, यूरिन पॉट वगैरह नहीं है। यह कमेंट उद्धव के बयान पर तंज था। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले के हेलिकॉप्टर की भी जांच हुई थी। दरअसल, 11 और 12 नवंबर को दो बार उद्धव ठाकरे के सामान की जांच हुई थी। उद्धव ने इसका वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कह रहे थे- मेरा बैग चेक कर लीजिए। यूरिन पॉट भी चेक कर लीजिए, लेकिन अब मुझे मोदी का बैग चेक करते हुए भी आप लोगों का वीडियो चाहिए। वहां अपनी पूंछ मत झुका देना। इससे बाद मंगलवार को लातूर में ईसी ने नितिन गडकरी के बैग की चेकिंग हुई थी। महाराष्ट्र भाजपा ने बुधवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें सुरक्षाकर्मी डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के सामान की चेकिंग करते नजर आ रहे हैं। पार्टी ने बताया था कि वीडियो 5 नवंबर को कोल्हापुर एयरपोर्ट का है। पार्टी ने दावा किया था कि इससे पहले 7 नवंबर यवतमाल जिले में भी उनके सामान की जांच हुई थी। उद्धव ठाकरे की चेकिंग का वीडियो सामने आने के बाद 12 नवंबर को फडणवीस ने कहा था कि कोल्हापुर में मेरा भी बैग चेक किया गया, इसके बाद 7 नवंबर को भी चेकिंग हुई। उद्धव जांच का विरोध करके लोगों का ध्यान भटका रहे हैं। वे रोकर-चिल्लाकर वोट हासिल करना चाहते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 16 नवंबर- 2024

भाजपा के नारे बटेंगे तो कटेंगे में विरोधियों का विरोध

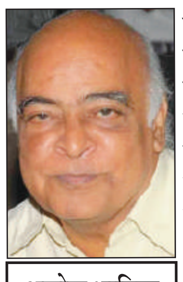

अशोक भाटिया

देश के दो राज्यों में विधानसभा का चुनाव जोर - शोर से हो रहा है। महाराष्ट्र में 20 तारीख को सम्पूर्ण प्रान्त व झारखण्ड में दूसरे चरण की 38 पर व कुछ राज्यों में उपचुनाव की 14 सीटों का चुनाव हो रहा है । इन चुनाओं में एक नारा गूंज रहा है 'बटंगे तो कटेंगे'। इसे दिया है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कट्टर हिंदू की छवि वाले आदित्यनाथ ने । उन्होंने यह नारा तब दिया जह पड़ोसी बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद वहां हिंदुओं पर हमले शुरू हो गए। देखते ही देखते यह नारा काफी मशहूर हो गया। इस नारे का इस्तेमाल हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव में भी हुआ था।विपक्ष ने इसे धार्मिक ध्रुवीकरण का प्रयास बताते हुए इसकी आलोचना की। इस नारे का इस्तेमाल भाजपा के नेता तो कर रहे हैं।लेकिन एनडीए में उसके सहयोगी दल इससे खुश नजर नहीं आ रहे हैं। वो इसकी आलोचना कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ इस नारे को देश की एकता से जोड़कर बताते हैं।उनका कहना है कि हमारी ताकत एकता है।उनका कहना है कि अगर हम बंट गए तो हमारा पतन हो जाएगा। इसलिए हमें हर हाल में एक रहना है।वो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के समय विपक्ष पर चुप रहने का भी आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि विपक्ष फिलस्तीन पर तो प्रतिक्रिया देता है, लेकिन बांग्लादेश पर चुप्पी साध लेता है, क्योंकि उसे वोट बैंक की चिंता है। बहरहाल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटेगे तो कटेंगे का नैरेटिव इस तरह सेट किया, जिसे भाजपा के शीर्ष नेताओं और आरएसएस का तो समर्थन मिला ही मिला। पीएम मोदी से लेकर अमित शाह तक अपनी रैलियों में इसका जिक्र करते नजर आ रहे हैं। विपक्षी पार्टियां इससे हट कर कोई और नारा देने की जगह इसी के इर्द गिर्द अपने नारे और सियासी एजेंडा गढ़ने में जुटी है। इस तरह से सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अपने-अपने हिसाब से सियासी एजेंडा सेट करने में लगी हैं। आपको बतादे कि बांग्लादेश के संदर्भ में दिया गया यह नारा बटेंगे तो कटेंगे उत्तरप्रदेश की सियासी फिजा में गूंजा और फिर धीर-धीरे जातियों में बिखरे हुए हिंदुओं को एकजुट करने की नैरेटिव में तब्दील होने लगा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ योगी के नारे पर अपनी सहमति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रहने का संदेश दे कर एक तरह से इसकी तस्दीक ही करते नजर आए हैं। विजयादशमी के मौके पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बांग्लादेश के बहाने हिंदुओं को एकजुट रहने की बात करके सीएम योगी के बयान का समर्थन कर दिया था। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में साफ कहा था कि हिंदू एकता संघ का जीवन वृत है। हम यह बात आग्रहपूर्वक कहेंगे और आगे इसके लिए प्रयास भी करेंगे। योगी के 'कटेंगे तो बटेंगे' बयान पर संघ का स्पष्ट कहना है कि हिंदू एकता लोक कल्याण के लिए है। हमें अपने को भी बचाए रखना है और दुनिया का भी मंगल करना है। ऐसे में हिंदू एकता जरूरी है। इस बारे में खुद होसबाले ने बताया कि जाति के आधार पर और विचारधारा के आधार पर हिंदुओं की एकता को तोड़ने का काम किया जा रहा है। भाजपा और संघ इस बात को समझ रहे हैं कि जातीय राजनीति के असर की वजह से 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे सियासी नुकसान उठाना पड़ा था। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में नंबर वन पार्टी थी, लेकिन 2024 में भाजपा को दोनों प्रदेशों में झटका लगा था। इसके चलते भाजपा एक रणनीति के तहत हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बंटेंगे तो कटेंगे के नैरेटिव को पूरी तरह सेट करने में जुटी है ताकि सियासी फिजा को अपने पक्ष में कर सके। सीएम योगी से लेकर पीएम मोदी और अमित शाह सहित भाजपा के तमाम नेता बटोगे तो कटोगे और एक रहोगे तो सेफ रहोगे की बात को हर रैली में दोहरा रहे हैं। पीएम मोदी का नारा दलित-पिछड़े वर्गों के बीच दरार पैदा करने के लिए और कथित रूप से विभाजनकारी राजनीति में शामिल होने के लिए कांग्रेस की आलोचना के रूप में अब प्रचारित किया जाने लगा है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि पार्टी का एकमात्र एजेंडा एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाना है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा था वे नहीं चाहते कि एससी, एसटी और ओबीसी आगे बढ़ें और उन्हें उचित पहचान मिले। याद रखें, 'एक हैं तो सेफ हैं'। सीएम योगी के द्वारा खड़े किए गए बंटेंगे तो कटेंगे वाले सियासी नैरेटिव का डिफेंड करने के बजाय विपक्ष उसी आक्रमता के साथ जवाब दे रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पीएम मोदी से लेकर सीएम योगी तक की आलोचना कर रहे हैं। खड़गे ने महाराष्ट्र में कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं बटेंगे तो कटेंगे, अगर हम एकजुट हैं तो सुरक्षित हैं, लेकिन असली खतरा किसे है? क्या कोई समस्या है, क्या देश को संघ, भाजपा और मोदी से खतरा है? योगी के 'बटेंगे तो कटेंगे' के नैरेटिव को अखिलेश यादव खुलकर काउंटर करने का दांव चल रहे हैं और उसे जातीय के एजेंडे पर सेट कर रहे हैं। अखिलेश हर रोज इस पर अपना बयान दे रहे हैं और बार-बार यही कहते नजर आते हैं दलित-पिछड़े-अल्पसंख्यक जुड़ेंगे तो जीतेंगे। पीडीए एक है और नेक है। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी ने इस नारे को मुस्लिमों से जोड़ दिया और कहा कि मुसलमानों के घर बुलडोजर से तोड़ने वाले, कैसे समाज को जोड़ने का काम करेंगे। आप सांसद संजय सिंह कहते हैं कि भाजपा को हिन्दुओं की चिंता नहीं, उसे केवल चुनाव जीतने की चिंता है। आरजेडी की प्रवक्ता प्रियंका भारती ने कहा कि जाति के आधार पर लोगों को किसने बांटा है? समाज में आज भी मूंछ रखने या शादियों में घोड़ी पर चढ़ने के लिए दलितों पर हमला और उनकी हत्या कौन कर रहा है? योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे वाले बयान से भाजपा के सहयोगी दलों ने किनारा कर लिया है। महाराष्ट्र में अजित पवार ने साफ कर दिया है कि महाराष्ट्र ने कभी भी सांप्रदायिक विभाजन को स्वीकार नहीं किया। यहां के लोगों ने छत्रपति शाहू महाराज, ज्योतिबा फुले और बाबासाहेब आंबेडकर की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का पालन किया है। इस तरह की राजनीति महाराष्ट्र में नहीं चलने वाली है, क्योंकि यहां के लोगों ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित किया है। कुछ लोग बाहर से यहां आते हैं और बयान देते हैं, हम इससे सहमत नहीं है। हमारा नारा सब का साथ और सब का विकास है। अजित पवार के सुर में सुर मिलाते हुए एकनाथ शिंदे भी नजर आए और उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में इस तरह की सियासत नहीं हो सकती है। जेडीयू ने कहा कि हमारी पार्टी ने अपनी विचारधारा को गिरवी नहीं रखा है। भाजपा से हमने बिहार सहित देश के विकास के लिए गठबंधन किया है। हम लोग सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। देश एकजुट रहे, आगे बढ़े, इसके लिए हमारी पार्टी ने हमेशा मेहनत की है। जेडीयू नेता खालिद अनवर का कहना है कि हम लोग ऐसे किसी भी नारे को प्रमोट नहीं कर सकते जिसका मकसद समाज को बांटना या तोड़ना है। राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा देकर भाजपा हिंदू वोटों को एकजुट करना चाहती है, क्योंकि 2024 लोकसभा चुनाव में मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण हुआ था, लेकिन हिंदू वोटों का नहीं। इसलिए भाजपा बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे देकर लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान की भरपाई करना चाहती है। महाराष्ट्र में आरक्षण एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है तो झारखंड में आदिवासी-मुस्लिम एकता भाजपा के लिए सियासी टेंशन बनी है, क्योंकि इसके तले धार्मिक ध्रुवीकरण सफल नहीं हो पा रहा है। महाराष्ट्र में कॉस्ट पॉलिटिक्स ने भाजपा की सियासी टेंशन बढ़ा रखी है। मराठा आरक्षण आंदोलन ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को झटका दिया था। मराठों के खिलाफ ओबीसी और धनगरों के खिलाफ आदिवासियों के बीच सियासी संघर्ष बना हुआ है। इसके चलते इस चुनाव में आरक्षण का मुद्दा जोरों पर है। महा विकास अघाड़ी ने जातिगत जनगणना और आरक्षण की 50 फीसदी के बैरियर को तोड़ने का वादा करके भाजपा के लिए सियासी चुनौती खड़ी कर दी है।योगी आदित्यनाथ को सिर्फ उत्तर भारतीय वोटों के लिए नहीं बल्कि एक हिंदू आइकन के रूप में महाराष्ट्र में उतारा गया है। इसीलिए वो अपनी पहली रैली से ही हिंदुत्व के एजेंडे को सेट करने में जुट गए हैं ताकि महाराष्ट्र में मराठा और ओबीसी आधारित वोटिंग को हिंदुत्व के नाम पर एकजुट करें। ऐसा करके योगी जाति आधारित मतदान पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए भाजपा के तमाम नेता 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे को बुलंद कर रहे हैं तो पीएम मोदी भी एक रहेंगे तो नेक रहेंगे की बात करके उसे मजबूत करने में लगे हैं।

सलाखों के फर्श पर नरेश

राजस्थान के देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में खडे नरेश मीणा ने एक मतदान केंद्र पर एरिया मजिस्ट्रेट अमित चौधरी को थप्पड़ क्या मारा कि उनके दुर्दिन शुरू हो गए। इस घटना के बाद नरेश मीणा और उनके 60 समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसडीएम की शिकायत पर नरेश मीणा के खिलाफ 10 गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है, इससे वे कब तक उबर पाएंगे कहा नहीं जा सकता। बता दें कि राजस्थान में 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ है। इसमें देवली उनियारा विधानसभा सीट को नरेश मीणा के थप्पडकांड ने सुर्खियों में ला दिया है। वे कांग्रेस के बागी और निर्दलीय प्रत्याशी थे। समर्थकों के कंधों पर सवार होकर पुलिस को चुनौती देने वाले नरेश मीणा अब पुलिस कस्टडी में सलाखों के पीछे फर्श पर सोते हुए एक फोटो सामने आया है। दूसरी ओर एरिया मजिस्ट्रेट के तौर पर कार्य कर रहे मालपुरा एसडीएम अमित कुमार चैधरी ने नरेश के खिलाफ नगर फोर्ट पुलिस थाने में 10 गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया है। इसके अलावा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज करवा कर कडी कार्रवाई की मांग भी कर डाली है। देवली उनियारा विधानसभा में वोटिंग के दिन नरेश मीणा ने विवाद के चलते समरावता गांव में एरिया मजिस्ट्रेट अमित चौधरी को थप्पड़ जड दिया। इससे जमकर बवाल हो गया। थप्पड से तिलिमिलाए एसडीएम ने नरेश मीणा के खिलाफ 10 गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज करवा दिया। इनमें एसडीएम को मतदान बूथ पर थप्पड़ मारने और जान से मारने की धमकी देने का मामला भी दर्ज है। इसके अलावा एसडीएम ने नगर फोर्ट पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 189(2), धारा 190, 115(2), 121(2), 132, 223(A), 351(2), 109(1) मामला दर्ज कराया है। इसके अलावा लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951 व 1989 के अंतर्गत धारा 131 ओर धारा 132 में भी मामला दर्ज कराया है। अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक तस्वीर को लेकर दावा किया जा रहा है कि यह नरेश मीणा हैं जो सलाखों के पीछे फर्श पर सोते हुए नजर आ रहे हैं। नरेश मीणा के अलावा पुलिस ने उनके 60 समर्थकों को भी गिरफ्तार किया है। इस उपद्रव में करीब 12 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। इसके अलावा 2 सरकारी गाड़ियों के अलावा 7 प्राइवेट वाहन और करीब 25 बाइकों में आग लगाई गई है। इसके चलते जिला पुलिस की 28 टीम अपराधियों की धरपकड़ में दिन रात एक किए हुए है। इधर, आरएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर खराड़ी ने एसडीएम के साथ हुई मारपीट के बाद एंप्लाइज सिक्योरिटी एक्ट लागू करने की मांग की है। अगर ये लागू हो जाए तो पुलिस या अन्य जिस भी अधिकारी की लापरवाही रही, तो उसके खिलाफ कार्रवाई हो सकेगी। यह दाग तब ही धुलेगा, जब अपराधी को सजा होगी। भविष्य में थप्पड़ कांड जैसी घटनाएं दोबारा न हों, इसीलिए प्रशासनिक अधिकारियों का सुरक्षा प्रॉटोकॉल और अधिक मजबूत बनाना होगा। इस मामले को लेकर जिला कलेक्टर का कहना है कि जब समरावता गांव में वोटिंग बहिष्कार का मामला सामने आया, तो उन्होंने नरेश मीणा को छह बार फोन कर बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उन्होंने एडीएम के जरिए मौके पर भेजकर बात कराने को कहा, लेकिन उन्होंने तब भी बात नहीं की। जिला कलेक्टर का कहना है कि एडीएम पूरे समय वहां मौजूद थे और नरेश मीणा की बात सुन रहे थे। बता दें कि नरेश मीणा ने टोंक जिला कलेक्टर पर आरोप लगाया था कि उन्हें बार-बार मौके पर बुलाने की कोशिश की गई लेकिन वे मौके पर नहीं आई, जिससे बात बिगड गई।

नजीर बनेगा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

राधा रमन

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों देश में माफिया या आपराधिक मामलों के महज आरोपी होने के कारण बुलडोजर से उनका घर गिराए जाने की कारवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए पूरी कार्यपालिका को कठघरे में खड़ा कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि रोटी, कपड़ा के साथ आवास (घर) भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों में शामिल है। आदमी जीवनभर की कमाई खर्च करके घर बनाता है। इसलिए बगैर किसी ठोस कारणों के किसी का घर गिराना मनमानी है। यदि सरकार उचित प्रक्रिया का पालन किये बगैर किसी का घर गिराती है तो उसे सत्ता की शक्ति का दुरुपयोग माना जाएगा। सनद रहे कि पिछले कुछ वर्षों से उत्तरप्रदेश, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड की सरकारें कई अपराधियों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त करती रही हैं। इसमें दो राय नहीं है कि बुलडोजर से न्याय देने की परिपाटी उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरू की थी। बाद में यह अभियान इतना तेज हो गया कि पुलिस-प्रशासन बेख़ौफ़ होकर किसी आरोपी के घर को बुलडोजर से ध्वस्त करने लगा था। विपक्ष बार- बार बोलता रहा कि सरकार बदले की भावना से काम कर रही है और खासकर एक जाति विशेष के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन सरकार इसे 'रामराज्य' का न्याय बताकर अपनी पीठ थपथपाती रही। बाद में भाजपा शासित कई अन्य राज्यों ने बुलडोजर एक्शन को अपना रोल मॉडल बना लिया। हालत यह हो गई कि मध्यप्रदेश के शहडोल में सांप्रदायिक दंगे में एक ऐसे व्यक्ति का घर ध्वस्त कर दिया गया जो घटना के पहले से किसी अन्य मामले में जेल में बंद था। यही नहीं अयोध्या में रेप के आरोपी समाजवादी पार्टी के एक अल्पसंख्यक नेता का घर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। बाद में डीएनए जाँच में वह बेदाग़ पाया गया। उत्तरप्रदेश में विपक्ष यह भी आरोप लगाता रहा कि जिला परिषद् के चुनाव में सरकार ने बुलडोजर का भय दिखाकर परिणाम अपने पक्ष में कर लिया था लेकिन तब मीडिया, अदालत या किसी अन्य ने इसका नोटिस लेना जरूरी नहीं समझा था। शीर्ष अदालत का यह फैसला तब आया जब 22 अगस्त 2022 को जमीयत- उलेमा-ए-हिंद ने याचिका दाखिल की। जमीयत ने अपनी याचिका में कहा था कि भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाकर बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। याचिका में ह्यूमन राइट्स पर केंद्रित एनजीओ एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया जिसमें अप्रैल से जून 2022 तक भाजपा शासित पाँच राज्यों उत्तरप्रदेश, असम, गुजरात, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में बुलडोजर एक्शन की 128 घटनाओं का जिक्र किया गया है। हालाँकि इससे पहले भी बुलडोजर एक्शन के बहुतायत मामले हो चुके थे और कोर्ट में याचिका दाखिल करने के बाद भी बुलडोजर से घर गिराने का काम जारी रहा। इसी साल 24 जून को बरेली में एक प्लाट पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में पथराव और फायरिंग की घटनाएँ हुईं। प्रशासन ने आरोपी बिल्डर के घर, फार्महाउस और रिसॉर्ट को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया। इसी तरह मुरादाबाद में अपहरण के एक आरोपी का घर 28 जून को ढहा दिया गया।सरकार की दलील रही कि घर सरकारी जमीन पर बनाए गए थे और अतिक्रमण हटाने के उद्देश्य से घरों को गिराया गया। अदालत में सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोर्ट अपने फैसले से हमारे हाथ नहीं बांधे।

किसी की भी प्रोपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई है कि उसने अपराध किया है बल्कि आरोपी के अवैध अतिक्रमण पर कानूनन एक्शन लिया गया है। सवाल उठता है कि अगर अतिक्रमण पर एक्शन लिया गया है तो सरकार का एक्शन 40 -50 साल बाद क्यों लिया गया? फिर अतिक्रमण कराने अथवा इतने दिनों तक इसकी अनदेखी करनेवाले अधिकारियों पर सरकार ने क्या एक्शन लिया? किसी का घर रातोंरात तो नहीं बन जाता है। उसे बनाने में वर्षों लग जाते हैं और व्यक्ति की जीवनभर की कमाई खर्च हो जाती है। सवाल यह भी उठता है कि घर बनाते समय प्रशासनिक अमला किस नींद में सो रहा था? संभवतः अदालत ने यही खोट पकड़ी। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि "क़ानून को ताख पर रखकर किया गया 'बुलडोजर जस्टिस' असंवैधानिक है। किसी के घर को सिर्फ इस आधार पर नहीं तोड़ा जा सकता कि वह दोषी है। फिर अफसर न्याय करने का काम अपने हाथ में नहीं ले सकते। वे किसी को कोर्ट में मुक़दमा चलाए जाने से पहले दोषी नहीं ठहरा सकते। वे जज नहीं बन सकते। अदालत ने अपने फैसले में आर्टिकल 21 का भी जिक्र किया। इसके तहत लोगों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार मिला हुआ है। शीर्ष अदालत ने लोगों के घरों में रहने के मौलिक अधिकार को ख़त्म करने के लिए बुलडोजर एक्शन के 'डरावने मंजर' की बात कही। साथ ही बुलडोजर से घरों और प्रतिष्ठानों को गिराने के लिए 15 सूत्री गाइडलाइन भी जारी किया। इसके तहत बुलडोजर एक्शन के 15 दिन पहले रजिस्टर्ड डाक से नोटिस देना शामिल है ताकि आरोपी बचाव के लिए उचित फोरम पर अपना तथ्य रख सके। ऐसा नहीं करने पर संबंधित अधिकारी से व्याज समेत घर बनाने का खर्च वसूल किया जाएगा। बिना उचित कारण बताए कोई तोड़फोड़ नहीं की जाएगी और नोटिस भेजने के बाद 15 दिन का समय दिया जाएगा।

नोटिस की जानकारी जिला कलेक्टर को देनी अनिवार्य है। इस दौरान अधिकारी पीड़ित व्यक्ति की फ़रियाद सुनेंगे। इसकी रिकार्डिंग की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया के लिए एक डिजिटल पोर्टल बनाना अनिवार्य होगा जिसमें कार्रवाई का नोटिस और ऑर्डर की कॉपी अपलोड करना होगा।

प्रभावित व्यक्ति के जवाब से असंतुष्ट होने पर दोबारा 15 दिन का नोटिस देना होगा ताकि प्रभावित व्यक्ति अदालत में अपना पक्ष रख सके। अगर अदालत इस बीच मामले पर स्टे नहीं देती है तो प्रोपर्टी गिराई जा सकती है। लेकिन उसकी भी वीडियोग्राफी करानी होगी और उसे पोर्टल पर अपलोड करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम अदालत का यह फैसला आनेवाले दिनों के लिए नजीर बनेगा। अदालत के इस फैसले से आतंक के साए में जीवन बसर कर रहे लोगों को निःसंदेह राहत मिलेगी और सरकार के इशारे पर काम करनेवाले अधिकारियों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। देखना दिलचस्प होगा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला 'बुलडोजर एक्शन' पर अंकुश लगा पाता है या सरकार और उसके नुमाइंदे इसका कोई तोड़ निकाल लेते हैं। यह तो आनेवाला समय ही बता सकता है।

गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा लागू करने में बाधाएं

डॉ. सत्यवान सौरभ

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा किसी भी स्वास्थ्य प्रणाली की नींव होती है, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ 65% से ज़्यादा आबादी रहती है। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ देने में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अपर्याप्त बुनियादी ढाँचाः ज़्यादातर ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में बिजली, स्वच्छ पानी और उपकरण जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021 के अनुसार, 8% से ज़्यादा स्वास्थ्य सेवा केंद्र बिना बिजली के काम करते हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में डॉक्टरों और नर्सों सहित प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की भारी कमी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 2022 के अनुसार भारत में स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में डॉक्टरों की 23% कमी है। लंबी दूरी और खराब परिवहन नेटवर्क के कारण दूरदराज के इलाकों में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिससे मरीजों की स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच प्रभावित होती है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी क्षेत्रों के 40% से ज़्यादा गाँवों में नज़दीकी स्वास्थ्य सेवा केंद्र तक पहुँच नहीं है। कम साक्षरता स्तर और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता की कमी के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं का कम उपयोग होता है।

बिहार जैसे राज्यों में कम जागरूकता के कारण टीकाकरण दर कम बनी हुई है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1.3% स्वास्थ्य सेवा पर ख़र्च करता है (आर्थिक सर्वेक्षण 2023), जो ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपर्याप्त है। पीएचसी में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, बिजली, स्वच्छ पानी और आवश्यक उपकरण सुनिश्चित करने में निवेश करें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त धन आवंटित कर सकता है। डॉक्टरों और नर्सों के लिए उच्च वेतन, आवास और ग्रामीण भत्ते जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से भर्ती और प्रतिधारण को बढ़ाएँ।

तमिलनाडु जैसे राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के लिए डॉक्टरों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामीण सेवा लाभ प्रदान करते हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए टेलीमेडिसिन और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के उपयोग का विस्तार करें। ग्रामीण भारत में टेलीकंसल्टेशन प्रदान करने के लिए ई-संजीवनी का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। मातृ और बाल स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में समुदाय-आधारित जागरूकता कार्यक्रम चलाएँ। ग्रामीण इलाकों में मातृ देखभाल को बढ़ावा देने में आशा कार्यकर्ता प्रभावी रही हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 द्वारा अनुशंसित सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को सकल घरेलू उत्पाद के कम से कम 2.5% तक बढ़ाएँ। थाईलैंड जैसे देशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में निरंतर निवेश के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार किया है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियाँ सिर्फ़ मरीज़ों तक सीमित नहीं हैं; वे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के कंधों पर भी भारी बोझ डालती हैं। डॉक्टरों के सामने आने वाली कठोर वास्तविकता हैं-हिंसा, अपर्याप्त आवास और ढहते बुनियादी ढाँचे। ये कारक यहाँ सरकारी अस्पतालों में काम करने के लिए कई लोगों को रोकते हैं। विशेषज्ञों को लाने के प्रयासों के बावजूद, ऐसे पेशेवरों की कमी का मतलब अक्सर यह होता है कि मरीजों को इलाज़ के लिए ज़िला अस्पतालों में भेजा जाना चाहिए। ₹कोविड-19 महामारी हमारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक चेतावनी थी, फिर भी इस क्षेत्र में कोई अतिरिक्त निवेश नहीं हुआ है। सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में, ग्रामीण भारत के लोग, विशेष रूप से पहाड़ों, जंगलों और रेगिस्तानों में रहने वाले लोग, बीमारी का सामना करने पर ख़ुद का ख़्याल रखना जारी रखते हैं-अक्सर बीमारी के गंभीर होने तक देखभाल में देरी करते हैं, बिल्कुल भी देखभाल नहीं करते हैं या अनौपचारिक, खराब गुणवत्ता वाले प्रदाताओं से देखभाल लेते हैं। जब वे स्वास्थ्य सेवा लेने में सक्षम होते हैं, तब भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, उन्हें खराब गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा मिलती है और अक्सर इस प्रक्रिया में वे कर्ज़ में डूब जाते हैं।ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच बढ़ाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपकरण, टेलीमेडिसिन, अभी भी महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है।

विशेषज्ञों की उपलब्धता को संरेखित करना, यह सुनिश्चित करना कि रोगियों को इंटरनेट और बिजली जैसे आवश्यक बुनियादी ढाँचे तक पहुँच हो और विशेषज्ञों द्वारा अक्सर सामना की जाने वाली भारी नैदानिक ज़िम्मेदारियों का प्रबंधन करना, ये सभी बाधाएँ हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता है।

हे पार्थ! उठो और अपना ठीकरा फोड़ो!

रामविलास जांगिड़

ठीकरा फोड़ना हमारी सांस्कृतिक धरोहर में एक ऐसी परंपरा है जिसमें हम दूसरों को अपनी गलतियों का जिम्मेदार ठहराने में महारत हासिल कर लेते हैं। भारत में ठीकरा फोड़ना सिर्फ एक मुहावरा नहीं बल्कि एक संजीवनी है, जो रोजमर्रा की परेशानियों और कठिनाइयों को चुटकियों में दूर करने की सुविधा देती है। चाहे वह प्रदूषण का मुद्दा हो या फिर चुनावी वादों का, ठीकरा फोड़ने की यह कला जीवन में हर क्षेत्र में काम आती है। चुनाव के मौसम में ठीकरा फोड़ना बिल्कुल अनिवार्य होता है। हर नेता अपने वादों को पूरा न कर पाने का ठीकरा पिछले शासन पर मढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ता। जनता पूछे कि आपने इतने वादे किए थे, महंगाई कम होगी, बेरोजगारी घटेगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ? तो नेता का सहज जवाब होगा- देखिए, पिछली सरकार ने देश को कर्ज़ में डुबो दिया था, हम तो उसी से उबर रहे हैं। जब चुनाव में जीत न हो पाए, तब भी ठीकरा फोड़ने का शास्त्र तुरंत लागू हो जाता है। अगर हार का कारण पूछें, तो जवाब मिलेगा - विपक्ष ने हमें गंदा प्रचार करके हराया है, या चुनाव आयोग ने निष्पक्षता नहीं दिखाई! चुनावों में इस कला का अभ्यास बखूबी होता है। हर पार्टी अपने विरोधियों पर ठीकरा फोड़कर मन हल्का कर लेती है। अगर कोई कह दे कि प्रदूषण के कारण हमारे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं, तो तुरंत ठीकरा पड़ोसी देश पर मढ़ दिया जाता है। ये प्रदूषण तो पाकिस्तान से आ रहा है! इजरायल इराक की लड़ाई का असर है। उन्होंने जानबूझकर मिसाइलें चलाकर हमारे शहर की हवा खराब कर दी है। ठीकरा फोड़ने का यह अद्भुत वैज्ञानिक प्रयोग बिना किसी वैज्ञानिक आधार के, पूर्ण प्रभाव से काम कर जाता है। पर्यावरण प्रदूषण का ठीकरा फोड़ने के मामले में तो हम वाकई नायाब हैं। प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ जाए कि लोगों की आंखों से आंसू बहने लगें, तो भी ठीकरा अपनी गलती पर नहीं जाएगा। बल्कि सबसे पहले तो ठीकरा पड़ोसी राज्यों पर फोड़ा जाएगा। हमारे तो कारखाने बहुत कम हैं, ये तो सब उन किसानों का दोष है जो पराली जलाते हैं। प्रदूषण का ठीकरा तकदीर और मौसम पर भी फोड़ा जाता है।ठीकरा फोड़ने की यह कला घर में भी खूब देखने को मिलती है। दाल में नमक ज्यादा हो गया। अब इसका ठीकरा किस पर फोड़ा जाए? पत्नी कहेगी, देखो! ये नमक का नया ब्रांड ही खराब है। पति नाम का जंतु यह सोचते हुए कि उसे रोज नई दाल में यह नमक झेलना पड़ेगा, हामी भर देगा। ये ठीकरा पड़ोसियों पर भी फोड़ा जाता है- आजकल पड़ोस के घर में मसाले बहुत तेज बनते हैं, इसलिए हमारे घर में भी सब्जी ज्यादा तीखी हो जाती है। पति अगर ऑफिस से देर से घर आए, तो ठीकरा सीधे बॉस पर मढ़ दिया जाता है- अरे, आज बॉस ने बिना वजह लेट कर दिया। अगर बच्चों के रिजल्ट खराब आए, तो ठीकरा स्कूल पर मढ़ दिया जाता है- हमारे बेटे का तो पढ़ाई में मन था, लेकिन स्कूल में ही पढ़ाई का माहौल नहीं है! चाहे चुनाव का माहौल हो, प्रदूषण का संकट हो, या घरेलू जीवन की उलझनें, ठीकरा फोड़ने की कला हमें हर कदम पर सहारा देती है। इसलिए हे पार्थ! उठ और अपना ठीकरा फोड़!

हर किसी के लिए एक कुर्सी

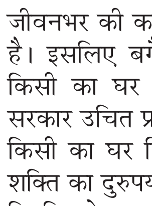

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आज सुबह से ही फलाने समाचार चैनल पर एक अजीब सी हलचल थी। ऐसा लग रहा था जैसे सभी पत्रकार एक साथ किसी अनजाने आदेश पर सड़कों पर निकल आए हैं, मानो कोई नई स्कीम लॉन्च होने वाली हो। और हां, हमारे नेताओं ने एक नई योजना का उद्घाटन किया है – हर घर में एक कुर्सी। अब यह कुर्सी केवल बैठने के लिए नहीं होगी, बल्कि यह कुर्सी एक प्रतीक बन गई है हमारे लोकतंत्र का, जहां हर नागरिक को बैठने का अधिकार है, लेकिन उठने का नहीं। इस योजना के पीछे एक गहरा तर्क है, जो निहित है हमारे सिस्टम की अद्भुत सोच में। दरअसल, कुर्सी का मतलब है कि आप किसी भी सरकार के कामों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं, लेकिन सिर्फ बैठकर। क्योंकि जब आप उठेंगे, तो आपकी आवाज़ दब जाएगी। एक कुर्सी आपके दुख-दर्द को सुनने के लिए नहीं, बल्कि आपकी चुप्पी को प्रमाणित करने के लिए है। जैसे कि एक दुखी पिता अपने बेटे की पढ़ाई के लिए पैसे इकट्ठा करता है, लेकिन उसी समय उस पैसे को किसी भ्रष्ट नेता के हाथ में डाल देता है। लोगों ने सरकार की इस योजना को लेकर उत्साह व्यक्त किया, लेकिन इसी उत्साह के बीच एक सवाल उभरा – क्या इस कुर्सी पर बैठने के लिए कोई शुल्क भी लगेगा? अब तो यह भी तय हो चुका है कि सरकारी कुर्सी पर बैठने के लिए भी एक बड़ा दान देना पड़ेगा, नहीं तो कुर्सी में बैठने का अधिकार केवल उन लोगों के लिए रहेगा, जिनके पास किसी नेता का फोन नंबर हो। और फिर एक दिन, जब लोग इस कुर्सी की व्यवस्था से खुश होकर अपने घरों में बैठने लगे, तो एक अचानक आई बाढ़ ने सब कुछ बहा दिया। कुर्सियां, जो कभी सत्ता के प्रतीक थीं, अब नदियों में तैरती हुई नजर आईं। लोग अपने घरों से बाहर निकलकर उन्हें देखने लगे, मानो यह कुर्सियां उन्हें वापस उनके लोकतंत्र की याद दिला रही हों। इस दृश्य ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। क्या हम सच में कुर्सियों पर बैठने के लिए तैयार हैं, जब हमारे चारों ओर ऐसा सूनसान हो? हमारे नेता कुर्सियों के चारों ओर बैठकर अपनी राजनीति करते रहे, और हम चुपचाप अपनी तकदीर को देखते रहे। कुर्सियों की भव्यता के सामने हमारी समस्याएं बौनी सी रह गईं। फिर अचानक, एक बच्चे ने पूछा, ये कुर्सियां हमारे लिए हैं, लेकिन क्या वे हमारे ग़मों को दूर कर सकती हैं? उस बच्चे की मासूमियत ने सबको झकझोर दिया। उसकी आवाज़ में सच्चाई थी, जो किसी नेता की मीठी बातों से कहीं अधिक गहरी थी। आखिरकार, जब लोग अपनी खोई हुई कुर्सियों की खोज में निकले, तो उन्हें एक नया दृश्य देखने को मिला।

हिंदू कैलेंडर का नौवां महीना मार्गशीर्ष

मार्गशीर्ष हिंदू कैलेंडर का नौवां महीना है। इसे सभी महीनों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि, महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं। इसलिए धार्मिक रूप से इस महीने का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह महीना अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार नवंबर-दिसंबर के मध्य आता है। साल 2024 में इस महीने की शुरुआत कब से हो रही है और मार्गशीर्ष के इस माह में आपको क्या करना चाहिए, और क्या करने से बचना चाहिए, इसकी जानकारी आज हम आपको अपने इस लेख में देंगे।

हिंदू पंचांग के नवें महीने मार्गशीर्ष की शुरुआत साल 2024 में 16 दिसंबर से होगी। इस दिन शनिवार है, विधिपूर्वक इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा आराधना के साथ आप इस माह की शुरुआत कर सकते हैं। मार्गशीर्ष महीने की समाप्ति 15 दिसंबर 2024 को होगी।

मार्गशीर्ष महीने में क्या करें

मार्गशीर्ष का महीना भगवान कृष्ण को समर्पित है। इस महीने में अगर आप दान-पुण्य करते हैं तो भगवान कृष्ण और माता लक्ष्मी की कृपा आपको प्राप्त होती है।

इस माह में आपको प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए। स्वच्छ होने के बाद आप गीता, रामचरितमानस जैसी धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन इस माह कर सकते हैं। ऐसा करने से प्रभु की असीम अनुकंपा आपको प्राप्त होती है।

मार्गशीर्ष के महीने को ध्यान और साधना के लिए भी बेहद खास माना गया है। इस माह में ध्यान करने से आपको मानसिक शांति की प्राप्ति होती है, आपका अध्यात्मिक ज्ञान बढ़ता है और बौद्धिक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

इस माह में आपको अन्न, घी, दूध आदि का सेवन करना चाहिए इससे स्वास्थ्य लाभ होता है। साथ ही इन चीजों का दान भी आप कर सकते हैं। इन चीजों के दान के साथ ही जल का कलश, चंदन, कंबल, कपड़े, अन्न आदि का दान करने से भी आपको लाभ होता है।

मार्गशीर्ष महीने में भगवान कृष्ण और माता लक्ष्मी की पूजा करने से सभी कष्टों से आपको मुक्ति मिल सकती है।

ऊपर बताए गए कार्य मार्गशीर्ष के महीने में करने से आप जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति पा सकते हैं।

मार्गशीर्ष के महीने में क्या न करें

जो लोग इस महीने विशेष व्रत रखते हैं, उन्हें व्रत के नियमों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। व्रत के दौरान किसी भी तरह की भूल करने से बचना चाहिए।

इस माह में जीरे का सेवन करना भी वर्जित माना जाता है।

मार्गशीर्ष के महीने में अनैतिक या अपवित्र कार्यों को करने से बचना चाहिए, क्योंकि श्रीकृष्ण को समर्पित यह माह अत्यंत पवित्र माना जाता है।

इस महीने में क्रोध, कटु वाणी और नकारात्मक विचारों से आप जितना दूर रहेंगे उतना ही आपको अच्छा परिणाम मिलेगा।

इस माह में आपको वासना जनित विचारों को खुद पर हावी न होने दें। ऐसे विचारों से बचने के लिए ध्यान का सहारा आप ले सकते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण का ऐसा जीवन परिचय जिसे जानकर हो जायेंगे हैरान

भगवान श्रीकृष्ण का ऐसा परिचय जिसे शायद आपने पहले कभी सूना या पढ़ा होगा । 3228 ई.पू., श्रीकृष्ण संवत में श्रीमुख संवत्सर, भाद्रपद कृष्ण अष्टमी, 21 जुलाई, बुधवार के दिन मथुरा में कंस के कारागार में माता देवकी के गर्भ से जन्म लिया, पिता- श्री वसुदेव जी थे । उसी दिन वासुदेव ने नन्द-यशोदा जी के घर गोकुल में छोड़ा ।

1- मात्र 6 दिन की उम्र में भाद्रपद कृष्ण की चतुर्दशी, 27 जुलाई, मंगलवार, षष्ठी-स्नान के दिन कंस की राक्षसी पूतना का वध कर दिया ।

2- 1 साल, 5 माह, 20 दिन की उम्र में माघ शुक्ल चतुर्दशी के दिन अन्नप्राशन- संस्कार हुआ ।

3- 1 साल की आयु त्रिणिवर्त का वध किया ।

4- 2 वर्ष की आयु में महर्षि गर्गाचार्य ने नामकरण-संस्कार किया ।

5- 2 वर्ष 6 माह की उम्र में यमलार्जुन (नलकूबर और मणिग्रीव) का उद्धार किया ।

6- 2 वर्ष, 10 माह की उम्र में गोकुल से वृन्दावन चले गये ।

7- 4 वर्ष की आयु में वत्सासुर और बकासुर नामक राक्षसों का वध किया ।

8- 5 वर्ष की आयु में अघासुर का वध किया ।

9- 5 साल की उम्र में ब्रह्माजी का गर्व-भंग किया ।

10- 5 वर्ष की आयु में कालिया नाग का मर्दन और दावाग्नि का पान किया

11- 5 वर्ष, 3 माह की आयु में गोपियों का चीर-हरण किया ।

12- 5 साल 8 माह की आयु में यज्ञ-पत्नियों पर कृपा की ।

13- 7 वर्ष, 2 माह, 7 दिन की आयु में गोवर्धन को अपनी उंगली पर धारण कर इन्द्र का घमंड भंग किया ।

14- 7 वर्ष, 2 माह, 14 दिन का उम्र में में श्रीकृष्ण का एक नाम 'गोविन्द' पड़ा ।

15- 7 वर्ष, 2 माह, 18 दिन की आयु में नन्दजी को वरुणलोक से छुड़ाकर लायें ।

16- 8 वर्ष, 1 माह, 21 दिन की आयु में गोपियों के साथ रासलीला की ।

17- 8 वर्ष, 6 माह, 5 दिन की आयु में सुदर्शन गन्धर्व का उद्धार किया ।

18- 8 वर्ष, 6 माह, 21 दिन की उम्र में शंखचूड़ दैत्य का वध किया ।

19- 9 वर्ष की आयु में अरिष्टासुर (वृषभासुर) और केशी दैत्य का वध करने से 'केशव' पड़ा ।

20- 10 वर्ष, 2 माह, 20 दिन की आयु में मथुरा नगरी में कंस का वध किया एवं कंस के पिता उग्रसेन को मथुरा के सिंहासन दोबारा बैठाया ।

21- 11 वर्ष की उम्र में अवन्तिका में सांदीपनी मुनि के गरुकुल में 126 दिनों में छः अंगों सहित संपूर्ण वेदों, गजशिक्षा, अश्वशिक्षा और धनुर्वेद (कुल 64 कलाओं) का ज्ञान प्राप्त किया, पञ्चजन दैत्य का वध एवं पाञ्चजन्य शंख को धारण किया ।

22- 12 वर्ष की आयु में उपनयन (यज्ञोपवीत) संस्कार हुआ ।

23- 12 से 28 वर्ष की आयु तक मथुरा में जरासन्ध को 17 बार पराजित किया ।

24- 28 वर्ष की आयु में रत्नाकर (सिंधुसागर) पर द्वारका नगरी की स्थापना की एवं इसी उम्र में मथुरा में कालयवन की सेना का संहार किया ।

25- 29 से 37 वर्ष की आयु में रुक्मिणी- हरण, द्वारका में रुक्मिणी से विवाह, स्यमन्तक मणि – प्रकरण, जाम्बवती, सत्यभामा एवं कालिन्दी से विवाह, केकय देश की कन्या भद्रा से विवाह, मद्र देश की कन्या लक्ष्मणा से विवाह । इसी आयु में प्राग्ज्योतिषपुर में नरकासुर का वध, नरकासुर की कैद से 16 हजार 100 कन्याओं को मुक्तकर द्वारका भेजा, अमरावती में इन्द्र से अदिति के कुंडल प्राप्त किए, इन्द्रादि देवताओं को जीतकर पारिजात वृक्ष (कल्पवृक्ष) द्वारका लाए, नरकासुर से छुड़ायी गयी 16, 100 कन्याओं से द्वारका में विवाह, शोणितपुर में बाणासुर से युद्ध, उषा और अनिरुद्ध के साथ द्वारका लौटे. एवं पौण्ड्रक, काशीराज, उसके पुत्र सुदक्षिण और कृत्या का वध कर काशी दहन किया ।

26- 38 वर्ष 4 माह 17 दिन की आयु में द्रौपदी-स्वयंवर में पांचाल राज्य में उपस्थित हुए ।

27- 39 व 45 वर्ष की आयु में विश्वकर्मा के द्वारा पाण्डवों के लिए इन्द्रप्रस्थ का निर्माण करवाया ।

28- 71 वर्ष की आयु में सुभद्रा- हरण में अर्जुन की सहायता की ।

29- 73 वर्ष की उम्र में इन्द्रप्रस्थ में खाण्डव वन – दाह में अग्नि और अर्जुन की सहायता, मय दानव को सभाभवन-निर्माण के लिए आदेश भी दिया ।

30- 75 साल की उम्र में धर्मराज युधिष्ठिर के राजसूय-यज्ञ के निमित्त इन्द्रप्रस्थ में आगमन हुआ ।

31- 75 वर्ष 2 माह 20 दिन की आयु में जरासन्ध के वध में भीम की सहायता की ।

32- 75 वर्ष 3 माह की आयु में जरासन्ध के कारागार से 20 ,800 राजाओं को मुक्त किया, मगध के सिंहासन पर जरासन्ध-पुत्र सहदेव का राज्याभिषेक किया ।

33- 75 वर्ष 6 माह 9 दिन की आयु में शिशुपाल का वध किया ।

35- 75 वर्ष 7 माह की आयु में द्वारका में शिशुपाल के भाई शाल्व का वध किया ।

36- 75 वर्ष 10 माह 24 दिन की उम्र में प्रथम द्यूत-क्रीड़ा में द्रौपदी (चीरहरण) की लाज बचाई ।

37- 75 वर्ष 11 माह की आयु में वन में पाण्डवों से भेंट, सुभद्रा और अभिमन्यु को साथ लेकर द्वारका प्रस्थान किया ।

38- 89 वर्ष 1 माह 17 दिन की आयु में अभिमन्यु और उत्तरा के विवाह में बारात लेकर विराटनगर पहुँचे ।

39- 89 वर्ष 2 माह की उम्र में विराट की राजसभा में कौरवों के अत्याचारों और पाण्डवों के धर्म-व्यवहार का वर्णन करते हुए किसी सुयोग्य दूत को हस्तिनापुर भेजने का प्रस्ताव, द्रुपद को सौंपकर द्वारका-प्रस्थान, द्वारका में दुर्योधन और अर्जुन— दोनों की सहायता की स्वीकृति, अर्जुन का सारथी-कर्म स्वीकार करना किया ।

40- 89 वर्ष 2 माह 8 दिन की उम्र में पाण्डवों का सन्धि-प्रस्ताव लेकर हस्तिनापुर गयें ।

41- 89 वर्ष 3 माह 17 दिन की आयु में कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को 'भगवद्गीता' का उपदेश देने के बाद महाभारत-युद्ध में अर्जुन के सारथी बन युद्ध में पाण्डवों की अनेक प्रकार से सहायता की

42- 89 वर्ष 4 माह 8 दिन की उम्र में अश्वत्थामा को 3, 000 वर्षों तक जंगल में भटकने का श्राप दिया, एवं इसी उम्र में गान्धारी का श्राप स्वीकार किया ।

43- 89 वर्ष 7 माह 7 दिन की आयु में धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक करवाया ।

44- 91-92 वर्ष की आयु में धर्मराज युधिष्ठिर के अश्वमेध-यज्ञ में सम्मिलित हुए ।

45- 125 वर्ष 4 माह की उम्र में द्वारका में यदुवंश कुल का विनाश हुआ, एवं 125 वर्ष 5 माह की उम्र में उद्धव जी को उपदेश दिया ।

46- 125 वर्ष 5 माह 21 दिन की आयु में दोपहर 2 बजकर 27 मिनट 30 सेकंड पर प्रभास क्षेत्र में स्वर्गारोहण और उसी के बाद कलियुग का प्रारम्भ हुआ ।

सुबह इन्हें देखकर घर से निकलें दिन बन जाएगा

सूरज की पहली किरण के साथ आरंभ होता है नए दिन का और साथ ही होती है भागदौड़ भरे जीवन की शुरूआत। घर से निकलने से पहले नौकरी या व्यवसाय से संबंधित बहुत सारे विचार मन में उठल-पुथल मचाते हैं और हर व्यक्ति सोचता है आज का दिन मंगलमय हो। अपने चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा का संचार चाहते हैं तो सुबह इन्हें देखकर घर से निकलें, दिन बन जाएगा-

घर के मेन गेट के समीप एक्वेरियम रखें। घर से निकलते समय आंखों और दिल को सुकून देती हैं तैरती रंग बिरंगी छोटी-छोटी मछलियां। वास्तु व फेंगशुई की जानकारी रखने वाले इस संबंध में कहते हैं कि मछलियां गृह शांति के लिए भी अच्छी मानी जाती हैं। घर की वास्तु स्थिति के मुताबिक यदि घर में सही स्थान पर एक्वेरियम में मछलियां रखी जाती हैं, तब उसे शुभ माना जाता है। यह फलदायक मानी जाती हैं। इसके साथ ही इनके भीतर धरती के कंपन को महसूस करने की अद्भुत क्षमता होती है। यदि भूकंप आने वाला होता है तब उससे कुछ देर पहले ही ये अलग तरीके से व्यवहार दिखाते हुए संकेत देना शुरू कर देती हैं।

प्राचीन काल से घर का कोई भी सदस्य किसी शुभ काम के लिए जाए या बच्चों ने परीक्षा देने जाना हो, बड़े-बुजुर्ग दही खिलाने के उपरांत घर से भेजते हैं। ये परंपरा इसलिए बनाई गई होगी ताकि जिस काम के लिए जा रहे हैं उसमें सफल होने की संभावना बढ़ जाए। ज्योतिष भी मानते हैं की दही खाकर घर से निकलना मंगलप्रद है।

जल से भरा पात्र देखकर घर से निकलना शुभता प्रदान करता है। कोई बड़ा सौदा करना हो या पैसों का लेन-देन इनका दर्शन करके ही घर से निकलें। शास्त्रों का कथन है सुबह घर से बाहर कदम निकालते ही गाय माता के दर्शन हो जाएं तो यह शुभता का प्रतीक है। काली गाय का दिखना तो बेहद मंगलसूचक है।

महाड सत्याग्रहः अछूतों को पानी का अधिकार दिलाने की लड़ाई

मराठों का इतिहास

वो सिर्फ उसी बर्तन में थूक सकते थे, ताकि उनके थूक से कोई सवर्ण अपवित्र न हो जाए। अछूत मानी जाने वाली जातियों के लोग सवर्णों के कुएं या तालाब से पानी नहीं पी सकते थे और न ही उन्हें मंदिर जाने की इजाजत थी।

पेशवाओं ने अपनी सेना में महारों को नहीं रखा था। इसी वजह से महार जैसी जातियों के लोग ईस्ट इंडिया कंपनी की फौज में भर्ती हो गए। दलित नेता भीमा कोरेगांव में हुए युद्ध को ब्राह्मणों पर दलितों की जीत के तौर पर देखते हैं।

छुआछूत, जातियों में भेदभाव और समाज में असमानता की वजह से महाराष्ट्र की धरती पर कई सामाजिक आंदोलन हुए...

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड तालुका में एक सार्वजनिक तालाब था। वहां मवेशी पानी पी सकते थे, लेकिन अछूतों को पानी लेने की मनाही थी। कुछ अछूत समुदाय के लोगों ने कोशिश की तो उन्हें पीटा गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 1927 में अछूतों को तालाब से पानी पीने का अधिकार दिलाने के लिए आंदोलन शुरू किया। डॉ. अंबेडकर ने अदालत को बताया कि यह झील महाड़ नगर निगम की जमीन पर बनी हुई है। यहां से केवल सवर्ण हिंदुओं को पानी लेने की अनुमति है। जानवरों को काटने वाले खटीक मुस्लिमों को भी यहां से पानी नहीं लेने दिया जाता है। कोर्ट ने अंबेडकर की दलील को स्वीकार करते हुए इसे सभी के लिए खोलने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि यह फैसला किसी एक झील या तालाब तक सीमित नहीं है। किसी को उसकी जाति या सामाजिक आधार पर पानी लेने से मना नहीं किया जा सकता। हम सिर्फ तालाब से पानी पीने नहीं जा रहे हैं, बल्कि हम यह कहना चाह रहे हैं कि हम भी अन्य लोगों की तरह मनुष्य हैं।

महाड सत्यागृह के दौरान दलितों के साथ डॉ. अंबेडकर की पेंटिंग। इस घटना का अछूतों के अधिकार की कोशिश में बड़ा प्रतीकात्मक महत्व है।

महाड सत्यागृह के दौरान दलितों के साथ डॉ. अंबेडकर की पेंटिंग। इस घटना का अछूतों के अधिकार की कोशिश में बड़ा प्रतीकात्मक महत्व है।

कालाराम मंदिर में प्रवेशः जब अंबेडकर की अगुआई में मंदिर पहुंचे हजारों दलित

महाराष्ट्र में गोदावरी नदी के किनारे बसे नाशिक के पंचवटी इलाके में भगवान राम का एक मंदिर है, जो कालाराम मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। यहां भगवान राम, सीता और लक्ष्मण की काले पत्थर की प्रतिमाएं हैं, लेकिन इसमें केवल ऊंची जाति के लोगों को प्रवेश की अनुमति थी।

1930 में डॉ. भीमराव अंबेडकर और मराठी शिक्षक पांडुरंग सदाशिव साने के नेतृत्व में कालाराम मंदिर प्रवेश सत्याग्रह शुरू हुआ। तय किया गया कि सभी लोग 4 टुकड़ियों में बंटकर मंदिर के चारों द्वारों पर धरना देंगे। इस दौरान अंबेडकर ने कहा...

पूरे बॉम्बे प्रोविंस से ट्रकों में भरकर करीब 15 हजार दलित नाशिक पहुंचे और मंदिर के चारों ओर धरना देना शुरू किया। तत्कालीन बॉम्बे सरकार ने इलाके में कर्फ्यू लगा दिया। 9 अप्रैल 1930 को राम नवमी जुलूस को आंदोलनकारियों ने रोकने की कोशिश की। इसमें पत्थरबाजी की घटना हुई। **(जारी)**

पिता के निधन के बाद तंगी छाई : कभी 35 रुपए थी कमाई, आज रोहित शेट्टी ने दी कई हिट फिल्में

'छोटा ही था कि तभी पिता का साया सिर से उठ गया। घर की हालत से वाकिफ था। इस वजह से परिवार की जिम्मेदारियां खुद के कंधों पर ले लीं। दिन-रात मेहनत की। एक दिन में 3-3 शिफ्ट की, ताकि काम की कमी न रहे। लोगों को लगता है कि मैंने स्ट्रगल नहीं किया है। आम स्ट्रगलर्स की तरह मैंने भी धक्के खाए हैं, लेकिन कभी रुका नहीं। कई बार ठोकर लगने पर डर महसूस हुआ, फिर भी आगे बढ़ता गया।'

यह कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री के सबसे फेमस डायरेक्टर्स में से एक रोहित शेट्टी का। रोहित को गोलमाल, ऑल द बेस्ट और सिंघम जैसी शानदार फिल्मों के लिए जाना जाता है।

हालांकि, एक वक्त ऐसा था जब उन्हें फीस के तौर पर महज 35 रुपए मिले थे। वहीं अब रोहित की हालिया रिलीज फिल्म सिंघन अगेन बॉक्स ऑफिस पर नए-नए रिकॉर्ड बना रही है।

पिता की मौत के बाद माली हालत बिगड़ी, तो कमाना शुरू किया

रोहित ने बताया कि उन्होंने पिता को देखकर फिल्मों में आने का फैसला किया था। वे कहते हैं, 'मेरा बचपन सामान्य बच्चों की तरह ही बीता। मेरे पिता फिल्मों में बतौर स्टंट डायरेक्टर काम करते थे। कुछ फिल्मों में उन्होंने एक्टिंग भी की थी। उस वक्त इंडस्ट्री में उनका बहुत नाम था। घर पर हमेशा फिल्मी माहौल रहता था। जब कभी उनके साथ बाहर जाता, तो वहां पर भी बस फिल्मों से जुड़ी बातें सुनने को मिलती थीं। यही वजह रही कि इस दुनिया के अलावा किसी दूसरी दुनिया से परिचय ही नहीं हुआ। मैंने बचपन में ही ठान लिया था कि पिता जो काम कर रहे हैं, वही मैं भी करूंगा।

हालांकि, पिता की मौत के बाद सब कुछ बदल गया। मेरी उम्र कम थी, जब उनका निधन हुआ। वक्त के साथ परिवार की माली हालत भी खराब हो गई थी। इसी कारण मैंने बहुत जल्दी काम करना शुरू कर दिया। दूसरा, जुनून भी था कि फिल्मों की दुनिया में ही बेहतर काम करना है।'

मां रतना शेट्टी ने भी बतौर एक्ट्रेस काम किया था।

रोहित ने 2005 में माया से शादी की थी।

उनका एक बेटा ईशान रोहित शेट्टी भी है।

पिता मुद्दू बाबू शेट्टी स्टंट डायरेक्टर और एक्टर थे।

336 करोड़ है रोहित शेट्टी की कुल नेटवर्थ

17 साल की उम्र में इंडस्ट्री में कदम रखा

रोहित 17 साल के थे, जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था। भले ही फिल्मी दुनिया में रोहित के जानने वाले थे, लेकिन उन्हें भी काम पाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी थी। कई बार तो ऐसा हुआ कि उनके पास बिल्कुल पैसे नहीं रहते थे। इस कारण वो भीषण गर्मियों में भी कई किलोमीटर पैदल और लोकल ट्रेन से सफर करते थे। कभी-कभार खाने के लिए भी कॉम्प्रोमाइज करना पड़ता था।

इस बारे में उन्होंने कहा, 'मैंने 17 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। शुरुआत में ही मन बना लिया था कि या तो एक्शन डायरेक्टर बनूंगा या डायरेक्टर। इतने लंबे सफर में आम स्ट्रगलर्स की तरह मुझे भी संघर्ष करना पड़ा। मुझे बाकियों के जैसे ही काम पाने के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़े। पहली फिल्म बनाई, जो खास अच्छी नहीं चली। फिर गोलमाल बनाई, जिसने इतिहास रच दिया। मैंने अब तक 16 फिल्में बनाईं हैं। शायद कोविड न आता तो और भी बन जातीं (हंसते हुए)..।'

करियर की शुरुआत में स्टार्स के कपड़े भी प्रेस किए

रोहित ने करियर की शुरुआत बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। उनकी पहली कमाई महज सिर्फ 35 रुपए थे। हालांकि, इसके बाद भी रोहित ने स्ट्रगल और मेहनत करना नहीं छोड़ा। उन्हें दूसरे छोटे काम भी करने पड़े, जो उन्होंने किए भी। उन्होंने एक्ट्रेस की साड़ियों को प्रेस करने का काम किया। इतना ही नहीं, उन्होंने कुछ समय के लिए स्पॉटबॉय का भी काम किया।

इस बारे में उन्होंने कहा, 'हां, यह सच है। देखिए क्या होता है कि असिस्टेंट डायरेक्टर को हर छोटे काम करने ही पड़ते हैं। दूसरा यह है कि उस समय किसी भी फिल्म का बजट बहुत ज्यादा नहीं होता था। यूनिट छोटी होती थी। इसी कारण हर एक असिस्टेंट को बहुत से काम करने पड़ते थे। सिर्फ मैंने ही नहीं, कइयों ने इस तरह का काम किया है। उस वक्त किसी काम को कम करके नहीं आंका जाता था। एक्ट्रेस की साड़ी प्रेस करने से लेकर हर तरह के काम किए जाते थे।'

पहली फिल्म फ्लॉप होने पर डर में थे रोहित, गोलमाल से बदली किस्मत

अजय देवगन ने 'दिल क्या करे' और 'राजू चाचा' जैसी फिल्मों के साथ अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया था। रोहित भी अजय के साथ जुड़ गए थे और असिस्टेंट डायरेक्टर के बतौर काम करने लगे। 'राजू चाचा' बड़े बजट की फिल्म थी, लेकिन ये फिल्म ज्यादा चल नहीं पाई। अजय देवगन को इससे काफी नुकसान हुआ। दो साल के लिए अजय और रोहित को प्रोडक्शन हाउस बंद करना पड़ा। उन्होंने सारे कर्ज लौटाने के बाद 'जमीन' में साथ मिलकर डायरेक्शन किया।

रोहित ने 2003 की फिल्म जमीन से डायरेक्टोरियल डेब्यू किया था। हालांकि, यह फिल्म भी कुछ खास नहीं चली थी। लगातार फ्लॉप फिल्में देने की वजह से कई डायरेक्टर और एक्टर रोहित के साथ काम करने से कतराने लगे थे।

इसे बारे में रोहित ने कहा, 'यह तो बहुत लाजमी है कि जब फिल्म नहीं चलती है तो बुरा तो लगता है। फिर दूसरी फिल्म बनाते वक्त मन में बहुत तरह के सवाल होते हैं। मन में यह भी दुविधा रहती है कि कोई प्रोड्यूसर-एक्टर आपके साथ काम करेगा या नहीं। सेल्फ डाउट भी रहता है।

पहली फिल्म जमीन की रिलीज के बाद एक-डेढ़ साल स्क्रिप्ट पर काम चला और 2005 में फिल्म गोलमाल पर काम करना शुरू किया। फिर 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म ने मेरा पूरा करियर ही बदल कर रख दिया।

हालांकि, इस दौरान कभी इंडस्ट्री छोड़ने का ख्याल नहीं आया, लेकिन हार महसूस होती रही। मैं करियर की शुरुआत में इंडस्ट्री में सेटल नहीं था। इस वजह से कुछ खोने को भी नहीं था। मेरा मकसद बस इतना था कि कम बजट की कॉमेडी फिल्मों जैसे गोलमाल, ऑल द बेस्ट से लोगों को जोड़ पाऊं।'

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के पहले फिल्ममेकर बने, जो यूनिवर्स जैसा कॉन्सेप्ट लेकर आए

रोहित हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के पहले फिल्ममेकर हैं, जिन्होंने फिल्मों में यूनिवर्स का कॉन्सेप्ट ईजाद किया। हालांकि, उन्होंने कभी इसकी प्लानिंग नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'पहले कभी ऐसा नहीं सोचा था। 2016 तक मेरे मन में इस तरह का कोई ख्याल नहीं था। सिंघम, सिंघम रिटर्न तक इसका ख्याल नहीं आया था, लेकिन फिल्म सिंबा बनाते वक्त यह ख्याल आया कि हम कॉप यूनिवर्स जैसा कुछ बना सकते हैं। खुशकिस्मती रही कि हमारी यह सोच कामयाब रही।

336 करोड़ है रोहित शेट्टी की कुल नेटवर्थ

रोहित शेट्टी का नाम आज हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बड़े डायरेक्टर में शामिल है। कभी 35 रुपए कमाने वाले रोहित की कुल नेटवर्थ करीब 336 करोड़ रुपए है। लाइफ स्टाइल एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उनके पास लेम्बोर्गिनी, मासेराटी ग्रैन टूरिज्मो, रेंज रोवर वो, बीएमडब्ल्यू एक्स6 स्पोर्ट और फोर्ड मस्टैंग

जीटी जैसी महंगी गाड़ियां भी हैं। इसके अलावा फिल्ममेकर के पास नवी मुंबई में एक आलीशान घर है, जिसे उन्होंने 2013 में खरीदा था। जुहू में भी उनके पास 10 मंजिला इमारत है।

मीनाक्षी शेषाद्रि ने याद किए पुराने दिन

बोलीं- स्टूडियो में सभी के लिए एक टॉयलेट होते थे, फीमेल एक्ट्रेस को होती थीं परेशानी

मीनाक्षी शेषाद्रि 80 और 90 के दशक की जानी मानी एक्ट्रेस रही हैं। उन्होंने दामिनी, हीरो, मेरी जंग, घातक जैसी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने पुराने दिनों को याद करते हुए एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा कि पहले के समय में स्टूडियो के हालात बहुत खराब हुआ करते थे, हालात इतने बुरे होते थे कि शूट करना भी बेहद मुश्किल होता था। एक्ट्रेस ने कहा कि सेट पर सबसे बड़ी समस्या टॉयलेट की हुआ करती थी, क्योंकि एक ही टॉयलेट होता था और उसे 100 से ज्यादा लोग यूज करते थे। मीनाक्षी ने बताया कि उस समय सिर्फ पूनम ढिल्लन पहली ऐसी एक्ट्रेस थीं, जिनके पास अपनी वैनिटी वैन थी।

100 लोग एक टॉयलेट यूज करते थे - मीनाक्षी

मीनाक्षी ने कबीर वाणी के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान बताया कि सेट पर लगभग 100 से ज्यादा लोग एक ही टॉयलेट यूज करते थे। पुरुषों और महिलाओं के लिए भी अलग-अलग शौचालय नहीं थे। एक्ट्रेस ने बताया कि सेट पर टॉयलेट न होने के कारण काफी परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि पहले के समय में साफ-सफाई पर भी ध्यान नहीं दिया जाता था, शूट के दौरान हम फैंसी कॉस्ट्यूम पहनते थे तो कॉस्ट्यूम गंदे न हो इसका भी ध्यान रखना होता था।

बातचीत के दौरान जब मीनाक्षी से उनके सबसे बुरे दिनों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उस टाइम को याद किया जब उन्हें डायरिया हो गया था। उन्होंने बताया कि डायरिया होने के बावजूद भी वह बारिश में एक रोमांटिक गाने की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बतौर एक्टर सभी हालातों में काम करना पड़ता है। क्योंकि एक्टिंग बहुत मेहनत का प्रोफेशन है।

आउटडोर शूट में काफी परेशानियां होती थीं - जया बच्चन

सिर्फ मीनाक्षी ही नहीं बल्कि इससे पहले, जया बच्चन ने भी पुराने दिनों को याद करते हुए बताया था कि पहले के समय में फीमेल एक्ट्रेस को आउटडोर शूट में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यूट्यूब चैनल व्हाट द हेल नव्या पर बातचीत में, जया बच्चन ने बताया कि अच्छी फैसिलिटी न होने के कारण फीमेल एक्ट्रेस को आउटडोर शूटिंग के दौरान झाड़ियों के पीछे सैनिटरी पैड बदलना पड़ता था। उन्होंने कहा, जब हम आउटडोर शूट करते थे, तो हमारे पास वैन नहीं होती थी। हमें झाड़ियों के पीछे कपड़े बदलने पड़ते थे। जया बच्चन ने कहा कि ये अजीब तो था ही बल्कि बहुत शर्मनाक भी था। हम 3-4 सैनिटरी पैड यूज करते थे और पैड को फेंकने के लिए प्लास्टिक की थैलियां ले जाते थे और उन्हें एक टोकरी में रख देते थे।

राजपाल ने सुनाया 'कंपनी' से जुड़ा किस्सा

बोले- डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा से लीड रोल मांग लिया था, फिर मैं खुद डर गया था

राजपाल यादव को 1999 में आई फिल्म शूल में एक छोटे से किरदार से पहचान मिली थी। इसके बाद 2000 में आई फिल्म जंगल के बाद उनका करियर पूरी तरह बदल गया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में राजपाल यादव ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि, 'मुझे लगा था कि राम गोपाल वर्मा मुझे अपनी फिल्म कंपनी से निकाल देंगे, क्योंकि मैंने अजय देवगन और मनीषा कोइराला के सामने कहा था कि मुझे यकीन है कि अगर राम गोपाल वर्मा के पास कोई ऐसी स्क्रिप्ट होगी, जिसमें मैं लीड रोल में फिट बैठूंगा, तो वह मुझे जरूर ऑफर करेंगे।'

डायरेक्टर से लीड रोल की मांग की थी- राजपाल

राजपाल यादव ने फिल्म कंपनी से जुड़ा किस्सा शेयर किया। एक्टर ने कहा, 'मुझे याद है कि जब हम हांगकांग में फिल्म कंपनी की शूटिंग कर रहे थे, जोकि मेरा पहला प्रोफेशनल टूर था। जब भी हम लोगों के पास समय होता था, तब एक दूसरे के साथ मजाक करते थे। याद है इंटर-कॉन्टिनेंटल की छत पर हम बैठे थे, तो उस दौरान राम गोपाल वर्मा को लोगों की टांग खींचने की बहुत आदत थी। उन्होंने अचानक मुझसे कहा था राजपाल, अब जब तुम स्टार बन गए हो, तो हमारे साथ तो कोई फिल्म साइन नहीं करोगे। मैंने जवाब देते हुए कहा था सर आप ही थे, जिन्होंने मुझे फिल्म जंगल दी। फिल्म प्यार तुने क्या किया दी और अब आपने मुझे अपनी फिल्म 'कंपनी' में भी कास्ट किया है। इससे मुझे पूरा यकीन है कि अगर कभी आपको कोई ऐसी स्क्रिप्ट मिलेगी, जिसमें मैं लीड रोल में फिट बैठूंगा, तो आप मुझे जरूर ऑफर करेंगे।'

डर था कि फिल्म से निकाल देंगे- राजपाल

राजपाल यादव ने कहा, 'अगले दिन राम गोपाल वर्मा एयरपोर्ट पर शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने मुझे देखा और कहा राजपाल, इधर आओ मुझे लगा कि बस अब वह मुझे फिल्म से निकाल देंगे। लेकिन जब मैं उनके पास गया तो उन्होंने मुझसे कहा राजपाल, मैं तुम्हारे कॉन्फिडेंस के कारण पूरी रात सो नहीं सका। क्या तुम मुझे कोई स्क्रिप्ट बता सकते हो? ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। राजपाल की मानें तो जब उन्होंने लीड रोल मांगने की बात की थी। उस दौरान वहां पर अजय देवगन, मनीषा कोइराला, विवेक ओबेरॉय, अंतरा माली जैसे स्टार्स भी मौजूद थे। उनकी बात सुनते ही सभी एकदम शांत हो गए थे। हालांकि, मनीषा कोइराला ने एक्टर के कॉन्फिडेंस की तारीफ की थी।

राजपाल यादव को 2001 में पहला अवॉर्ड मिला था

राजश्री अनप्लग्ड से बातचीत में राजपाल यादव ने बताया, 'साल 2001 में स्टार स्क्रीन अवॉर्ड्स हुए थे, जिसमें उन्हें बेस्ट एक्टर इन नेगेटिव रोल का अवॉर्ड मिला था। राजपाल को ये अवॉर्ड राम गोपाल वर्मा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'जंगल' के लिए मिला था। उन्होंने बताया कि ये उनके करियर की ऑफिशियली पहली फिल्म थी, जिसके लिए उन्हें क्रेडिट मिला था। एक्टर ने बताया कि इस फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने एक से डेढ़ महीने में करीब 15-16 फिल्में साइन की थी।' बता दें, राजपाल हाल ही में फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आए हैं। इस फिल्म में उन्होंने अपने सबसे फेमस किरदारों में से एक छोटा पंडित को दोहराया है। इसके अलावा एक्टर चंदू चैंपियन, ड्रीम गर्ल 2, भूत पुलिस, हंगामा 2, टोटल धमाल जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

सलमान-गोविंदा के लेट आने पर अनीस बज्मी बोले : दोनों का समय पर आना किसी शॉक से कम नहीं

फिल्म 'नो एंट्री' के डायरेक्टर अनीस बज्मी ने इंटरव्यू के दौरान सलमान खान और गोविंदा से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि दोनों ही एक्टर्स कभी भी सेट पर ऑन टाइम नहीं पहुंचते, इसलिए मैं उनके हिसाब से अपना शेड्यूल तय करता हूं, ताकि दोनों में से किसी को भी कोई परेशानी न हो।

अनीस बज्मी ने कहा, 'सलमान खान और गोविंदा के साथ मैंने लंबे समय तक काम किया है। मैं उन दोनों से कभी उम्मीद नहीं करता कि वह सेट पर टाइम से आएंगे। इसके बजाय, मैं अपने शेड्यूल को उन्हीं के हिसाब से एडजस्ट कर लेता हूं। इससे आप उन लोगों के काम करने के तरीके को भी समझ जाएंगे, जिनके साथ आप काम कर रहे हैं। अगर वह तरीका आपके लिए ठीक है, तो उनके साथ काम करें। अगर नहीं, तो फिर काम न करें।

अनीस बज्मी ने गोविंदा के साथ अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने कहा, 'गोविंदा का देर से आना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। अगर वह समय पर आ गए, तो मुझे सच में हैरानी होगी, क्योंकि वह कभी मुझे ऐसा झटका नहीं देते। तो, जब मुझे पता है कि वह 9 बजे की शूटिंग के लिए 12 बजे आएंगे, तो मैं उस समय तक अपने बाकी काम निपटा लेता हूं, ताकि मेरा समय बर्बाद न हो और एक्टर के साथ भी तालमेल बना रहे।'

वहीं, इससे पहले भी कई एक्टर्स गोविंदा के सेट पर लेट आने के बारे में बात कर चुके हैं। यूट्यूब चैनल रिव्यूरोन के साथ बातचीत में प्रोड्यूसर वासु भगनानी ने कहा था, 'स्विट्जरलैंड में हीरो नंबर 1 की शूटिंग होनी थी। सारी टीम वहां पहुंची हुई थी, लेकिन गोविंदा तीन दिन तक नहीं आए, जिस कारण शूटिंग रुकी रही।'

वासु भगनानी ने कहा, 'मैंने उन्हें फोन किया और पूछा था अगर आप नहीं आने वाले हैं, तो हम वापस लौट जाएंगे। वह नाराज हो गए और बोले मैं आ रहा हूं। हालांकि देरी के बावजूद जब गोविंदा पहुंचे, तो वह अपने काम में बहुत कुशल थे और एक ही दिन में गाने का 70 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर लिया।'

कई बार अपनी पहचान छिपाई, बाद में समझी पापा बिना मैं कुछ नहीं : श्रुति हासन

श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रुति हासन ने बताया कि फिल्मी परिवार में जन्म लेना अक्सर मुश्किल होता है, खासकर तब जब आपके पिता बड़े स्टार हों। एक्ट्रेस की मानें तो उन्होंने कई बार अपनी पहचान छिपाने की कोशिश भी की। हालांकि, बाद में उन्हें यह समझ में आ गया कि पिता कमल हासन के बिना वह खुद को नहीं सोच सकतीं।

मदन गौरी से बातचीत में श्रुति हासन ने कहा, 'लोग हमेशा मुझसे मेरे पिता के बारे में सवाल करते थे। ऐसा एक-दो बार नहीं, बल्कि कई बार होता था। मुझे लगता था कि मैं श्रुति हूं, मुझे अपनी पहचान चाहिए। लोग मुझे

देखकर कहते थे यह तो कमल हासन की बेटी है। अगर कोई मुझसे पूछता, तो मैं कहती, नहीं, मेरे पिता डॉ. रामचंद्रन हैं, जो हमारे डेंटिस्ट का नाम था। मेरा नाम पूजा रामचंद्रन है। यह नाम मैंने खुद चुना था।'

श्रुति हासन ने कहा, 'यह सिर्फ इस कारण नहीं था कि मेरे पिता एक एक्टर या फिर फेमस इंसान हैं, बल्कि बचपन से ही मुझे यह महसूस होता था कि वह बाकी सभी से अलग हैं। मुझे और मेरी बहन को बहुत जिद्दी लोगों ने पाला था, और यह हमारी आदत बन गई। जब मेरे माता-पिता अलग हुए, तो मैं मुंबई चली गई। यहां श्रुति बनकर रहना मुझे कभी अच्छा नहीं लगा। जब हर जगह पापा के पोस्टर लगे हों, तो उनके नाम से अलग होना बहुत मुश्किल था। आज मुझे लगता है कि कमल हासन के बिना श्रुति का कोई अस्तित्व नहीं है।'

श्रुति ने 1999 में अपना करियर शुरू किया था। वह साउथ इंडियन सिनेमा की लीडिंग अभिनेत्रियों में से एक मानी जाती हैं। श्रुति ने 'डी-डे', 'रमैय्या वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक', 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया है। वह शॉर्ट फिल्म 'देवी' में भी नजर आई थीं।

गोधरा कांड में विक्रांत मैसी की एक्टिंग लाजवाब लेकिन कमजोर निर्देशन-स्क्रीनप्ले ने बिगाड़ा खेल

विक्रांत मैसी, रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना स्टारर फिल्म द साबरमती रिपोर्ट रिलीज हो गई है। फिल्म की लेंथ 2 घंटे 3 मिनट है।

द साबरमती रिपोर्ट एक क्राइम-थ्रिलर फिल्म है, जो 2002 में हुए गोधरा कांड पर आधारित है। इस फिल्म में 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस की S6 बोगी में हुई आगजनी और उसमें मारे गए 59 कारसेवकों की सच्चाई को उजागर करने की कोशिश की गई है। फिल्म की कहानी समर कुमार (विक्रांत मैसी) नामक एक हिंदी पत्रकार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो इस घटना के असल सच को सामने लाने के लिए संघर्ष करता है। फिल्म में रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की कहानी क्या है?

'द साबरमती रिपोर्ट' में समर कुमार (विक्रांत मैसी), एक हिंदी पत्रकार है, जो फिल्म बीट कवर करता है। उसे हमेशा फिल्म इंडस्ट्री और अंग्रेजी भाषी पत्रकारों द्वारा हीन भावना से देखा जाता है। दूसरी ओर, मनिका (रिद्धि डोगरा), एक तेज तर्रार अंग्रेजी न्यूज एंकर है, जिसका मीडिया में दबदबा है।

गोधरा में, 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस की S6 बोगी में आग लगने से 59 कारसेवकों की मौत हो जाती है। मनिका, इस घटना को कवर करने के लिए गोधरा जाती है और समर को अपने कैमरा मैन के रूप में साथ ले जाती है। समर इसे अपने करियर का 'गोल्डन चांस' मानता है, लेकिन जब मनिका अपने बॉस के कहने पर पूरी घटना को उलटकर जनता के सामने झूठी रिपोर्ट पेश करती है, तो समर चौंक जाता है। वह

सच्चाई को सामने लाने के लिए अपनी रिपोर्ट तैयार करता है, लेकिन चैनल के बॉस द्वारा उसे न केवल नौकरी से निकाल दिया जाता है, बल्कि कैमरा चोरी के आरोप में जेल भेज दिया जाता है।

समर का जीवन संघर्षों से भरा हो जाता है—नौकरी से वंचित, शराब की लत में डूबा, और समाज से दूर। इस बीच, नानावटी कमीशन की रिपोर्ट के बाद झूठी खबर का खुलासा होने का डर चैनल के अधिकारियों और मनिका को सता रहा होता है। मनिका अपने चैनल की नई रिपोर्टर अमृता (राशि खन्ना) को गोधरा भेजती है, ताकि वह अपनी रिपोर्ट को पुख्ता कर सके और राज्य सरकार पर दोष मढ़ सके।

अमृता को समर की रिपोर्ट का वीडियो मिलता है, और वह उसे अपने साथ गोधरा ले जाने के लिए मनाती है। इस प्रकार, दोनों मिलकर गोधरा कांड की सच्चाई तक पहुंचते हैं और उन निर्दोष 59 लोगों के साथ हुई त्रासदी को दुनिया के सामने लाते हैं।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है?

विक्रांत मैसी ने समर कुमार के किरदार में बेहतरीन अभिनय किया है। उनकी संवाद अदायगी और भावनात्मक गहराई को देखकर लगता है कि वे इस भूमिका के लिए पूरी तरह से समर्पित थे। गोधरा कांड की सच्चाई को ढूंढने की उनकी जद्दोजहद को स्क्रीन पर महसूस किया जा सकता है। रिद्धि डोगरा ने भी अपने किरदार मनिका में प्रभावी अभिनय किया है, और उनकी भूमिका में गहरे नकारात्मक शेड्स हैं। राशि खन्ना ने अमृता के किरदार को ठीक-ठाक तरीके से निभाया है, हालांकि कुछ दृश्यों में उनकी भूमिका थोड़ी अधूरी लगती है।

डायरेक्शन कैसा है?

धीरज सरना ने फिल्म का निर्देशन किया है और एक संवेदनशील मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, फिल्म के पहले भाग में स्क्रीनप्ले और स्टोरीलाइन में कुछ खामियां नजर आती हैं। कुछ हलके-फुल्के कॉमिक सीन्स बिना किसी कारण के डाले गए हैं, जो गंभीर मुद्दे के साथ मेल नहीं खाते। फिल्म का दूसरा भाग थोड़ी थ्रिल बढ़ाता है, लेकिन क्लाइमेक्स थोड़ा कमजोर लगता है। जैसा कि इस फिल्म का उद्देश्य 59 निर्दोष लोगों की हत्या का सच दर्शाना था, लेकिन अंत में दर्शकों को कोई नई जानकारी नहीं मिलती, जो पहले से मीडिया और अखबारों में देखी जा चुकी हो।

कैसा है फिल्म का म्यूजिक?

फिल्म का संगीत साधारण है, और सिर्फ राजा राम गाना प्रभावशाली लगता है। बाकी संगीत ज्यादा ध्यान आकर्षित नहीं करता।

फाइनल वर्डिक्ट, देखें या नहीं?

द साबरमती रिपोर्ट' को वे दर्शक देख सकते हैं, जो गोधरा कांड के बारे में फिल्मी अंदाज में जानकारी पाना चाहते हैं। हालांकि, फिल्म अपने विषय के साथ न्याय करने में पूरी तरह सफल नहीं होती। इसकी कहानी और प्रस्तुति में कुछ कमियां हैं, लेकिन विक्रांत मैसी और रिद्धि डोगरा की शानदार अदाकारी इसे एक बार देखने लायक बना देती है।

ऑस्ट्रेलिया में 36 साल बाद 5 टेस्ट खेलेगा भारत

पर्थ में पहली जीत की तलाश, एडिलेड में 36 पर ऑलआउट हो चुके हैं

टीम इंडिया 36 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए पहुंच चुकी है। भारत ऑस्ट्रेलिया के पांचों प्रमुख टेस्ट वेन्यू पर मैच खेलेगा। 2018 से इन मैदानों पर भारत ने कम से कम एक मैच जरूर खेला है। पर्थ और सिडनी को छोड़कर भारत ने सभी में जीत भी हासिल की है।

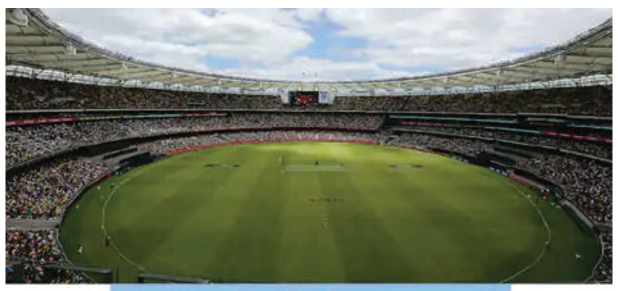

ऑप्टस स्टेडियम, पर्थ

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भारत को पहली जीत की तलाश है। वहीं सिडनी में टीम ने पिछले तीनों टेस्ट ड्रॉ ही खेले। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज भी नहीं हारी। इस बीच टीम ने 4 सीरीज 2-1 के अंतर से जीतीं। 2 अपने घर पर और 2 ऑस्ट्रेलिया में।

ऑप्टस स्टेडियम, पर्थ: ऑस्ट्रेलिया का नया किला?

पर्थ में 2 स्टेडियम हैं, एक वाका ग्राउंड और दूसरा ऑप्टस स्टेडियम। वाका में 2017 तक टेस्ट मैच खेले जाते रहे, 2018 से ऑस्ट्रेलिया ने ऑप्टस स्टेडियम को नया टेस्ट वेन्यू बना लिया। यहां पहला मैच भारत ने ही खेला था, तब विराट कोहली के बेहतरीन शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली थी। यहां 22 नवंबर को सीरीज का पहला मैच होगा।

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 4 टेस्ट खेले और चारों जीते। हर बार टीम ने पहले बैटिंग कर बड़ा स्कोर बनाया और जीत दर्ज की। यहां पेस बॉलर्स को ज्यादा मदद मिलती है, भारत ने पिछले टेस्ट में एक भी फुल टाइम स्पिनर नहीं खिलाया था। इसके बावजूद ऑफ स्पिनर नाथन लायन 27 विकेट के यहां के पर टॉप विकेट टेकर हैं।

पर्थ में पहली पारी का औसत स्कोर 456 रन है, इसलिए टीमें यहां टॉस जीतकर पहले बैटिंग करना ही पसंद करती हैं। मैच के दिन बढ़ने के साथ स्टेडियम में बैटिंग करना मुश्किल हो जाती है। मार्नस लाबुशेन 519 रन के साथ ग्राउंड के टॉप रन स्कोरर हैं। कोहली यहां 70 की औसत से रन बनाते हैं, वहीं मोहम्मद शमी 6 विकेट ले चुके हैं।

एडिलेड ओवल: आखिरी टेस्ट में 36 पर सिमटा था भारत

एडिलेड स्टेडियम का नाम विराट के कप्तानी डेब्यू के साथ जोड़ा जाता है। जहां 2014 में उन्होंने दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई थी, लेकिन 2020 में टीम इंडिया कोहली की कप्तानी में ही 36 रन पर ऑलआउट हो गई। जो टेस्ट में भारत का सबसे छोटा स्कोर है, यह एक डे-नाइट टेस्ट था। टीम अब फिर इस मैदान पर 6 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट ही खेलेगी।

एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया ने एक भी डे-नाइट टेस्ट नहीं गंवाया। 2018 से टीम ने यहां कुल 6 टेस्ट खेले, टीम को 5 में जीत मिली, जबकि इकलौती हार भारत के खिलाफ 2018 में ही आई। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने 4 और पहले बॉलिंग करने वाली टीमों ने 2 टेस्ट जीते। पहली पारी का औसत स्कोर 375 रन है। भारत ने यहां 2018 से 2 टेस्ट खेले, 1 जीता और 1 गंवाया।

विदेश के डे-नाइट टेस्ट में तीसरा सेशन अहम हो जाता है, क्योंकि लाइट्स चालू होने के बाद पिंक बॉल की स्विंग बढ़ जाती हैं। ऐसे में दोनों ही टीमें तीसरे सेशन में ज्यादातर बार गेंदबाजी करना ही पसंद करेंगी। एडिलेड में मिचेल स्टार्क 30 विकेट लेकर टॉप बॉलर हैं। कोहली यहां 63 की औसत से 509 रन बना चुके हैं। उनके नाम यहां 3 सेंचुरी हैं।

द गाबा, ब्रिसबेन: 2 टेस्ट हार चुकी होम टीम

ब्रिसबेन का द गाबा स्टेडियम 2020 तक ऑस्ट्रेलिया का किला था। होम टीम को यहां 1988 से किसी भी टेस्ट में हार नहीं मिली थी। 2021 में फिर भारत ने यहां 3 विकेट से टेस्ट जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। भारत के बाद इसी साल कंगारू टीम को वेस्टइंडीज ने भी हरा दिया।

ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया ने 2018 से 6 टेस्ट खेले, 4 जीते और 2 गंवाए। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीम को एक ही बार जीत मिली, यह जीत वेस्टइंडीज ने इसी साल डे-नाइट टेस्ट में हासिल की थी। यहां बाकी मैच दिन में ही खेले गए, सभी में पहले गेंदबाजी करने वाली टीम को जीत मिली। पहली पारी का औसत स्कोर भी महज 227 रन है, इसलिए यहां टॉस जीतने वाली टीम बॉलिंग ही चुनेगी।

भारत ने पिछले 10 साल में ब्रिसबेन में 2 टेस्ट खेले, एक जीता और एक ही गंवाया। पैट कमिंस ने पिछले 6 साल में यहां 36 विकेट लिए हैं, वहीं मार्नस लाबुशेन 497 रन बनाकर टॉप स्कोरर हैं। भारत के लिए यहां मौजूदा स्क्वॉड के ऋषभ पंत, शुभमन गिल और वॉशिंगटन सुंदर फिफ्टी लगा चुके हैं।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड: भारत यहां 12 साल से नहीं हारा

मेलबर्न स्टेडियम टेस्ट क्रिकेट में अब भारत का किला बनता जा रहा है। यहां टीम इंडिया 2012 के बाद से कोई टेस्ट नहीं हारी। टीम ने इस दौरान यहां 3 टेस्ट खेले, 2 जीते और 1 ड्रॉ कराया। दोनों जीत पिछले 2 दौरों पर आईं। ऑस्ट्रेलिया ने यहां 2018 से 6 टेस्ट खेले, 4 जीते और 2 गंवाए। पहले बैटिंग करने वाली टीमों को भी 3 बार और पहले बॉलिंग करने वाली टीमों को भी 3 बार ही जीत मिली।

मेलबर्न में पहली पारी का औसत स्कोर 299 रन है। भारत ने यहां पिछला मैच पहले बॉलिंग करते हुए जीता था, तब अंजिक्य रहाणे ने सेंचुरी लगाई थी, वहीं जसप्रीत बुमराह ने 6 विकेट लिए थे। यहां पैट कमिंस 31 विकेट लेकर पिछले 6 साल में टॉप विकेट टेकर हैं। मेलबर्न में पेस को ज्यादा मदद मिलती है। तीसरी पारी में यहां तेज गेंदबाजी बहुत ज्यादा इफेक्टिव नजर आई है। मेलबर्न में बुमराह के नाम 2 टेस्ट में 15 विकेट हैं। वहीं कोहली यहां 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। उनके नाम यहां एक शतक भी है। ऑस्ट्रेलिया से स्टीव स्मिथ यहां 11 टेस्ट में 1093 रन बना चुके हैं।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड: 2 स्पिनर खिला सकता है भारत

सिडनी की पिच ऑस्ट्रेलिया की बाकी पिचों से अलग है, यहां पेस के मुकाबले स्पिन को ज्यादा मदद मिलती है। भारत यहां 3 जनवरी से सीरीज का आखिरी मैच खेलेगा, इस दौरान सिडनी में बारिश की भी संभावनाएं बढ़ जाती हैं। 2018 में लगातार 2 दिन बारिश होने के कारण टीम इंडिया को लगभग जीते हुए मैच में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा था।

भारत ने यहां पिछले तीनों टेस्ट ड्रॉ ही खेले हैं। 2014 में बैटिंग पिच के कारण, 2018 में बारिश के कारण और 2021 में अपने विकेट ज्यादा गिर जाने के कारण टीम को मैच ड्रॉ कराना पड़ा था। सिडनी में पहली पारी का औसत स्कोर 436 रन है, यहां पिछले 6 साल में नाथन लायन ने सबसे ज्यादा 26 विकेट लिए हैं।

सिडनी में भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत एक सेंचुरी और एक फिफ्टी लगाकर 2 टेस्ट में 292 रन बना चुके हैं। विराट के नाम यहां 49.60 की औसत से 248 रन हैं, वह भी सिडनी में एक सेंचुरी लगा चुके हैं। गेंदबाजों में मोहम्मद शमी के नाम 2 टेस्ट में 8 विकेट हैं, हालांकि रणजी ट्रॉफी में वापसी के बावजूद उनका ऑस्ट्रेलिया जाना अब तक कन्फर्म नहीं हो सका है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद इस प्रारूप को अलविदा कहेंगे टिम साउदी

न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने घोषणा की है कि वह इस दिसंबर में हैमिल्टन में अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। वहीं, न्यूजीलैंड क्रिकेट (NZC) ने पुष्टि की कि साउदी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, लेकिन अगर कीवी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालिफाई करती है तो वह अगले साल होने वाले फाइनल में ब्लैक कैप्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

35 वर्षीय साउदी ने 104 टेस्ट में 385 टेस्ट विकेट लिए हैं। वह इस प्रारूप में न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 300 से ज्यादा टेस्ट विकेट लेने के अलावा साउदी वनडे में 200 से ज्यादा और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं। वह ऐसा करने वाले विश्व स्तर पर एकमात्र गेंदबाज भी हैं। अपने करियर के बारे में साउदी ने कहा, 'मैंने बचपन से ही न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा था। 18 साल तक ब्लैक कैप्स के लिए खेलना सबसे बड़ा सम्मान रहा है। हालांकि, यह समय इस खेल से दूर जाने का सही समय लगता है। इस खेल ने मुझे बहुत कुछ दिया है।'

स्विंग गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले साउदी ने पहली बार 2008 अंडर-19 विश्व कप में अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की थी। वह 17 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। तब से वह न्यूजीलैंड क्रिकेट में एक आइकन बन गए। हाल ही में भारत पर 3-0 की जीत में साउदी ने अहम भूमिका निभाई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनिंक ने साउदी को न्यूजीलैंड की आधुनिक क्रिकेट की दिग्गज हस्ती करार दिया और 18 साल तक न्यूजीलैंड के लिए उनके योगदान की सराहना की। वीनिंक ने कहा, 'साउदी हमारे लिए निरंतर प्रदर्शन करते रहे हैं और उन्हें न्यूजीलैंड के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। हमारे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को विदाई देने का मौका इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज को और खास बनाएगा।'

साउदी ने 2021 में न्यूजीलैंड के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने भी साउदी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'साउदी हमारे लिए शानदार रहे हैं। वह एक अविश्वसनीय रूप से किसी भी टीम के लिए कठिन रहे हैं और उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।' इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज न्यूजीलैंड के डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। अगर टीम अपने सभी मैच जीतती है तो फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

साउदी ने 104 टेस्ट में 385 विकेट चटकाए हैं। 64 रन देकर सात विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही है। वह इस प्रारूप में 15 बार पारी में पांच विकेट ले चुके हैं। इस दौरान उनका औसत 29.89 का और स्ट्राइक रेट 59.95 का रहा है। इसके अलावा वह 161 वनडे में 221 विकेट और 125 टी20 में 164 विकेट ले चुके हैं। साउदी 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ मैकलीन पार्क में ही टेस्ट डेब्यू किया था और अब वह इसी टीम के खिलाफ टेस्ट करियर का अंत भी करेंगे।

केएल राहुल की कोहनी में चोट लगी : रोहित की जगह पर्थ टेस्ट में ओपनिंग ऑप्शन थे; कोहली ने भी स्कैन कराया

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से पहले भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल चोटिल हो गए हैं। शुक्रवार को प्रैक्टिस मैच के दौरान राहुल की कोहनी में प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल लगी और वे स्कैन के लिए मैदान से बाहर चले गए। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने दावा किया है कि कोहली ने भी एक अज्ञात चोट के लिए स्कैन कराया है।

राहुल-कोहली की इंजरी की खबरों ने भारतीय टीम मैनेजमेंट की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि 32 साल के राहुल भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पहला टेस्ट नहीं खेलने पर ओपनिंग के ऑप्शन थे, जबकि विराट कोहली ने विदेशी पिचों पर सबसे ज्यादा रन ऑस्ट्रेलिया में ही बनाए हैं।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत 22 नवंबर से पर्थ में पहले टेस्ट के साथ करेगी। वहां भारतीय टीम को 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारतीय टीम के लिए अहम है।

29 रन बना चुके थे राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल लगी

'राहुल के बारे में यह अभी हुआ है, इसलिए (उनकी कोहनी की चोट) आकलन करने में कुछ समय लगेगा। राहुल टेस्ट में वापसी की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु मैच के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन में नहीं चुना गया था।' बेंगलुरु के इस खिलाड़ी ने अपना आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2023 में सेंचुरियन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगाया था और तब से उन्होंने नौ पारियों में सिर्फ 2 अर्द्धशतक बनाए हैं।

दावा- कोहली ने भी स्कैन कराया

ऑस्ट्रेलियाई अखबार सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने दावा किया है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने गुरुवार को एक अज्ञात चोट के लिए स्कैन करवाया। हालांकि, उन्हें प्रैक्टिस मैच में खेलने से नहीं रोका गया और उन्होंने आउट होने से पहले 15 रन बनाए।

'विराट कोहली के साथ अभी कोई चिंता नहीं है।' वे बड़े रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनका आखिरी टेस्ट शतक जुलाई 2023 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ था।

तब से, 36 वर्षीय खिलाड़ी ने 14 टेस्ट पारियों में सिर्फ दो अर्द्धशतक बनाए हैं। पिछली 60 पारियों में, कोहली ने सिर्फ दो शतकों के साथ 31.68 का औसत बनाया है। 2024 में उनका औसत छह टेस्ट में सिर्फ 22.72 है।

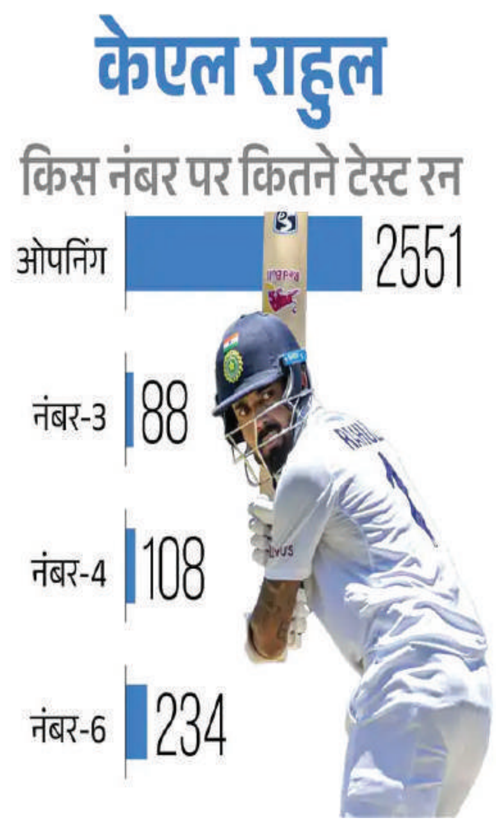

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं केएल राहुल

पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे केएल राहुल भारत की तरफ से क्रिकेट के तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं उनका लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी करना है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज के पहले मैच में नहीं खेल पाते हैं तो राहुल को पारी की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है।

भारतीय टीम के लिए राहुल की खराब फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन यह 32 वर्षीय बल्लेबाज इसको लेकर चिंतित नहीं है। राहुल ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'मेरा लक्ष्य निश्चित तौर पर टी20 टीम में वापसी करना है। मैं तीनों प्रारूप में खेलना चाहता हूं और इतने वर्षों में इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। मैं भारत के लिए तीनों प्रारूप में खेलना चाहता हूं जैसा कि कई वर्षों से कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'मैं पिछले कुछ समय से टी20 टीम से बाहर हूं तथा मैं जानता हूं कि एक खिलाड़ी के रूप में मैं अभी किस स्तर पर हूं और मुझे वापसी करने के लिए क्या करना है। इसके लिए मैं आईपीएल के नए सत्र का इंतजार कर रहा हूं।' राहुल ने 2022 से लेकर अब तक 12 टेस्ट मैच की 21 पारियों में केवल 514 रन बनाए और उनका औसत 25.7 रहा। इस बल्लेबाज ने हालांकि कहा कि वह व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बजाय टीम को प्राथमिकता देते हैं।

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ी होने के नाते हम सभी स्वच्छंद होकर खेलना चाहते हैं। मैं जिस तरह से बल्लेबाजी करता हूं उसका मैं पूरा आनंद लेता हूं, लेकिन मेरे लिए हमेशा टीम पहली प्राथमिकता रही है। यह मायने नहीं रखता कि मैं क्या कर रहा हूं और मेरा नैसर्गिक खेल क्या है।' राहुल ने कहा, 'हमारा खेल टीम से जुड़ा है। अगर मैं टेनिस खेलता तो स्थिति अलग होती और तब मैं कह सकता था कि यह मेरा नैसर्गिक खेल है, लेकिन टीम खेल में यह पूरी तरह से भिन्न होता है। इसमें प्रत्येक मैच में टीम के लिए योगदान देने के लिए आपको अलग तरह की भूमिका और जिम्मेदारी निभानी होती है।'

टी20 में मैक्सवेल ने पूरे किए 10 हजार रन
ऑस्ट्रेलिया के लिए ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार को खेले गए पहले टी20 मैच में ग्लेन मैक्सवेल का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 43 रनों की दमदार पारी खेलकर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। टी20 में अब उनके 1000 हजार से ज्यादा रन हो गए हैं। वह ऐसा करने वाले 16वें बल्लेबाज बन गए। इसके अलावा वह डेविड वॉर्नर और आरोन फिंच के क्लब में शामिल हो गए। बता दें कि, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। बारिश के कारण देरी से शुरू हुए पहले मैच में मेजबानों ने सात ओवर में चार विकेट पर 93 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान सात ओवर में नौ विकेट पर 64 रन ही बना सका। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। अब उनकी नजर दूसरे टी20 में जीत के साथ सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने पर होगी।

मैक्सवेल ने किया बड़ा कारनामा

मैक्सवेल ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 19 गेंदों का सामना किया और 43 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 226.31 के स्ट्राइक रेट से पांच चौके और तीन छक्के लगाए। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले यह कारनामा डेविड वॉर्नर (12411) और आरोन फिंच (11458) ने किया है।

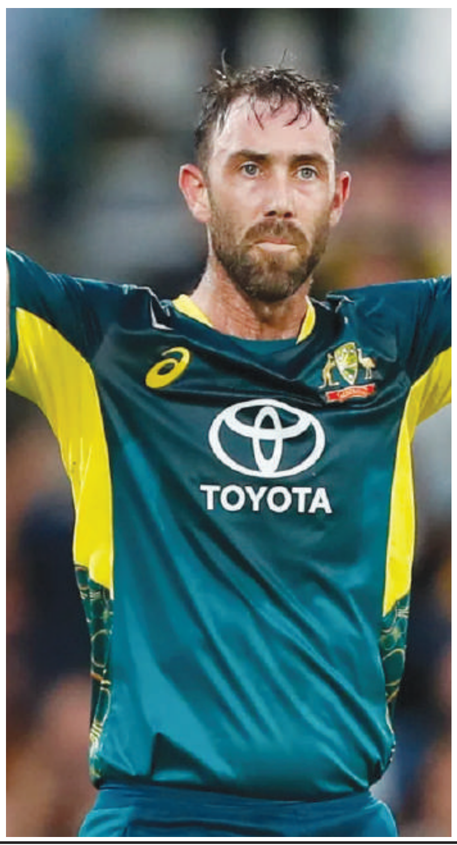

ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करेंगे कोहली
शास्त्री ने फॉर्म को लेकर दिया बयान

पूर्व भारतीय क्रिकेट कोच रवि शास्त्री का मानना है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली में अपनी खराब फॉर्म को सुधारकर

ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान सफलता हासिल करने की काबिलियत है। पिछले कुछ महीनों में कोहली सभी प्रारूपों में खराब दौर से गुजर रहे हैं। 36 वर्षीय स्टार बल्लेबाज ने साल की शुरुआत से बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है जबकि उनका औसत सिर्फ 21.33 रहा है।

हालांकि, शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी दी और कहा है कि कोहली उस देश में खेलेगा जहां उसे बल्लेबाजी करना और रन बनाना बहुत पसंद है। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'कोहली अब वहां खेलेगा जहां वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करता है। मैं उन्हें बस इतना ही बताऊंगा। जब आप ऑस्ट्रेलिया में अपने जलवों के बाद यह रूतबा हासिल कर लेते हैं तो जब आप बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह हमेशा आपके प्रतिद्वंद्वी के दिमाग में रहता है।'

शास्त्री ऑस्ट्रेलिया में कोहली के शानदार प्रदर्शन का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने 2011-12 में अपने पहले टेस्ट दौरे में एडिलेड में जुझारू शतक जड़ा था, 2014 के दौरे के दौरान चार टेस्ट मैच में 692 रन बनाये थे और 2018-19 सीरीज के दौरान पर्थ में 123 रन की शानदार पारी शामिल है। तब कोहली ने टीम की कप्तानी की थी। शास्त्री ने हालांकि कोहली को दौरे के शुरुआती चरण के दौरान सतर्कता बरतने की सलाह दी।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा, 'जब आप जोश में हो और आप उत्साहित हैं जो विराट के साथ होता है। तो आपको शांत रहना चाहिये क्योंकि कई बार आप मैदान पर उतरकर पहला दाव मारने के लिए बहुत उत्साहित होते हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि जब वह बल्लेबाजी करने उतरे तो पहला आधा घंटा या फिर सीरीज की पहली तीन पारियों में उसका शांत रहना बेहद महत्वपूर्ण होगा। अगर वह शांत रह सकता है और जल्दबाजी करने के बजाय अपनी लय से खेल सकता है तो मुझे लगता है कि अच्छी बल्लेबाजी करेगा।'

अनिल अंबानी की इन कंपनियों पर आफत

फर्जी बैंक गारंटी पर नोटिस जारी, आपराधिक मुकदमे की तलवार

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की रिलायंस पावर और उसकी सहयोगी कंपनी रिलायंस एनयू बीईएसएस पर बड़ा आरोप लगा है। सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने इन कंपनियों को फर्जी बैंक गारंटी जमा करने के आरोप में नोटिस भेजा है। रिलायंस पावर को कारण बताओ नोटिस में पूछा गया है कि फर्जी बैंक गारंटी जमा करने के लिए कंपनी और उसकी इकाई के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। देश की टॉप रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी सेकी ने पिछले हफ्ते अपनी बोलियों में फर्जी दस्तावेज जमा करने को लेकर रिलायंस पावर और उसकी इकाई रिलायंस एनयू बीईएसएस को उसके टेंडर में भाग लेने से रोक दिया था।

रिलायंस पावर का क्या है कहना?

इस बीच, रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह 'धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े' की साजिश का शिकार रही है। रिलायंस पावर ने कहा, 'इस संबंध में 16 अक्टूबर, 2024 को तीसरे पक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा के पास एक आपराधिक शिकायत पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है। इसके आधार पर 11 नवंबर, 2024 को एफआईआर दर्ज की गई है। मामला जांच के अधीन है। कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।'

आखिर पूरा मामला है क्या?

सेकी ने 13 नवंबर को जारी एक नोटिस में कहा कि बोली के तहत एक विदेशी बैंक गारंटी के रूप में फर्जी दस्तावेज जमा किए गए। बोली के तहत जमा बैंक गारंटी रिलायंस एनयू बीईएसएस लि. (जिसे महाराष्ट्र एनर्जी जनरेशन लि. के नाम से जाना जाता है) ने दी थी, वह फर्जी थी। सेकी ने नोटिस में कहा, 'बोलीदाता ने फर्जी बैंक गारंटी को उसके नकली दस्तावेज के समर्थन के साथ बार-बार जमा किया। यह माना जा सकता है कि यह काम जानबूझकर किया गया। इसका उद्देश्य टेंडर प्रक्रिया को खराब करना और धोखाधड़ी के जरिये प्रोजेक्ट को हासिल करना था।'सेकी ने रिलायंस पावर और रिलायंस एनयू बीईएसएस को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके जरिये उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है कि धोखाधड़ी और फर्जी कामों को देखते हुए उनके खिलाफ आपराधिक ऐक्शन क्यों नहीं शुरू करना चाहिए।'

टेंडर में भाग लेने से लगी रोक

नोटिस के अनुसार, रिलायंस एनयू बीईएसएस ने फर्स्ट रैंड बैंक की मनीला (फिलिपीन) शाखा की तरफ से जारी बैंक गारंटी को जमा किया। मामले की विस्तार से जांच करने पर उक्त बैंक की भारतीय शाखा ने पुष्टि की कि फिलिपीन में बैंक की ऐसी कोई शाखा नहीं है। इस आधार पर सेकी ने निष्कर्ष निकाला कि प्रस्तुत बैंक गारंटी फर्जी थी। सेकी ने छह नवंबर को 'फर्जी दस्तावेज' जमा करने को लेकर रिलायंस पावर और रिलायंस एनयू बीईएसएस को सेकी की निविदाओं में भाग लेने से तीन साल के लिए प्रतिबंधित करने की घोषणा की थी। यह मामला रिलायंस पावर और रिलायंस एनयू बीईएसएस के लिए बड़ा झटका है। देखना होगा कि कंपनियां एसईसीआई के नोटिस का क्या जवाब देती हैं।

वर्क लाइफ बैलेंस से जुड़े अपने पुराने बयान पर अभी भी कायम हैं नारायण मूर्ति

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। आईटी कंपनी इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने एक बार फिर से अपने पुराने बयान को दोहराया है। मूर्ति ने कहा है कि भारतीयों को वर्क लाइफ बैलेंस के बजाय काम पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सप्ताह में छह दिन के बदले पांच दिन ही काम करने की परंपरा पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि वह अपने पुराने बयान पर अभी भी कायम हैं।

कहां कही यह बात

नारायण मूर्ति ने सीएनबीसी ग्लोबल लीडरशिप समिट में कार्य-जीवन संतुलन में विश्वास न करने के अपने बयान को फिर दोहराया। मूर्ति ने कहा कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के स्वतंत्र निदेशक और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष केवी कामथ ने एक बार कहा था कि चूंकि भारत एक गरीब देश है, जिसके सामने बहुत सी चुनौतियां हैं, इसलिए हमें कार्य-जीवन संतुलन के बजाय उनके बारे में चिंता करने की जरूरत है।

पीएम मोदी बहुत मेहनत कर रहे हैं

मूर्ति ने आगे कहा कि पीएम मोदी, उनके कैबिनेट मंत्री और नौकरशाह देश के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। मूर्ति ने कहा, जब पीएम मोदी सप्ताह में 100 घंटे काम कर रहे हैं, तो हमारे आसपास जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए अपनी प्रशंसा दिखाने का एकमात्र तरीका हमारा काम है। पांच दिन का सप्ताह हुआ था तो...उन्होंने कहा कि जब देश में साल 1986 में छह दिन के कार्य सप्ताह से पांच दिन के कार्य सप्ताह में बदलाव हुआ, तो वे निराश हुए थे। मूर्ति ने कहा, हमें इस देश में कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। भले ही आप सबसे बुद्धिमान व्यक्ति हों, आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इसलिए मैं अपना विचार वापस नहीं ले रहा हूं। मैं इसे अपनी कब्र तक ले जाऊंगा।उन्होंने यह भी बताया कि वे खुद सुबह 6:30 बजे ऑफिस जाते थे और रात 8:40 बजे लौटते थे। यानी रिटायर होने तक हफ़्ते में साढ़े छह दिन 14 घंटे और 10 मिनट काम करते थे। उन्होंने कहा, मुझे इस पर गर्व है।

एलन मस्क की एक्स पर मुकदमा, यूरोप के सबसे अमीर शख्स ने लगाया आरोप, क्यों भिड़ गए हैं दिग्गज?

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। यूरोप के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अरनॉल्ट ने एलन मस्क की 'एक्स' पर मुकदमा दायर किया है। अरनॉल्ट का दावा है कि एक्स उनके अखबारों के कंटेंट का इस्तेमाल बिना भुगतान के कर रही है। इस दिग्गज के लग्जरी साम्राज्य एलवीएमएच के पास ले पेरिसियन और लेस इकोस अखबार हैं। यह खबर द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एलवीएमएच नाम के अरनॉल्ट के लग्जरी साम्राज्य के दो फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' और 'लेस इकोस' इस मुकदमे का हिस्सा हैं। 'ले फिगारो' और 'ले मोंडे' दो अन्य दैनिक समाचार पत्र भी इस मुकदमे का समर्थन कर रहे हैं। इनका दावा है कि 2019 के एक यूरोपीय निर्देश के तहत इन अखबारों को भुगतान मिलना चाहिए। ये निर्देश अखबारों, पत्रिकाओं या प्रेस एजेंसियों को डिजिटल दिग्गजों की ओर से उनके कंटेंट का रीयूज किए जाने पर पारिश्रमिक की अनुमति देते हैं।

एलन मस्क की एक्स पर और क्या आरोप?

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि गूगल और मेटा के उलट एक्स ने कभी भी फ्रांसीसी समाचार प्रकाशकों के साथ बातचीत करने पर सहमति नहीं जताई। यह मामला दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्तियों को कोर्टरूम में आमने-सामने खड़ा करने वाला है। ब्लूमबर्ग

बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, एलन मस्क वर्तमान में 319 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वहीं, बर्नार्ड अरनॉल्ट 164 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के पांचवें और यूरोप के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। हालांकि, लुई वीटन, क्रिश्चियन डायर और गिवेंची जैसे ब्रांड चलाने वाले अरनॉल्ट ने हाल के वर्षों में कई बार दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में मस्क के साथ स्थान बदला है। इंडेक्स के अनुसार, साल-दर-साल अरनॉल्ट की संपत्ति में 43.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। यह मुख्य रूप से एक महत्वपूर्ण बाजार, चीन से लग्जरी वस्तुओं की मांग कमजोर होने के कारण था। इसके उलट इंडेक्स के अनुसार, साल-दर-साल मस्क की संपत्ति में 90.0 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। इसमें से बहुत बड़ा फायदा हाल ही में हुआ है। रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल फिर से अमेरिकी चुनाव जीता है। मस्क उनके सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-25 सूर्यास्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि प्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 23-50 तक उपरान्त द्वितीया
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण , शनिवार 16 November
नक्षत्र - कृत्तिका 19-27 तक उपरान्त रोहिणी
योग - परिघ 23-47 तक उप शिव
करण- बालव 13-22 तक उप कौलव
विशेष:- वृश्चिक मे अर्क - 07-32 से
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	मे	तुला---	04-16 बजे
चंद्र-	वृष	मे	वृश्चिक-	06-28 बजे
मंगल	कर्क	मे	धनु---	08-40 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मकर---	10-46 बजे
गुरु-	वृष	मे	कुम्भ-	12-36 बजे
शुक्र-	धनु	मे	मीन-	14-14 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मेष---	15-50 बजे
राहु-	मीन	मे	वृष---	17-36 बजे
केतु-	कन्या	मे	मिथुन	19-35 बजे
			कर्क---	21-46 बजे
			सिंह---	00-00 बजे
			कन्या---	02-08 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:12 से 10:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:25 - 07:47	अशुभ	लाभ	17:36 - 19:14	शुभ
शुभ	07:47 - 09:12	शुभ	उत्पात	19:14 - 20:50	अशुभ
रोग	09:12 - 10:36	अशुभ	शुभ	20:50 - 22:26	शुभ
उत्पात	10:36 - 12:01	अशुभ	अमृत.	22:26 - 00:01	शुभ
चंचल	12:01 - 13:25	शुभ	चंचल	00:01 - 01:37	शुभ
लाभ	13:25 - 14:50	शुभ	रोग	01:37 - 03:12	अशुभ
अमृत	14:50 - 16:14	शुभ	काल	03:12 - 04:48	अशुभ
काल	16:14 - 17:36	अशुभ	लाभ.	04:48 - 06:25	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन अपने जीवन की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते। इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोंचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आप अपने व्यस्त जीवन में भी सही तरीके से व्यवस्था बनाये रखने की अपनी काबिलियत को तभी तक बनाये रख सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आज आप ख़ुशी मनाने के मूड में अधिक रहेंगे लेकिन आपको यह भी समझना चाहिए।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है। लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आलू और अन्य सब्जियों ने सरकार का भी बढ़ाया टेंशन

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। रोजमर्रा की खाने पीने की चीजों के महंगे होने से आप ही नहीं, सरकारी भी परेशान है। खाने-पीने की चीजों और कारखानों में बने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ने से अक्टूबर में थोक महंगाई दर 4 महीनों के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। सरकार की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि अक्टूबर में होलसेल प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई दर साल भर पहले के मुकाबले 2.36% रही। अक्टूबर 2023 में यह माइनस 0.26% थी।

एक महीने पहले के मुकाबले में भी बढ़ोतरी

सितंबर के मुकाबले होलसेल इंफ्लेशन 0.97% बढ़ी। सितंबर में होलसेल इंफ्लेशन 1.85% और अगस्त में 1.25% थी। जुलाई में 2.1% और जून में 3.43% पर थी, जो इसका पिछला ऊंचा स्तर है। वहीं, खाने पीने की चीजों की महंगाई दर सितंबर के 11.53% से बढ़कर अक्टूबर में 13.54% हो गई, जो सालभर पहले 3.17% थी।

किन वजहों से हुआ ऐसा

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा, अक्टूबर में इंफ्लेशन के पीछे मुख्य रूप से खाने पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड फूड प्रोडक्ट्स के साथ मशीनरी और उपकरणों के महंगे होने का हाथ रहा।' मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स में थोक महंगाई सालभर पहले के 1 % के मुकाबले 1.50% पर पहुंच गई।

सब्जियों ने बिगाड़ा बजट

दालों में थोक महंगाई दर 9.74% रही, जो सितंबर में 12.99% थी। वहीं, सब्जियों में महंगाई दर बढ़कर 63.04% हो गई, जो सितंबर में 48.7% थी। आलू में होलसेल इंफ्लेशन 78.7% रही, जो सितंबर में 78.1% थी। प्याज में इंफ्लेशन सितंबर के 78.8% से 39.25% पर आ गई। सालभर पहले अक्टूबर में यह 67.4% थी।

प्याज और खाद्य तेलों पर बनी हुई है चिंता : एक्सपर्ट

आईसीआरए के सीनियर इकनॉमिस्ट राहुल अग्रवाल ने कहा, 'अकेले फूड इंफ्लेशन ने सितंबर और अक्टूबर के बीच होलसेल इंफ्लेशन को 63 बेसिस पॉइंट्स बढ़ा दिया। नॉन फूड मैन्युफैक्चरिंग सेगमेंट में इंफ्लेशन सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में 0.1% बढ़ी।' अक्टूबर में फ्यूल एंड पावर कैटेगरी में इंफ्लेशन माइनस 5.8% रही। सितंबर में यह माइनस 4.1% थी। मैन्युफैक्चर्ड आइटम्स में इंफ्लेशन सितंबर के 1% से बढ़कर 1.5% पर पहुंच गया। नवंबर में सस्ते हो सकते हैं राहुल अग्रवाल ने कहा, 'फूड इंफ्लेशन नवंबर में 10% से नीचे आने का अनुमान है। पिछले साल का ऊंचा बेस इसमें मददगार होगा। प्याज और खाद्य तेलों के बारे में चिंता बनी हुई है, लेकिन जो आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक नवंबर में 22 में से 13 आइटम्स में सालाना इंफ्लेशन अक्टूबर से कम हुई है। लिहाजा नवंबर में होलसेल इंफ्लेशन 2% के आसपास रह सकती है।'

क्या आरबीआई के गवर्नर बने रहेंगे शक्तिकांत दास या छोड़ देंगे पद, आपके बटुए पर कैसे पड़ेगा असर?

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की दिसंबर में आने वाली मौद्रिक नीति कई मायनों में खास होगी. इस बार मौद्रिक नीति समिति की बैठक 4 से 6 दिसंबर को होनी है और इसके कुछ दिन बाद ही यानी 10 दिसंबर को आरबीआई के मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है. ऐसे में ये बड़ा सवाल है कि वह अपने पद पर आगे बने रहेंगे या नहीं, क्योंकि उनके इस पद पर बने रहने का एक कनेक्शन आपकी जेब से भी जुड़ा है. शक्तिकांत दास ने 6 साल पहले आरबीआई गवर्नर की जिम्मेदारी उर्जित पटेल के अचानक इस्तीफा देने के बाद संभाली थी. अपने कार्यकाल में उन्होंने कोविड और उसके बाद देश में पैदा हुई महंगाई की समस्या को नियंत्रित करने की दिशा में उल्लेखनीय काम किया है. ऐसे में उनके कार्यकाल के एक्सटेंशन को लेकर किसी तरह की कोई चर्चा नहीं होना काफी अहम हो जाता है.

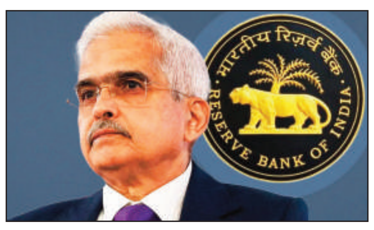

महंगाई के हालात और शक्तिकांत दास का जाना

देश में महंगाई के हालात एक बार फिर बिगड़ते दिख रहे हैं. अक्टूबर में रिटेल इंफ्लेशन की दर फिर एक बार 6 प्रतिशत की अपर लिमिट को क्रॉस करके 6.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है. शक्तिकांत दास ने महंगाई को कंट्रोल करने के लिए पहले रेपो रेट को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत के स्तर तक लाया और फिर उसे लगभग डेढ़ साल तक स्थिर रखा. अब जब देश में महंगाई फिर बढ़ने के आसार दिख रहे हैं. दूसरी तरफ अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत का असर इंडियन इकोनॉमी पर पड़ने का भी अंदेशा है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशों के साथ व्यापार में कड़ाई बरतने की बात कही है. ऐसे में शक्तिकांत दास का जाना इस पूरी प्रोसेस को पटरी से उतार सकता है.

आपकी जेब पर कैसे होगा असर?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि महंगाई की मौजूदा स्थिति और इकोनॉमी की चुनौतियों को देखते हुए ये बात तो साफ है कि अगली मौद्रिक नीति के दौरान रेपो रेट कट में संभवतया कोई कटौती ना हो।

सोना दस दिन में 5000 रुपये सस्ता, चांदी 10,000 रुपये से ज्यादा फिसली

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दाम जहां धनतेरस और दिवाली तक ऊंचाई के नए-नए रिकॉर्ड बना रहे थे वहीं पिछले 10 दिनों में दोनों कीमती मेटल्स के रेट लगातार सस्ते हुए हैं. हैरान करने वाली बात ये है कि केवल 10 दिनो में सोना अपने ऊपरी स्तर से 6 फीसदी सस्ता हो चुका है और इसमें 4750 रुपये की कटौती हो चुकी है। वहीं चांदी ने तो रिकॉर्ड गिरावट दिखाते हुए 10 दिन में 10,000 रुपये के सस्ते दाम दिखा दिए हैं. चांदी 1 लाख रुपये के पार जा पहुंची थी लेकिन इसमें अब 90 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक का भाव देखा जा रहा है। सोना जो 79,700 पर जा पहुंचा था वो 74,950 के करीब के रेट पर है।

अमेरिका से जुड़ा है गोल्ड-सिल्वर की गिरावट का कनेक्शन

4 नवंबर को अमेरिका में चुनाव और वहां डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद से बिटकॉइन के दाम तो लगातार कुलांचे भर रहे हैं वहीं सेफ ऐसेट सोना और चांदी के रेट लगातार गिर रहे हैं. रुपये की सिलसिलेवार गिरावट और डॉलर की तेजी के साथ कदमताल बिठाते हुए सोना-चांदी अपनी चाल धीमी कर चुके हैं। डॉलर इंडेक्स आज 106 के पार जा चुका है।

देश में सोना सस्ता होने का फायदा मिलेगा शादियों के सीजन में

भारत में इस समय सोना सस्ता होने का फायदा उन लोगों को मिल सकता है जो कि शादी के सीजन में खरीदारी करने के लिए मौका ढूंढ रहे हैं।

शार्क टैंक के बाद अब शेयर बाजार में तहलका मचाने आ रहे हैं नाव के अमन गुप्ता, ला रहे हैं आईपीओ

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। शार्क टैंक के जज और हेडफोन और इयरफोन बनाने वाली कंपनी बोट के मालिक अमन गुप्ता अब शेयर बाजार में तहलका मचाने जा रहे हैं. ताजा जानकारी के मुताबिक, डेली वियर वाच और ऑडियो प्रोडक्ट्स बनाने वाला ब्रांड बोट अगले साल 4000 हजार करोड़ का आईपीओ लाने जा रहे हैं. उन्होंने आईपीओ के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, गोल्डमैन सैक्स और नोमुरा को बैंकर के रूप में अंतिम रूप दिया है. बोट 1.5 अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन का लक्ष्य रख सकती है।

कब से आईपीओ की हो रही है चर्चा

बोट ने 2022 में सार्वजनिक पेशकश के लिए ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए थे, लेकिन बाजार की स्थितियों का हवाला देते हुए उन योजनाओं को रोक दिया और मौजूदा निवेशक वारबर्ग पिंकस और नए निवेशक मालाबार इन्वेस्टमेंट्स से लगभग 1.2 बिलियन डॉलर की न्यूनतम मूल्यांकन सीमा पर परिवर्तनीय पसंदीदा स्टॉक नोट्स के माध्यम से निजी पूंजी में 60 मिलियन डॉलर जुटाए।

इस सेगमेंट में बढ़ी बिक्री

आईपीओ लाने की खबर तब आई है, जब बोट का रेवेन्यू वित्त वर्ष 24 में 5 फीसदी गिरकर 3,285 करोड़ रुपये रह गया. हालांकि, कंपनी ने घाटे को आधा करके 70.8 करोड़ रुपये कर दिया. यही नहीं आईपीओ की खबर आने से पहले त्योहारी सीजन के दौरान ऑडियो सेगमेंट की बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई है. वहीं, वियरेबल्स सेगमेंट सुस्त है.मार्केट ट्रैकर आईडीसी के अनुसार, जून तिमाही के दौरान वियरेबल्स सेगमेंट के शिपमेंट में 10% की साल-दर-साल आधार पर गिरावट दर्ज गई।

बाजार की गिरावट के बीच बड़ी राहत, निफ़्टी बनाएगा तेजी का नया रिकॉर्ड, बस करना होगा ये काम

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के शेयर बाजार में इन दिनों हाहाकार मचा हुआ है, लेकिन ये स्थिति बहुत दिन नहीं रहने वाली है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स आने वाले दिनों में 30,000 पॉइंट का ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड बनाने का दम रखता है. बस इसके लिए एक ही शर्त का पूरा होना जरूरी है. निफ्टी इस समय 23,000 से 24,000 अंक के बीच बना हुआ है. बीते एक महीने में ये 1500 अंक से ज्यादा गिर चुका है. जबकि इसी साल इसने 25,000 अंक से अधिक तक जाने का रिकॉर्ड बनाया है. फिर भी देश के एक बड़े इंवेस्टर का मानना है कि निफ्टी जल्द ही 30,000 अंक के लेवल को छू सकता है।

इस इंवेस्टर को है पूरा भरोसा

देश की प्रमुख इंवेस्टर फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेस के को-फाउंडर रामदेव अग्रवाल का कहना है कि निफ्टी 30,000 पॉइंट के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच सकता है. बस इसके लिए जरूरी है कि देश से निवेश बाहर ले जाने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक की वापसी हो जाए. एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए रामदेव अग्रवाल ने कहा कि दुनिया के ग्लोबल शेयर मार्केट में भारत की अगल जगह है. इसलिए भारत में निवेश करने पर कंपाउंडिंग का अच्छा फायदा मिलता है. रामदेव अग्रवाल इस बात को स्वीकार करते हैं कि एफआईआई ने हाल में भारत से पैसा निकाला है, लेकिन इसे दूसरे तरीके से देखना चाहिए. कई बार इंवेस्टर्स अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए भी एशिया के दूसरे मार्केट जैसे कि चीन और कोरिया में निवेश करते हैं. भारत की इकोनॉमी के फंडामेंटल मजबूत हैं. इसमें इतनी ताकत है कि एफआईआई को वापस भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित कर सके.

डी-मार्ट के रमेश दमानी भी सहमत

डी-मार्ट के फाउंडर और बड़े शेयर निवेशक रमेश दमानी भी रामदेव अग्रवाल की बात से सहमत हैं.ईटी की एक खबर के मुताबिक रमेश दमानी का कहना है कि ये शेयर बाजार में किए गए निवेश को बनाए रखने का मौका है. युवा निवेशकों को इस समय अपना निवेश होल्ड करना चाहिए. अगर इस बात को रेग्युलर तरीके से माना जाए, तो कंपाउंडिंग का फायदा एक पूरी पीढ़ी को गरीबी से बाहर निकाल सकता है।

सैलून-बुटीक-जिम वाले फंसे, कहां से लाएं महिला स्टाफ

गाइडलाइंस पर बोले- 'मास्टरजी' की सिलाई भरोसेमंद, फीमेल जिम ट्रेनर नहीं मिलती

नोएडा, 15 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 27 अक्टूबर की बात है। कानपुर के डीएम आवास कैंपस से एक कारोबारी राहुल गुप्ता की पत्नी की लाश दफन मिली। मर्डर का आरोप उसके जिम ट्रेनर पर लगा। अगले दिन 28 अक्टूबर को लखनऊ में यूपी महिला आयोग की मीटिंग हुई। इसमें प्रपोजल बना कि जिम और योग सेंटर में महिला ट्रेनर रखना होगा। वहीं, बुटीक में पुरुष टेलर महिलाओं का नाप नहीं ले सकेंगे। हालांकि, आयोग की गाइडलाइंस से बुटीक और जिम ओनर इत्तेफाक नहीं रखते। बुटीक ओनर्स का कहना है कि कस्टमर्स को मास्टर जी की सिलाई पर ज्यादा भरोसा है। बड़े ऑर्डर के लिए उन्हीं से काम करवाना चाहते हैं। वहीं जिम ओनर्स का मानना है कि महिला ट्रेनर ढूंढना आसान नहीं है। मिल भी जाए तो उन्हें रखना महंगा है।

इन गाइडलाइंस पर अमल करना असल में कितना व्यावहारिक है। इसे लागू करने या कराने में किस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। सैलून, बुटीक और जिम चलाने वाले आयोग के इस प्रपोजल को किस तरह देखते हैं, ये जानने के लिए सैलून, बुटीक, और जिम चलाने वालों और आम लोगों का क्या कहना है, इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

बुटीक ओनर बोलीं- कस्टमर्स को 'मास्टर जी' पर ही ज्यादा भरोसा

शिखा नोएडा में बुटीक चलाती हैं। वे कहती हैं, 'मैं आईटी प्रोफेशनल हूं, लेकिन 20 साल से बुटीक चला रही हूं। मेरे यहां 8 लोगों का स्टाफ है। सभी पुरुष हैं। टेलर रखते वक्त मैं उनका स्किल टेस्ट लेती हूं। अब तक के करियर में मैंने कोई महिला नहीं देखी, जो परफेक्ट कपड़े सिलकर दे सके। ये मेल-डॉमिनेटेड इंडस्ट्री है।'

'शुरू से ही समाज में भी पुरुष ही बाहर का काम करते हैं। लड़कियां घर का काम करती आ रही हैं। हो सकता है कि कहीं किसी मामले में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ हुई हो, लेकिन 99% केस में कोई टेलर महिला को गलत तरह से टच नहीं करता। उन्हें भी काम चाहिए। पैसा कमाना है। कोई भी ऐसी हरकत नहीं करेगा कि उसकी रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाए।'

शिखा कहती हैं, 'जब रानियां और महारानियां पुरुष टेलर को अपना नाप दे सकती थीं, तो आज की मॉडर्न महिला को क्या दिक्कत होगी। अगर महिला स्टाफ रखना कम्पलसरी कर दिया जाता है, तो मुझे यकीन करने में वक्त लग जाएगा कि वो कितने परफेक्शन से काम कर सकेंगी। इसका असर हमारे बजट पर भी होगा।'

बिहार के रहने वाले विनोद कुमार राय 22 साल से टेलरिंग का काम कर रहे हैं। अभी नोएडा में रह रहे हैं और महीने का 25 हजार रुपए कमा लेते हैं।

विनोद कहते हैं, 'टेलरिंग का काम महिलाएं उतने अच्छे से नहीं कर पातीं, जिस तरह पुरुष कर लेते हैं। ज्यादातर बुटीक महिलाएं चलाती हैं, लेकिन उन्हें कपड़े सिलना नहीं आता। हमारा काम महिला कस्टमर का नाप लेकर कपड़े बनाना है। हमें उनके शरीर से कोई मतलब नहीं।'

'महिलाएं हाई-फैशन का काम नहीं कर पातीं। टेलरिंग में सुई चलाना सीखने में ही 5-6 साल का वक्त लग जाता है। पुरुष कहीं भी रहकर और किसी से भी काम सीख लेते हैं। महिलाएं ऐसा नहीं कर सकतीं। टेलरिंग प्रैक्टिस वाला काम है। आपको रोजाना 10 से 12 घंटे देने होंगे। तब हाथ साफ होगा।'

यूपी राज्य महिला आयोग के प्रस्ताव के बारे में विनोद कहते हैं, 'कितने टेलरों ने महिलाओं के साथ गलत काम किया होगा। टेलर को हटा भी दीजिए, तो दूसरे क्षेत्रों में और भी ज्यादा अपराध हैं। वहां क्या करेंगे।सबको हटा दीजिए, सिर्फ महिलाएं ही काम करेंगी।'

नोएडा के ही सुमित छाबरा 10 साल से टेलरिंग के काम में हैं और दुकान चला रहे हैं। दुकान पर कम महिला स्टाफ होने के बारे में वे बताते हैं, 'मैं 1997 से इस सेक्टर में काम कर रहा हूं। मेरे पिता भी टेलर थे। मैंने कभी नहीं सुना कि किसी महिला कस्टमर ने महिला टेलर को नाप देने की बात कही हो।'

'मैं मानता हूं कि लड़कियों के होने से दुकान पर सभी कर्मचारियों के बीच अनुशासन आ जाता है, लेकिन इस प्रोफेशन में लड़कियां कम हैं। लड़कियां सेल्स या कैश काउंटर की जॉब के लिए आती हैं। वो टेलरिंग का काम नहीं करतीं।

अक्षिता सिंह नोएडा में अपना सैलून चलाती हैं। वे बताती हैं, 'मेरे सैलून में 17 लोगों का स्टाफ है। इनमें सिर्फ चार लड़कियां हैं। हमेशा से ही इस इंडस्ट्री में पुरुष ही रहे हैं। महिला स्टाफ को हाइजीन का बहुत ख्याल रहता है, इसलिए वे मेल कस्टमर की शेविंग और हेयर कटिंग करना पसंद नहीं करती हैं। वो सहज भी महसूस नहीं करतीं।'

'मैंने कई बार फीमेल हेयरस्टाइलिस्ट ढूंढने की कोशिश की, लेकिन मार्केट में उनकी कमी है। मैं 7 साल से सैलून चला रही हूं। किसी महिला कस्टमर ने कभी भी बैड टच की शिकायत नहीं की है। हमेशा से मेल स्टाफ ही पेडीक्योर करते आ रहे हैं।'

अक्षिता आगे कहती हैं, 'अगर कोई महिला कस्टमर रात के वक्त आती है, तो मैं काम खत्म होने तक सैलून में ही रुकती हूं। वरना कोई न कोई महिला स्टाफ सैलून में हमेशा रहती ही है।'

राज्य महिला आयोग ने इस प्रपोजल के जरिए अपराध पर लगाम लगाने की बात कही है। इस पर अक्षिता कहती हैं, 'क्राइम सिर्फ जिम, सैलून या स्पा में नहीं हो रहा है। सड़कों पर भी हो रहा है। क्या सड़क से लड़कों को उठवा देंगे या सिर्फ लड़कियां ही जा सकेंगी। बंद जगह पर अपराध को कंट्रोल किया जा सकता है। सड़क पर हो रहे अपराधों के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत है।'

अगर हम बिजनेस के लिहाज से देखें तो ज्यादातर सैलून यूनीसेक्स हैं। यहां महिला और पुरुष दोनों ही सर्विस लेने आते हैं। लड़कियां हर दो या तीन महीने बाद वैक्सिंग कराती हैं। पुरुष हर हफ्ते या महीने शेव और कटिंग के लिए आते हैं। मेल कस्टमर हमेशा ज्यादा होते हैं। महिलाओं को रोजगार देने के और भी कई तरीके हैं। अगर महिला स्टाफ को रखना कम्पलसरी कर भी दिया, तब भी हम कितनी ही लड़कियों को काम पर रख लें। इस इंडस्ट्री में लड़कियां कम ही रहेंगी। बैड टच जेंडर आधारित नहीं होता। महिलाएं भी उतना ही अपराध कर सकती हैं, जितना पुरुष। इसे किसी जेंडर से जोड़ना सही नहीं है। नोएडा में काम कर रहे हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट प्रशांत झा कहते हैं, 'मैं पिछले 7 साल से महिलाओं का मेकअप कर रहा हूं। उनके बाल भी काटता हूं। सैलून में ज्यादातर मेल स्टाफ ही काम करता है। महिला कस्टमर की सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी होती है। उनके और हमारे बीच एक ट्रस्ट रहता ही है।'

'हेयरकटिंग और बाल कलर करने के दौरान हम कुछ बातों का ध्यान रखते हैं। सीटें एडजस्टेबल होती हैं। उसे सही हाइट पर फिक्स करते हैं। बाल काटते समय हम ध्यान रखते हैं कि हाथ, कान या गर्दन से टच न हो। मेकअप के दौरान भी कॉन्टैक्ट कम से कम रखने की कोशिश करते हैं।' वे आगे कहते हैं, 'इस सेक्टर में महिलाओं के लिए भी जॉब के मौके हैं, जितनी भी ब्यूटी सर्विस हैं, वो महिलाएं ही करती हैं। उसमें मेल स्टाफ नहीं होता है। मेकअप और हेयर-स्टाइलिंग दोनों ही स्किल का काम है। पुरुष या महिला में से जो बेहतर करेगा, कस्टमर उसी से काम करवाएंगे। हमेशा से ही सैलून में हमने मेल स्टाफ ही देखा है। हम इस इंडस्ट्री में पुरुषों को देखकर ही आते हैं। अब जमाना बदल रहा है। लड़कियां खुद इस फील्ड में कम आती हैं। आज के वक्त में हर सैलून में महिला हेयरड्रेसर और जिम में महिला ट्रेनर रहती ही हैं। इसलिए इस तरह के प्रपोजल की जरूरत नहीं है।

नोएडा में एलीट जिम के ओनर राहुल बताते हैं, 'मेरा जिम 5 साल से चल रहा है। मेरे यहां महिला और पुरुष साथ में ट्रेनिंग, जुम्बा और योग करते हैं। हमारे यहां एक महिला ट्रेनर है, जो जुम्बा सिखाती है। बाकी दो मेल ट्रेनर हैं। हमारे पास ऑनलाइन क्वेरी आती है कि वे महिला ट्रेनर से सीखना चाहती हैं। महिला ट्रेनर आ जाएगी, तो वो लोग भी जिम आ जाएंगे। हालांकि, जिम के रेंट के साथ एक और महिला ट्रेनर रखना महंगा है। मेरा जिम सुबह से शाम तक चलता है। आज तक कोई शिकायत नहीं आई है। राहुल कहते हैं, 'जब हमारे यहां एक्सरसाइज होती है तो उसमें पुरुष पीछे और महिलाएं आगे खड़ी होती हैं। ट्रेनिंग के दौरान कई बार किसी महिला की शर्ट ऊपर हो जाती है। तो हम शर्ट टक-इन करने के लिए बता देते हैं, लेकिन कई बार हमें भी ये कहना असहज करता है।' इस प्रपोजल को लेकर हमने कुछ लड़कियों और महिलाओं से भी बात की है। शिखा कहती हैं, 'मैं कपड़े सिलवाने जाती हूं तो मुझे कभी असहज महसूस नहीं हुआ। मैं महिला या पुरुष में कोई भेदभाव नहीं करूंगी। कई साल से हमारे कपड़े मास्टर जी ही बनाते आ रहे हैं। उनके साथ एक भरोसा बन चुका है।

'अगर अब मास्टर जी की जगह कोई फीमेल आ जाएगी, तो यही लगेगा कि क्या वो सही फिटिंग के साथ कपड़े सिल पाएगी। जिम की बात करें तो एक मेल ट्रेनर पांच लड़कियों को ट्रेन करता है। एक महिला ट्रेनर शायद ही पांच लड़कियों को ट्रेन कर पाएगी। जिम में हम अगर किसी एक्सरसाइज के दौरान असहज हो भी जाएं] तो हम महिला ट्रेनर को बुला लेते हैं।'

वे आगे कहती हैं, 'अपराध घर के अंदर भी हो रहे हैं। हम कहां-कहां पुरुषों को रिप्लेस करके महिलाओं के रखेंगे। पुरुषों की जॉब छीनकर महिलाओं को देना भी सही नहीं है। जिम या सैलून में महिलाओं को नौकरी पर रखने के लिए पुरुषों को हटाया जाएगा। ऐसे में उनके परिवार का खर्च और जिम्मेदारी कौन लेगा।

यहीं मिली सिद्धि द्विवेदी कहती हैं, 'मैं जब भी टेलर के यहां गई, मुझे कभी भी असहज महसूस नहीं हुआ। ज्यादातर महिलाएं अपने साथ किसी दोस्त या रिश्तेदार को ले जाती हैं। अगर वो अकेले भी जाएं तो भी मैंने कभी नहीं सुना उन्हें कोई दिक्कत आई हो। वहीं जिम जैसी जगहों पर सीसीटीवी लगा ही होता है। महिलाओं को पुरुषों की जगह ले आने से अपराध नहीं रुक सकते। महिलाओं के साथ होने वाला अपराध के पीछे अलग वजहे हैं। हो सकता है कोई जिम से बाहर निकले और अपराध हो जाए।

यूपी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने प्रपोजल को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि जनसुनवाई के दौरान जिम, ब्यूटी पार्लर और बुटीक में पुरुषों से जुड़ी घटनाएं आ रही हैं। जिम में महिलाओं के 99% ट्रेनर पुरुष हैं। वहां पर बहुत सारी ऐसी घटनाएं होती हैं। इसे महिलाएं या छोटी बच्चियां बर्दाश्त करती हैं।

बंद प्लांट से लगे खेत में 3 खोपड़ी-हड्डियां मिली

छत्तीसगढ़ में लापता मां-बेटी, बेटे के होने की आशंका, डीएनए टेस्ट करा सकती है फोरेंसिक टीम

बलरामपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट से लगे खेत में 3 नर कंकाल मिले हैं। इसमें 3 खोपड़ी और बॉडी के अन्य पार्ट्स हैं। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एरिया को सील कर दिया है। फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के दहेजवार का है।

जानकारी के मुताबिक, दहेजवार गांव के लोग शुक्रवार सुबह खेत में धान कटाई के लिए बंद पड़े ब्रिक्स प्लांट के परिसर के पास गए थे। ग्रामीणों ने देखा तो कई जगहों पर हड्डियों के टुकड़े बिखरे पड़े थे। आशंका जताई जा रही है कि हड्डियां कुछ दिन पहले लापता मां, बेटी और बेटे की है। ग्रामीणों ने बताया कि खोपड़ी और अन्य हड्डियों को देखकर वह दहशत में आ गए थे। इसके बाद फौरन पुलिस को सूचना दी। तत्काल पुलिस बड़ी संख्या में पहुंची। उन्होंने घटना स्थल में ले जाकर कंकालों को दिखाया। पुलिस ने कंकालों को बरामद कर लिया है। बताया जा रहा है कि फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट के संचालक द्वारिका गुप्ता है। लंबे समय से ब्रिक्स प्लांट बंद है। हालांकि ग्रामीण शवों को खेतों में गाड़ते हैं। आशंका यह भी है कि कुत्तों ने खोपड़ियों को निकाल लिया है, लेकिन आसपास में कोई कब्रगाह भी नहीं है। मामले में एएसपी शैलेन्द्र पांडेय ने नर कंकाल मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और फोरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। प्रथम दृष्टया ये नर कंकाल काफी पुराने हैं।

पुलिस टीम इसका भी पता लगाएगी कि ये नर कंकाल कब के हैं, और कहां से आए हैं। जरूरत पड़ी तो नर कंकालों का डीएनए भी कराया जाएगा। कुसमी के वार्ड क्रमांक एक निवासी सूरजदेव ठाकुर की पत्नी कौशल्या ठाकुर (36) गायब है। बेटी मुक्तावती उर्फ मुस्कान ठाकुर (17) और बेटा मिंटू ठाकुर (8) के साथ 27 सितंबर को बाजार जाने के लिए निकली थी, लेकिन तीनों वापस नहीं लौटे। तीनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट कुसमी थाने में दर्ज है। तीनों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। बलरामपुर में तीन शव मिलने के सूरजदेव ठाकुर को पुलिस टीम लेकर बलरामपुर गई है। अगर तीनों के नर कंकाल गुमशुदा महिला और बच्चों से मेल खाते हैं तो उनका डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। आशंका जताई जा रही है कि ये कंकाल इन्हीं के हो सकते हैं।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

पलामू, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की जान चली गई, जबकि तीन जख्मी हो गए हैं। इसमें दो बच्चे और एक महिला शामिल है। सभी का इलाज मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में चल रहा है।

हादसा लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुन्दरी में ऑटो और ट्रैक्टर में हुई टक्कर की वजह से हुआ। मृतक की पहचान मो. हुसैन (70) पांकी थानाक्षेत्र के बेरू गांव निवासी के रूप में की गई। इस घटना में उनका 14 वर्षीय पोता महफूज आलम जख्मी हुआ है। पोता को लेकर मो हुसैन अपनी बेटी के घर शादी समारोह में शामिल होने चैनपुर के शाहपुर जा रहे थे।

अक्षरा सिंह ने किया रोड-शो, उमड़ी लोगों की भीड़

निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थन में धनबाद पहुंची अभिनेत्री, फोटो लेते दिखे फैंस

धनबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भोजपुर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह शुक्रवार को बाघमारा (धनबाद) पहुंची। वो बाघमारा विधानसभा चुनाव से निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव के रोड शो में शामिल हुईं। इस दौरान अक्षरा को देखने और सेल्फी-फोटो लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। उन्होंने रोहित यादव के साथ खुली जीप से रोड शो किया।

इधर, बाघमारा सीट से भाजपा के शत्रुघ्न महतो और कांग्रेस के जलेश्वर महतो आमने-सामने हैं। शत्रुघ्न व जलेश्वर कोलियरी मजदूर यूनियनों से जुड़े हैं। शत्रुघ्न महतो यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष हैं। उनके भाई सांसद ढुलू महतो यूनियन के महामंत्री हैं। वहीं, जलेश्वर झारखंड कोलियरी श्रमिक यूनियन से जुड़े हैं।

झारखंड में अब तक हुए 4 विधानसभा चुनावों में बाघमारा विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा 3 बार ढुलू महतो ने जीत दर्ज कराई है। भाजपा 2 बार, एक बार जेवीएम और एक बार जदयू ने जीत दर्ज की है। झामुमो को इस सीट पर अब तक जीत नहीं मिल पाई है। ढुलू महतो 2 बार भाजपा के टिकट पर जीते, जबकि एक बार जेवीएम के टिकट पर चुनाव जीतकर झारखंड विधानसभा के सदस्य बने। ढुलू महतो अब सांसद बन चुके हैं। इस बार उनकी जगह उनके भाई शत्रुघ्न महतो चुनाव लड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में करीब 6 हजार कॉन्स्टेबल की भर्ती

सरगुजा में 769, रायगढ़ में 124 पोस्ट के लिए डेढ़ लाख आवेदन, कल से 24 दिसंबर तक परीक्षा

रायगढ़, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कॉन्स्टेबल के 5,967 पदों पर भर्ती निकली है। पहले चरण में बिलासपुर संभाग के रायगढ़ और सरगुजा संभाग में 893 पदों पर भर्ती की जा रही है। रायगढ़ में भर्ती प्रक्रिया कल (शनिवार) 16 नवंबर से 24 दिसंबर तक चलेगी। यहां करीब 70 हजार अभ्यर्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे। 2013 के बाद यह भर्ती परीक्षा हो रही है।

वहीं सरगुजा संभाग के सिलफिली बटालियन परिसर में भी कल (शनिवार) 16 नवंबर से भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। आरक्षकों के 769 पद भरे जाएंगे। इसके लिए 82 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। एएसपी आकाश मरकाम ने बताया कि रायगढ़ के उर्दना पुलिस ग्राउंड में तैयारियां की जा रही हैं। यहां रायगढ़, सक्ती, जांजगीर चांपा और सारंगढ़ के अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। इस दौरान लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, 100 मीटर और 800 मीटर दौड़ का आयोजन होगा। सबसे ज्यादा आवेदन सारंगढ़ से हैं। रायगढ़ से 15 हजार, सारंगढ़ से 34 हजार, जांजगीर चांपा से 5500, सक्ती से 15300 आवेदन आए हैं। शारीरिक दक्षता की परीक्षा सुबह 6 बजे से शुरू हो जाएगी। भर्ती प्रक्रिया में पूरी तरह पारदर्शिता के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। वहीं बिलासपुर केंद्र में बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा, गौरेला पेंड्रा मरवाही के अभ्यर्थी शामिल होंगे। भर्ती प्रक्रिया 16 नवंबर से 10 जनवरी 2025 तक चलेगी।

बताया जा रहा है कि शारीरिक दक्षता की परीक्षा के 5 इवेंट 100 अंक के होंगे। इसमें पुरुष वर्ग में लंबी कूद के लिए 5 मीटर 50 सेमी या उससे अधिक के लिए 20 अंक दिया जाएगा।

भाजपा पूंजीपतियों की पार्टी, देवघर में बोले तेजस्वी यादव

भाजपा के लिए महंगाई अब डायन नहीं, महबूबा हो गई है

देवघर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देवघर विधानसभा के राजद प्रत्याशी सुरेश पासवान के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए बिहार विधानसभा के प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव देवघर पहुंचे। रिखिया के सोनवा डंगाल में तेजस्वी यादव ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दो धाराओं के बीच चुनाव है। हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया। लालूजी को परेशान किया गया। भाजपा केवल पूंजीपतियों की पार्टी है। राज्य सरकार ने बिजली बिल माफ किया। एक वोट से बिल माफ और खाते में मंईयां सम्मान योजना का पैसा खटाखट आ रहा है। सरकार बनी तो गैस सिलेंडर 1200 से घटा कर 450 रुपए करेंगे। लड़ाने की बात करती है बीजेपी कहा कि भाजपा सबको लड़ाने की बात करती है। इनके

पास कोई मुद्दा नहीं है। हमलोग कलम और नौकरी बांटने का काम कर रहे हैं और भाजपा तलवार बांट रही है। भाजपा से हमलोग डरने वाले नहीं है। मुकदमा किया गया, जेल भेजा गया। लेकिन हमलोग लड़े और खड़े रहे। भाजपा की सरकार में महंगाई चरम पर है। लेकिन भाजपा के लिए महंगाई डायन नहीं अब महबूबा हो गई है। देश का सबसे झूठा पीएम मोदी होंगे। उन्हें झूठ बोलने में नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए। देवघर में भाजपा विधायक ने 10 साल तक काम नहीं किया। जनसभा को राष्ट्रीय जनता दल के झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, भोला यादव, राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा, पूर्व विधायक रामदेव यादव, पूर्व मंत्री ललित यादव, झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सुरेश शाह, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी ने संबोधित किया।

कोलियरी मजदूर यूनियनें हैं राजनीति की धुरी

यहां से नेता विधायक, सांसद और मंत्री भी बने, 6 में 5 सीटों पर 8 यूनियन नेता मैदान में

धनबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद में राजनीति की धुरी कोलियरी मजदूर यूनियनें रही हैं। ब्रिटिशकाल में कई कंपनियां कोयला खनन के लिए झरिया व धनबाद आई थीं। उस समय से ही मजदूर यूनियनों के इर्द-गिर्द ही राजनीतिक व्यवस्था चलती रही। यूनियन की राजनीति कर कई नेता विभिन्न पार्टियों में स्थापित हुए, सांसद, विधायक और मंत्री बने। 1970-80 के दशक में झारखंड आंदोलनकारी नेताओं एके राय और विनोद महतो ने भी मजदूर यूनियन की राजनीति को माध्यम बनाकर धनबाद कोयलांचल में अपनी पैठ कायम की। झरिया विस क्षेत्र में सूर्यदेव सिंह और निरसा में गुरुदास चटर्जी भी यूनियन की राजनीति से ही स्थापित हुए। साल 2024 के विधानसभा चुनाव में जिले के 6 में 5 विधानसभा क्षेत्रों में 8 यूनियन नेता चुनाव मैदान में खड़े हैं। झरिया, निरसा और बाघमारा विधानसभा क्षेत्रों में तो एनडीए और इंडिया, दोनों गठबंधनों में यूनियन नेताओं के बीच ही मुख्य मुकाबला है। इन नेताओं की चुनाव में कड़ी परीक्षा है। जिले में सिर्फ सिंदरी विधानसभा सीट में ही दोनों प्रमुख प्रत्याशी किसी मजदूर यूनियन से जुड़े नहीं हैं। भाजपा की अपर्णा सेनगुप्ता व भाकपा के अरुप चटर्जी में मुख्य मुकाबला है। अपर्णा जनता मजदूर संघ (कुंती गुट) से जुड़ी हैं। इससे पहले फॉब्ला में रहते हुए सीटू में थीं। भाजपा में आने के बाद संघ से जुड़ीं। अरुप बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के महामंत्री हैं। इसका गठन एके राय व बिनोद बिहारी महतो ने 1970 के दशक में किया था। झरिया में दो यूनियन नेत्रियों के बीच मुकाबला है। कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) की अध्यक्ष हैं। पूर्व मंत्री बच्चा सिंह के निधन के बाद यूनियन की अध्यक्ष बनीं। वहीं, भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह जनता श्रमिक संघ की महामंत्री हैं। वे सूर्यदेव सिंह और पूर्व विधायक कुंती सिंह की बहू हैं। भाजपा के शत्रुघ्न महतो और कांग्रेस के जलेश्वर महतो आमने-सामने हैं।

जमशेदपुर पड़ोसी ने घर में घुसकर मारी गोली, मौत

ग्राहक के लिए हुआ था विवाद, पत्नी ने कहा-आरोपी कुछ युवकों के साथ घुसा था घर में

जमशेदपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के परसुडीह के छोलगोड़ा निवासी अभिषेक हेंब्रम (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना गुरुवार देर शाम की है। घटना के बाद मृतक की पत्नी ने पड़ोसियों की मदद से अभिषेक को टीएमएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। हत्या का आरोप मृतक के पड़ोसी पर ही लगा है।

इधर, सूचना पाकर डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर तौकीर आलम और थाना प्रभारी फैज अहमद भी टीएमएच पहुंचे और घटना की जानकारी ली। डीएसपी तौकीर आलम ने बताया कि पत्नी ने हत्या का आरोप पड़ोसी रौशन हेंब्रम पर लगाया है। पत्नी के अनुसार, अभिषेक घर पर थे। इसी बीच रौशन के साथ भोला और अन्य युवक पहुंचे और अभिषेक के साथ उलझने लगे। इसी बीच रौशन ने अभिषेक को गोली मार दी। मृतक की पत्नी ने बताया कि अभिषेक राशन दुकान चलाते थे। पड़ोस में रहने वाले रौशन की भी राशन दुकान है। एक माह पूर्व दोनों के बीच ग्राहक को लेकर विवाद भी हुआ था। हालांकि, दोनों ने आपस में समझौता भी कर लिया था। पर इसके बाद भी अभिषेक की हत्या कर दी गई।

कबाड़ी के ठिकाने पर रेड, 4 टन कबाड़ जब्त

बिलासपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कबाड़ दुकान संचालक एसपी से सेटिंग होने का धौंस दिखाकर छोटे कबाड़ दुकानों से अवैध रूप से लोहे का सामान खरीद रहा था। गुरुवार को पुलिस ने दबिश देकर उसकी मेटाडोर को जब्त कर लिया। चोरी की आशंका पर 4 टन कबाड़ बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 93 हजार है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, सरकंडा पुलिस को पिछले काफी समय से सूचना मिल रही थी कि चांटीडीह निवासी संतोष रजक पिता इतवारी रजक अपनी दुकान में अवैध कबाड़ का सामान, बाइक के पार्ट्स और चोरी के लोहे के कबाड़ की बड़े पैमाने पर खरीदी करता है।

श्रीलंका संसदीय चुनाव-राष्ट्रपति दिसानायके के गठबंधन की जीत

141 सीटों पर जीत हासिल की, 61% वोट मिले, बहुमत के लिए 113 सीटें जरूरी

कोलंबो, 15 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन एनपीपी की जीत हुई है। सभी सीटों के नतीजों सामने आ चुके हैं। एनपीपी ने जिलों के आधार पर तय होने वाली 196 सीटों में से 141 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। नतीजों के मुताबिक एनपीपी को 61% यानी 68 लाख वोट मिले हैं। दूसरे स्थान पर 18% वोट और 35 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी एसजेबी पार्टी मौजूद है। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के समर्थन वाले नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को 5% वोट और 3 सीटें ही मिली हैं। वहीं श्रीलंका की राजनीति में दबदबा रखने वाले राजपक्षे परिवार की श्रीलंका पीपल्स फ्रंट (एसएलपीपी) पार्टी 2 सीटों के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। एनपीपी ने तमिल जिले जाफना में भी जीत हासिल की है। यहां एनपीपी को 6 में 3 सीटों पर जीत मिली है। एनपीपी

की जीत से पारंपरिक तमिल दलों को बड़ा झटका लगा है। संसदीय चुनाव के लिए गुरुवार, 14 नवंबर को वोटिंग हुई थी।

श्रीलंका की संसद में 225 सीटे हैं। बहुमत के लिए 113 का आंकड़ा जरूरी है। राष्ट्रपति दिसानायके के लिए इस चुनाव में बहुमत हासिल करना बेहद जरूरी है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद ही राष्ट्रपति दिसानायके सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों को लागू कर सकते हैं।

पिछली बार दिसानायके की पार्टी को सिर्फ 3 सीटें मिली थी। श्रीलंका में आखिरी बार अगस्त 2020 में संसदीय चुनाव हुए थे।

ऐसे में नए चुनाव अगले साल होने थे लेकिन इसी साल सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद को भंग कर दिया था। इसके बाद संसदीय चुनाव का ऐलान किया गया था। 2020 में हुए चुनावों के नतीजे कुछ इस प्रकार थे-

श्रीलंकाई चुनाव आयोग के मुताबिक 8,821 प्रत्याशियों ने संसदीय चुनाव में किस्मत आजमाई है। मतदाता आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत 22 निर्वाचन क्षेत्रों से संसद के लिए 196 सदस्यों का सीधे चुनाव करते हैं।

बाकी 29 सीटें आनुपातिक वोट के मुताबिक बांटी जाती हैं। चुनाव में जिस पार्टी को जितने वोट मिलेंगे, उसके मुताबिक ही उसे 29 सीटों में हिस्सा मिलता है। एक वोटर प्राथमिकता के आधार पर 3 प्रत्याशियों को वोट दे सकते हैं।

अलजजीरा के मुताबिक राष्ट्रपति दिसानायके का मानना है कि देश की शक्ति काफी हद तक 'कार्यकारी राष्ट्रपति' के अधीन है। वे इस पावर को कम करने का वादा लेकर चुनाव में उतरे थे, लेकिन उन्हें संविधान में बदलाव की जरूरत होगी। उन्हें इसके लिए दो-तिहाई सीटें चाहिए। दिसानायके ने संसदीय चुनाव में जनता से इतनी सीटें जिताने की अपील की थी।

श्रीलंका में कार्यकारी राष्ट्रपति पद पहली बार 1978 में अस्तित्व में आया था। इसके बाद से ही इसकी आलोचना होती रही है, लेकिन सत्ता में आने के बाद अब तक किसी भी दल ने इसकी ताकत को खत्म करने की कोशिश नहीं की है। दिसानायके ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और रानिल विक्रमसिंघे के दौर में आईएमएफ के साथ हुई डील में सुधार करने का वादा किया है।

ईरानी राजदूत से मिले इलॉन मस्क

ट्रम्प की तरफ से की बात, डिप्लोमैट ने टेस्ला चीफ से कहा- ईरान में बिजनेस करने आएं

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। टेस्ला चीफ इलॉन मस्क ने संयुक्त राष्ट्र में ईरान के डिप्लोमैट आमिर सईद इरावानी से सोमवार को किसी गुप्त जगह पर मुलाकात की। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक दोनों ने ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम करने के तरीकों पर चर्चा की। ईरान से जुड़े दो सूत्रों ने एनवाईटी को बताया कि मस्क ने इस मीटिंग के लिए पहल की थी, वहीं ईरानी डिप्लोमैट ने जगह का चयन किया था। दोनों पक्षों ने एक घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत की।

सूत्रों ने कहा कि ईरानी डिप्लोमैट बातचीत से खुश नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत के दौरान ईरानी डिप्लोमैट ने मस्क को सलाह दी कि उन्हें सरकार से छूट लेकर अपना कारोबार ईरान ले जाना चाहिए। ईरान और मस्क ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

न्यूजीलैंड की सबसे युवा सांसद क्यों हो गईं गुस्सा?

हाका डांस के साथ फाड़ दिया बिल, युद्धघोष में दर्शक भी हुए शामिल

वेलिंग्टन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की सबसे युवा सांसद हाना-राविती माईपी-क्लार्क जनवरी में देश की संसद में 'हाका वॉर क्राई' नृत्य करने के बाद वायरल हुई थीं। सांसद के रूप में शपथ लेने के बाद अपने पहले भाषण के दौरान राजनेता नाचने लगे और इसे माओरी संस्कृति के प्रति श्रद्धांजलि बताया। एक बार फिर वह अब वायरल हो गई हैं। उन्हें सदन के अंदर अपने पैर पटकते हुए, अपनी मुट्ठियां बांधते और गुस्से वाले चेहरे के भाव के साथ पारंपरिक हाका नृत्य का प्रदर्शन करते देखा गया है। इस बार उन्होंने 1840 की वेतांगी संधि से जुड़े एक विधेयक के विरोध में शक्तिशाली हाका नृत्य किया। इसमें दूसरे राजनेता भी शामिल हुए। हाना और उनकी पार्टी के सदस्यों का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना कथित तौर पर गुरुवार को हुई। हाना तब ब्रिटिश

क्राउन और माओरी लोगों के बीच 184 साल पुरानी संधि की व्याख्या में बदलाव की मांग वाले विधेयक के विरोध में खड़ी हुईं। उन्होंने बिल के कागज अपने हाथ में लिया और उसे फाड़ दिया। हाना ने जैसे ही पारंपरिक हाका डांस शुरू किया उनकी पार्टी के सदस्यों के साथ-साथ सार्वजनिक गैलरी में सदन की कार्यवादी देख रहे दर्शक भी इसमें शामिल हो गए। वह भी साथ-साथ डांस करने लगे। इसके बाद इस बिल पर वोटिंग को स्थगित कर दिया गया। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक बिल अगले वोट से पहले सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में आगे बढ़ेगा। हाना ब्रॉडकास्टर पोटाका माईपी की बेटी हैं। उनके दादा तैतिमु माईपी हैं, जिनकी सक्रियता ने 2020 में कैप्टन हैमिल्टन की प्रतिमा को हटाने में योगदान दिया।

उन्होंने अपनी शिक्षा न्यूजीलैंड में ही प्राप्त की है। 2023 के आम चुनाव में वह सांसद बनीं। वह वर्तमान में सबसे युवा सांसद हैं, जिनकी उम्र 22 साल है।

ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति कैनेडी के भतीजे को स्वास्थ्य-मंत्री बनाया

इस बार प्रेसिडेंट इलेक्शन भी लड़ा, वैक्सीन के विरोधी रहे

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी सरकार के अहम पदों पर नियुक्तियां कर रहे हैं। ट्रम्प ने गुरुवार को रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर को स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया है। उनके पास अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) की जिम्मेदारी होगी। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर, अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के भतीजे हैं। उनके पिता रॉबर्ट एफ कैनेडी अटॉर्नी जनरल रह चुके हैं। कैनेडी साफ जल की वकालत करने वाले दुनिया के सबसे बड़े समूह वाटरकीपर अलायंस के संस्थापक भी हैं।

कैनेडी को वैक्सीनेशन का विरोध करने वाले प्रमुख कार्यकर्ता के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने कोविड-19 के दौरान भी अमेरिका और दुनियाभर में हो रहे वैक्सीनेशन का विरोध किया था।

अगले स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर नियुक्त होने के बाद कैनेडी ने कहा कि हमारे पास पुरानी बीमारियों को खत्म करने का मौका है। मैं एचएचएस के 80 हजार से ज्यादा कर्मचारियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। कैनेडी ने ट्रम्प का धन्यवाद भी किया।

ट्रम्प ने कांग्रेस के पूर्व सदस्य डग कॉलिन्स को रिटायर्ड सैनिकों के मंत्रालय, वेटरन्स अफेयर्स (वीए) की जिम्मेदारी दी है। गुरुवार को दिए एक बयान में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें कॉलिन्स की क्षमता पर भरोसा है। वे पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को मजबूत आवाज बनेंगे।

डग कॉलिन्स खुद भी एक पूर्व सैनिक हैं। वे इराक में युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना का हिस्सा थे। वे फिलहाल यूएस एयरफोर्स की रिजर्व कमांड में एक चैपलिन के तौर पर काम कर रहे हैं। कॉलिन्स ने वीए सेक्रेटरी के तौर अपने नामांकन को स्वीकर कर लिया है।

ट्रम्प ने हिंदू नेता तुलसी गबार्ड को नेशनल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने बुधवार को बाइडेन से मुलाकात के बाद इसकी घोषणा की। तुलसी, ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद पद को संभालेंगी। वह अवरील हेन्स की जगह लेंगी। तुलसी गबार्ड (43) अमेरिका की पहली हिंदू सांसद रही हैं। गबार्ड ने 21 साल की उम्र में हवाई से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। वह 4 बार डेमोक्रेटिक पार्टी से सांसद रहीं। तुलसी को उनके नाम की वजह से कई बार भारतवंशी कहा जाता है। हालांकि, वे भारतवंशी नहीं हैं। वे खुद कई बार ऐसा कह चुकी हैं। तुलसी का जन्म एक समोअन अमेरिकी परिवार में हुआ था। उनके पिता कैथोलिक थे। मां भी ईसाई थीं, जिन्होंने बाद में हिंदू धर्म अपना लिया। तुलसी भी पहले ईसाई थीं, लेकिन बाद में हिंदू धर्म अपना लिया। तुलसी पहले बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता थी। उन्होंने पिछले महीने ही रिपब्लिकन पार्टी जॉइन की थी।

अनुराग बोले- झारखंड को लव जिहाद से मुक्ति की कामना

बाबा बैद्यनाथ में की पूजा-अर्चना, कहा- राज्य सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही

देवघर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार सुबह बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना की। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने मीडिया से बात की और कहा- भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड में जो रोग लगा है, उसे रोग से मुक्ति दिलाने के लिए बाबा बैद्यनाथ से प्रार्थना की है। यह रोग है-लैंड जिहाद और लव जिहाद का। जिसके माध्यम से आदिवासियों की जमीन और जनसंख्या दोनों का संतुलन बिगाड़ा जा रहा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा की 150 में जयंती है, जिन्होंने जल, जंगल, जमीन और झारखंड के आदिवासी समाज की आबरू के लिए अपना जीवन इस देश के लिए त्याग दिया। बांग्लादेशी घुसपैठिए के झारखंड की जल, जंगल, जमीन और नौकरी तक पर कब्जा कर रहे हैं। घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम सरकार कर रही है और उसका नेतृत्व कांग्रेस के हाथ में है।

बांग्लादेश- संविधान से धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने की मांग

अंतरिम सरकार के अटॉर्नी जनरल ने रखा प्रस्ताव मुजीबुर्रहमान का राष्ट्रपिता का दर्जा हटाने के लिए कहा

ढाका, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार संविधान से सेक्युलर शब्द हटा सकती है। अंतरिम सरकार में अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असाज्जमान ने बुधवार को इसके लिए हाईकोर्ट में प्रस्ताव रखा। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रस्ताव में संविधान से सेक्युलर (धर्मनिरपेक्ष) और सोशलिजम (समाजवाद) शब्द हटाने की मांग की गई।

इसके अलावा अटॉर्नी जनरल ने संविधान से आर्टिकल 7ए खत्म करने के लिए भी कहा है। इस आर्टिकल के तहत बांग्लादेश में गैर-संवैधानिक तरीके से सत्ता परिवर्तन करने पर मौत की सजा का प्रावधान है। साथ ही असाज्जमान ने कोर्ट से मुजीबुर्रहमान को बांग्लादेश के राष्ट्रपिता का दर्जा देने वाले प्रावधान को हटाने के लिए कहा है। दरअसल ढाका हाईकोर्ट में बुधवार को एक रिट याचिका पर सुनवाई हो रही थी। इस रिट याचिका को कई लोगों ने एक साथ मिलकर दायर किया था। इसमें शेख हसीना की सरकार द्वारा

2011 में किए गए 15वें संविधान संशोधन की वैधता को चुनौती दी गई थी।

कोर्ट बोला- अंतरिम सरकार अपना रुख साफ करे

अटॉर्नी जनरल के प्रस्तावों पर कोर्ट ने अंतरिम सरकार से अपना रुख साफ करने के लिए कहा है। इस पूरे मामले पर ढाका हाईकोर्ट की 2 जजों की बैंच सुनवाई कर रही थी। इस याचिका पर सुनवाई के लिए कई वकीलों ने खुद को पक्षकार बनाया। इनमें कई याचिका के समर्थन में कर रहे थे और कुछ इसका विरोध कर रहे थे। सुनवाई को दौरान कोर्ट में शेख मुजीबुर्रहमान पर बात करते हुए असाज्जमान ने कहा कि वे निश्चित तौर पर बांग्लादेश के निर्विवाद नेता थे, लेकिन अवामी लीग (शेख हसीना की पार्टी) ने उन्हें अपने हितों के लिए राजनीति में घसीटा। अगस्त में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद तत्कालीन अटॉर्नी जनरल को इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद असाज्जमान को अंतरिम सरकार में अटॉर्नी जनरल बनाया गया था। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने 2011 में 15वां संविधान संशोधन पारित किया था। इसके तहत संविधान में बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए थे। इसके तहत कई प्रावधानों को बहाल, संशोधित और हटाया गया था। इसमें कुछ प्रमुख प्रावधान ये थे- इसके तहत देश में धर्मनिरपेक्ष राज्य के सिद्धांत को बहाल किया गया था। इसे 1977 में जियाउर रहमान की सैन्य सरकार ने हटा दिया था। 1988 में हुसैन मोहम्मद के राष्ट्रपति रहते बांग्लादेश के इस्लामिक राज्य घोषित किया गया था। हालांकि 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने इस्लामिक राज्य बनाने के फैसले को गैर-संवैधानिक बताते हुए इसे खारिज कर दिया था। बाद में शेख हसीना सरकार ने 15वें संशोधन 2011 के जरिए इसे कानूनी जामा पहनाया था। 15 वें संशोधन के जरिए देश में चुनाव कराने के लिए कार्यवाहक सरकार बनाने के नियम को खत्म कर दिया गया था। इससे पहले चुनाव की निगरानी के लिए कार्यवाहक सरकार का नियम था। इसके अलावा इस संशोधन में मुजीबुर्रहमान को राष्ट्रपिता का दर्जा देने और गैर-संवैधानिक तरीकों से सत्ता हासिल करने पर मौत की सजा का प्रावधान भी शामिल हैं। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल ने गैर-संवैधानिक तरीकों से सत्ता हासिल करने के प्रावधान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह कानून लोकतांत्रिक बदलावों को सीमित करता है साथ ही हाल में सामने आए जनआक्रोश को भी नजरअंदाज करता है।

तबाही के मूड में किम जोंग

खतरनाक ड्रोन बनाने के दिए आदेश आखिर क्या है नॉर्थ कोरिया का प्लान?

सियोल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया अब आत्मघाती हमला करने वाले ड्रोनों का निर्माण करने जा रहा है। उत्तर कोरिया ने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने के मकसद से डिजाइन किए गए विस्फोटक ड्रोन का टेस्ट किया है। समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को उत्तर की राज्य मीडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने आत्मघाती हमलावर ड्रोन के प्रदर्शन परीक्षण का टेस्ट किया। जल्द ही बड़े पैमाने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन की आवश्यकता पर जोर दिया। केसीएनए का हवाला देते हुए उत्तर कोरिया ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ड्रोन का इस्तेमाल अलग-अलग स्ट्राइकिंग रेंज में किया जाएगा, ताकि जमीन और समुद्र में दुश्मन के किसी भी लक्ष्य पर सटीक हमला किया जा सके। इसके चित्रों में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि ड्रोन से बीएमडब्ल्यू सेडान और टैंकों के पुराने मॉडल को निशाना बनाया गया। किम ने हथियार विकसित करने की प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया और जल्द से जल्द एक श्रृंखला उत्पादन प्रणाली बनाने और बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की आवश्यकता पर बल दिया। किम ने बताया कि कैसे ड्रोन आधुनिक युद्ध में महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। केसीएनए ने किम के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि कई सैन्य गतिविधियों के लिए ड्रोन कम लागत पर बनाना आसान है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर पिछले महीने उत्तर कोरिया विरोधी पर्चे गिराने के लिए अपने ड्रोन भेजने का आरोप लगाया था और धमकी दी थी कि अगर दोबारा ऐसा किया गया तो वह बलपूर्वक जवाब देगा।

इजराइल की सीरिया पर एयर स्ट्राइक, 15 की मौत

16 लोग घायल, इजराइल बोला- उसने इस्लामिक जिहाद संगठन के ठिकानों को निशाना बनाया

सीरिया, 15 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने गुरुवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क और उसके पास के एक इलाके पर हवाई हमले किए। इनमें 15 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। सीरिया की सरकारी एजेंसी सना (एसएएनए) ने यह जानकारी दी। दमिश्क के माजेह इलाके और कुदसाया उपनगर में दो इमारतों पर हमला हुआ। माजेह में एक पांच मंजिला इमारत का बेसमेंट मिसाइल से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इजराइली सेना ने कहा कि उसने इस्लामिक जिहाद संगठन के ठिकानों को निशाना बनाया। सेना के मुताबिक, यह संगठन 7 अक्टूबर 2023 को हमास के साथ हुए हमलों में शामिल था, जिसमें 1,200 से ज्यादा इजरायली नागरिक मारे गए थे और 250 लोग बंधक बना लिए गए थे। लेबनान में भी इजरायली हवाई हमलों में अब तक 3,365 लोगों

की मौत हो चुकी है और 14,344 लोग घायल हुए हैं। इजरायली सेना ने कहा कि उसने पिछले एक हफ्ते में लेबनान में 300 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। हिजबुल्लाह ने सोमवार को इजराइल पर 165 से अधिक रॉकेट से हमला किया। इस हमले से इजराइल के उत्तरी शहर बिइना में एक बच्चे सहित 7 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा इस हमले में गैलिली शहर को भी निशाना बनाया गया। यहां 55 रॉकेट दागे गए थे। वहीं हिजबुल्लाह ने हाइफा शहर पर 90 रॉकेट दागे। इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के मुताबिक हिजबुल्लाह ने पहली बार में हाइफा पर 80 रॉकेट दागे थे। इनमें से ज्यादातर को हवा में ही मार गिराया था। वहीं दूसरी बार में 10 रॉकेट दागे गए। हाइफा पर हमले के कुछ घंटे बाद आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर्स को नष्ट कर दिया। लेबनान में 17 सितंबर को हिजबुल्लाह मेंबर्स के पेजर (कम्युनिकेशन डिवाइस) में हुए सीरियल ब्लास्ट की जिम्मेदारी इजराइल ने 54 दिन बाद ली है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रविवार को माना कि उन्होंने ही इजराइल की सुरक्षा को लेकर हमले की मंजूरी दी थी। नेतन्याहू के प्रवक्ता ओमर दोस्तरी ने न्यूज एजेंसी एएफपी से कहा- रविवार को हुई कैबिनेट बैठक में पीएम नेतन्याहू ने पुष्टि की कि उन्होंने ही लेबनान में पेजर अटैक के ऑर्डर दिए थे।

स्पेन में एक रिटायरमेंट होम में लगी भीषण आग

कम से कम 10 लोगों की मौत, राहत-बचाव कार्य जारी

मैड्रिड, 15 नवंबर (एजेंसियां)। स्पेन के विलाफ्रांका डेल एब्रो में एक रिटायरमेंट होम जार्डिन्स डी विलाफ्रांका में शुक्रवार को भयंकर आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय समयानुसार सुबह के पांच बजे आग लगी। आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कम से कम दो घंटे लगे। स्थानीय सरकार के प्रतिनिधि के अनुसार, अधिकारी यह पुष्टि करने में असमर्थ थे कि हताहत होने वाले सभी लोग रिटायरमेंट होम से ही थे या नहीं। बता दें कि रिटायरमेंट होम में 82 बुजुर्ग रहते हैं। इस हादसे में एक की हालत गंभीर है, जबकि अन्य का इलाज जारी है। घटना की जानकारी पाकर दमकल की गाड़ियों के साथ पुलिस और एंबुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंची।

मस्क के डोज डिपार्टमेंट ने वैकेंसी निकाली

हाई आईक्यू, सप्ताह में 80 घंटे से ज्यादा काम करने वालों की तलाश, सैलरी नहीं मिलेगी

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। टेस्ला चीफ इलॉन मस्क और बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी ने अमेरिका सरकार के नए डोज (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशिएंसी) डिपार्टमेंट के लिए भर्ती निकाली है। इसकी जानकारी सोशल मीडिया X पर दी गई है। डोज के ऑफिशियल X हैंडल से हुए पोस्ट में लिखा है कि डिपार्टमेंट को 'पार्ट टाइम आइडिया जनरेटर' की जरूरत नहीं है। वे सुपर हाई आईक्यू वाले लोगों को तलाश रहे हैं। वे ऐसे लोगों की तलाश कर रहे हैं जो हफ्ते में 80 घंटे से ज्यादा काम कर सकें। अगर किसी में ये खूबिया हैं तो वह डोज के मैसेज में अपना रिज्यूम भेज सकते हैं। हालांकि केवल वही लोग डोज को मैसेज भेज सकते हैं जिनके पास

X का वेरीफाइड अकाउंट है। अमेरिका में इसकी कीमत 8 डॉलर (675 रुपए) हर महीने है। सीवी भेजने वालों में से 1% टॉप उम्मीदवारों का रिव्यू मस्क और विवेक रामास्वामी करेंगे। पोस्ट में यह नहीं बताया गया है कि डोज में नौकरी के लिए आवेदक के पास अनुभव क्या होना चाहिए। हालांकि इसके साथ ही मस्क ने ये भी कहा है कि इस काम के लिए कोई पैसा भी नहीं दिया जाएगा। डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार चुनाव जीतने के बाद सरकार को सरकारी नौकरशाही को खत्म करने और सरकार के पैसे बचाने के लिए इस विभाग की शुरुआत की है। ट्रम्प ने कहा कि डोज डिपार्टमेंट 4 जुलाई 2026 तक काम करेगा। इस नई व्यवस्था से सरकारी पैसे की बर्बादी करने वाले लोगों में हड़कंप मच जाएगा। ट्रम्प ने सितंबर की शुरुआत में डोज के गठन का प्रस्ताव रखा था। इससे पहले उन्होंने अगस्त में कहा था कि अगर वे राष्ट्रपति बनते हैं तो मस्क को कैबिनेट में पद या फिर अपने प्रशासन में सलाहकार की भूमिका सौंपने पर विचार करेंगे। मस्क ने सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट को 'अमेरिका का आखिरी मौका' बताया है।

स्कूलों में बढ़ते दबाव, पारिवारिक समर्थन में गिरावट से जूझ रहे हैं किशोर

वाशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नए अध्ययन के अनुसार, यूरोपीय व मध्य एशिया क्षेत्र में स्थित देशों और कनाडा में किशोर आयु के बच्चों के लिए स्कूलों में दबाव बढ़ रहा है, जबकि उनके लिए परिवार व मित्रों के समर्थन में कमी आ रही है। 'स्कूली आयु के बच्चों में स्वास्थ्य व्यवहार' नामक यह सर्वेक्षण लगभग 44 देशों में 11, 13, और 15 वर्ष की आयु के करीब दो लाख 80 हजार युवाओं से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है।

यह रिपोर्ट, किशोरों के स्वास्थ्य-कल्याण पर बढ़ते संकट को उजागर करती है, जिससे लड़कियां और आर्थिक रूप से वंचित किशोर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। यूरोप में डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक

डॉक्टर हैंस क्लूगे ने कहा, आज के किशोर अपने सामाजिक परिवेश में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसका उनके स्वास्थ्य और भविष्य की सम्भावनाओं पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा, इस रिपोर्ट के निष्कर्ष, हमारे लिए एक चेतावनी की तरह हैं कि हमारे युवजन जिन हालात में बड़े हो रहे हैं, उन्हें सुधारने के लिए हमें तुरंत कार्रवाई करनी होगी। किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए परिवार और साथियों का समर्थन महत्वपूर्ण है, फिर भी रिपोर्ट में दोनों में चिंताजनक गिरावट देखने को मिली है। 2021 से 2022 के बीच, केवल 68 प्रतिशत किशोरों को अपने परिवारों से समर्थन महसूस हुआ, जबकि 2018 में यह आंकड़ा 73 प्रतिशत पर था। लड़कियों के लिए यह गिरावट और भी तेज़ थी। केवल 64 प्रतिशत ने मज़बूत पारिवारिक समर्थन महसूस किया, जबकि 2018 में यह संख्या 72 प्रतिशत थी।

सहपाठियों से समर्थन में भी तीन प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट, खासतौर पर बड़े किशोर वर्ग के बीच अधिक स्पष्ट थी, जो पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति अधिक सम्वेदनशील हैं।

रिपोर्ट दर्शाती है कि सामाजिक-आर्थिक स्थिति किशोरों के अनुभवों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें कम आय वाले किशोरों और संपन्न परिवारों के किशोरों के बीच 9 प्रतिशत का अंतर है।

पीएम ने वर्चुअल संबोधन में कहा- आदिवासियों की पढ़ाई कमाई और दवाई पर फोकस

जनजाति गौरव दिवस पर बांसवाड़ा पहुंचे सीएम भजनलाल शर्मा

बांसवाड़ा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भगवान बिरसा मुंडा के 150 जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर शुक्रवार को जनजातीय गौरव दिवस समारोह मनाया गया। मुख्य समारोह बिहार के जमुई में हुआ जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी ने शिरकत की और देशभर में 6600 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

जनजाति गौरव दिवस पर बांसवाड़ा में नवादि युगधारा प्रणेता समागम कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में शामिल होने मुख्यमंत्री बांसवाड़ा पहुंचे। बांसवाड़ा में मंच पर विशाल स्क्रीन लगाई गई। मुख्यमंत्री ने पीएम का संबोधन सुना।

कार्यक्रम में सीएम भजनलाल ने विभिन्न श्रेणियों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। गिना राम (आबूरोड) को खेती में नवाचार के लिए, धारियावद से संतोष कुमार मीणा को आत्मा योजना में जिला स्तरीय कृषि कार्यक्रम के तहत सम्मानित किया गया।

गीता बाई बारां जिला, संघर्ष कटारा बांसवाड़ा मत्स्य उत्पादन, टोंक से भूरी देवी मीणा,ममता मीणा हर्बल साबुन प्रतापगढ़, पाली से चंपा बाई घूमर महिला प्रोड्यूसर कंपनी, बारां से सूर्यकांत मीणा किराना चक्की उद्योग, उदयपुर से शारदा देवी उड़ान योजना में भूमिका, डूंगरपुर से सरस्वती परमार कपड़े की दुकान, शिक्षा के क्षेत्र में सिरोही से प्राध्यापक भेराराम, बांसवाड़ा से अवनी बामनिया आईएएस, बांसवाड़ा से मानसी डिंडोर आरएएस, बांसवाड़ा से ऋचा डामोर आरएएस, योगिता निनामा डूंगरपुर शिक्षा के क्षेत्र में काम के लिए सम्मानित किया गया। खेल जगत में प्रतापगढ़ से प्रतिलाल मीणा, बांसवाड़ा से हर्षित, यत्न निनामा आर्चरी में गोल्ड,डाली गमेती उदयपुर से, मोहनलाल गमेती डूंगरपुर को सम्मानित किया गया।

कला और संस्कृति के क्षेत्र में प्रभुलाल गमेती राजसमंद से, चंद्रिका परमार डूंगरपुर, उदयपुर से यशपाल बरांडा, डूंगरपुर से ललिता भगोरा, डूंगरपुर से सौरभ मनात डांस लोक नृत्य के लिए सम्मानित किया गया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंच पर पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर के सामने दीप जलाया। मंत्री बाबूलाल खराड़ी, पूर्व मंत्री महेंद्र जीत सिंह मालवीया, विधायक कैलाश मीणा, अध्यक्ष लाभचंद पटेल ने सीएम स्वागत किया।

कार्यक्रम में बजट घोषणा 2024-25 की क्रियान्विति स्वरूप सामुदायिक वनाधिकार गतिविधियों एवं वन प्रबंधन के लिए गोविन्द गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना की रूपरेखा का विमोचन, राजीविका सखियों को चेक वितरण किया गया।

महिला पुलिसकर्मी ने युवक को थप्पड़ जड़ा

कैलाश खेर के कॉन्सर्ट में धक्का-मुक्की; एएसपी के गनमैन की पिस्टल और कारतूस चोरी

अजमेर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल पुष्कर फेयर में बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर के कॉन्सर्ट के दौरान दर्शकों में बैठे युवक को महिला पुलिसकर्मी ने दो थप्पड़ जड़ दिए। इसका वीडियो सामने आया है। पुष्कर मेला मैदान में गुरुवार रात हुए कॉन्सर्ट में बड़ी संख्या में देश-विदेश से सैलानी पहुंचे थे। भीड़ के कारण धक्का-मुक्की भी हो गई। लोगों को काबू करने के लिए वहां तैनात पुलिसकर्मियों को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। भीड़-भाड़ के बीच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के गनमैन की पिस्टल और कारतूस चोरी हो गए। चोर का अब तक पता नहीं चला है। वहीं, शुक्रवार को पूर्णिमा महास्नान के साथ पुष्कर मेले का समापन हो गया।

लोगों का आरोप- पुलिसकर्मियों ने बिना पास दिलाई एंट्री

बॉलीवुड नाइट को लेकर प्रशासन ने वीआईपी और वीवीआईपी पास जारी किए थे। इस दौरान एंट्री गेट पर जमकर धक्का-मुक्की देखने को मिली। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का प्रयोग भी किया। पास के बाद भी लोग लंबे समय तक मेला मैदान के बाहर इंतजार करते रहे। लोगों का आरोप था कि पुलिसकर्मियों ने अपने परिचितों को बिना पास के दीवार कूदवा कर एंट्री दिलाई थी।

कार्यक्रम में महिला पुलिसकर्मी के एक व्यक्ति को थप्पड़ जड़ने के बारे में एडिशनल एसपी दीपक शर्मा और पुष्कर थाना प्रभारी घनश्याम भाटी से पूछा तो कोई जवाब नहीं दिया।

वीआईपी गेट से एंट्री के दौरान चोरी

अजमेर रेंज कार्यालय में तैनात एएसपी (सतर्कता) विजय सांखला के गनमैन (कॉन्स्टेबल) कचवाडा-दूदू निवासी सुरेश देवंदा (31) पुत्र छोटू राम जाट ने पुष्कर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया- 14 नवंबर की रात करीब 8:30 बजे पीएसओ ड्यूटी के साथ पुष्कर मेला मैदान के वीआईपी गेट से प्रवेश कर रहे थे।

भीड़-भाड़ के कारण धक्का-मुक्की हो रही थी। इस बीच पिस्टल 9 एमएम बट नंबर 271 बॉडी नंबर 18865229 और मैगजीन के 10 कारतूस किसी ने चुरा लिए। मैदान में अंदर जाने के करीब 15 मिनट बाद चोरी का पता चला।

पूर्णिमा महास्नान पर पहुंचे सोनू निगम

पुष्कर मेले का पूर्णिमा महास्नान के साथ आज समापन हो गया। श्रद्धालुओं ने स्नान करने के बाद पूजा-अर्चना की और पुरोहितों को दान-दक्षिणा दी। ब्रह्मा मंदिर के दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं।

भारतीय सेना के जवान को पुलिस ने पीटा

ओरण परिक्रमा के दौरान विवाद, एसपी बोले- महिला पुलिसकर्मी से की थी धक्का-मुक्की

बीकानेर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देशनोक (बीकानेर) में ओरण परिक्रमा के दौरान गुरुवार शाम भारतीय सेना के जवान के साथ पुलिस ने मारपीट की। सिर पर डंडों से जमकर वार किया। ये जवान शहीद रामस्वरूप कस्वां का बड़ा भाई है। रामस्वरूप कस्वां दो महीने पहले शहीद हुए थे। उन्हें शहीद का दर्जा दिलाने के लिए 3 दिन तक संघर्ष किया गया था। वहीं मारपीट मामले में रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर सीएम भजनलाल शर्मा से पुलिस के कृत्य पर संज्ञान लेने की मांग की।

भारतीय सेना का जवान गिरफ्तार

बीकानेर एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया- जवान श्रीराम कस्वां को गिरफ्तार किया गया है। ओरण यात्रा के दौरान पुलिस के साथ मारपीट और महिला पुलिसकर्मी के साथ धक्का-मुक्की की थी। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। वहीं जवान श्रीराम कस्वा ने भी परिवाद दिया है, जिसकी जांच की जा रही है।

देशनोक पुलिस ने श्रीराम के साथ मारपीट की। उसका सिर फोड़ दिया। बेनीवाल ने लिखा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी,बीकानेर जिले की पुलिस के कृत्य पर संज्ञान लीजिए। विगत दिनों शहीद हुए बीकानेर जिले के नोखा क्षेत्र के जवान रामस्वरूप जी कस्वा के भाई और भारतीय सेना के एक जवान श्रीराम के साथ देशनोक में पुलिस ने बेवजह मारपीट की है और डंडे से सिर फोड़ दिया!

मामले में एफआईआर दर्ज करवाने के लिए सेना का जवान देशनोक थाने में बैठा है लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। मामले में तत्काल प्रभाव से मुकदमा दर्ज करके दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। जो वीडियो बेनीवाल ने जारी किया है, उसमें श्रीराम बोल रहे हैं - ऐसे तो ये जान से ही मार देंगे। देशनोक थानाधिकारी सुमन शेखावत ने बताया- जेगला फांटे पर ओरण परिक्रमा की यातायात व्यवस्था की जा रही थी। इस दौरान श्रीराम कस्वां ने पुलिस कार्य में सहयोग नहीं किया। पुलिस से उलझ गए। इस दौरान दोनों पक्षों में विवाद हो गया। श्रीराम के सिर में चोट आई है। वहीं एक अन्य पुलिसकर्मी को भी चोट लगी है। शेखावत ने माना कि श्रीराम के ज्यादा चोट आई है।

महाराष्ट्र के बिजनेसमैन की कार का एक्सीडेंट

पत्नी-बच्चों सहित 4 की मौत, दोस्त की कार से जोधपुर घूमने गए थे

पाली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के बिजनेसमैन की कार का पाली में देर रात एक्सीडेंट हो गया। हादसे में बिजनेसमैन के साथ उसकी पत्नी और दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मवेशी को बचाने के प्रयास में तेज रफ्तार कार नेशनल हाईवे के किनारे पलट गई। एक्सीडेंट गुरुवार रात 9.30 बजे पाली के सांडेराव थाना क्षेत्र के केनपुरा गांव के पास हुआ।

कोल्हापुर के कलगंडी निवासी बाबूराव (47), पत्नी सारिका (38), बेटी साक्षी (19), बेटे संस्कार (17) व दो अन्य रिश्तेदारों चिन्मय (19) और प्रमोद जैन (40) के साथ राजस्थान घूमने आए थे। गुरुवार सुबह शिवगंज (सिरोही) से अपने परिचित की कार से जोधपुर घूमने गए थे। रात को शिवगंज लौटने के दौरान एक्सीडेंट हो गया। हादसे में चिन्मय और प्रमोद जैन गंभीर घायल हैं।

आधे घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस और पुलिस

जानकारी के अनुसार बाबूराव परिवार के साथ शिवगंज लौट रहे थे। कार उनका भतीजा चिन्मय ड्राइव कर रहा था। इस दौरान बिरामी टोल के पास एक मवेशी सामने आ गया और ड्राइवर ने कार हाईवे के नीचे उतार दी।

रफ्तार अधिक होने के कारण कार पलट गई और पेड़ से टकरा गई। अंधेरा होने के कारण घायलों को काफी देर तक मदद नहीं मिल सकी। एक्सीडेंट में बाबूराव, सारिका, संस्कार व साक्षी की मौके ही मौत हो गई। इनके शव सांडेराव हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए है। वहीं घायल प्रमोद का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है।

ज्वेलरी बिजनेस से जुडा था परिवार

सांडेराव थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह ने बताया कि जिस कार का एक्सीडेंट हुआ वो शिवगंज के ज्वेलरी बिजनेसमैन किशोर कुमार की है। किशोर और बाबूराव का भतीजा चिन्मय दोस्त हैं। इसलिए किशोर कुमार की कार से ही परिवार जोधपुर घूमने गया था। बाबूराव का परिवार भी कोल्हापुर में चांदी की ज्वेलरी बनाने के बिजनेस से जुड़ा है। वे बुधवार को ही राजस्थान आए थे।

स्कॉर्पियो की टक्कर से 2 भाइयों की मौत

एक की 6 महीने पहले ही हुई थी शादी; पुष्कर मेले में जाते समय हादसा

अजमेर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर के मदारपुरा निवासी 2 भाइयों की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों भाई स्कूटी पर सवार होकर पुष्कर मेले में जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ओवरटेक के चक्कर में उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसा होकरा फाटक के पास हुआ। हादसे में दोनों भाइयों की मौके पर मौत हो गई। लोगों ने स्कॉर्पियो के ड्राइवर को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को जेएलएन अस्पताल में रखवाया, जहां शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। स्कॉर्पियो को जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम करीब 6 बजे होकरा फाटक के निकट हादसे में स्कूटी सवार मदारपुरा निवासी भंवर सिंह के पुत्र 22 वर्षीय सूरज और 17 वर्षीय नीरज की मौत हो गई। दोनों भाई स्कूटी पर पुष्कर मेले में जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुष्कर की तरफ से आ रही स्कॉर्पियो ने एक अन्य वाहन को ओवरटेक के प्रयास में स्कूटी को टक्कर मारी थी। लोगों ने सूरज और नीरज को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दोनों भाइयों के हैं 5 बहनें, पूरे गांव में शोक

सूरज और नीरज के 5 बहनें है। इनके पिता भंवरसिंह खेती बाड़ी का काम करते हैं। दोनों भाइयों की मौत से भंवरसिंह के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पूरे गांव में शोक व्याप्त हो गया है।

छह महीने पहले हुई थी शादी

हादसे के बाद एक साथ 2 परिवारों पर दुख का पहाड़ टूटा है।

सूरज की शादी करीब 6 महीने पहले काजीपुरा निवासी युवती से हुई थी, लेकिन गौना नहीं हुआ था। सूरज की पत्नी भी पढ़ाई कर रही है। हादसे से काजीपुरा स्थित सूरज के ससुराल में भी शोक व्याप्त हो गया। सूरज की पांचों बहनों की शादी हो चुकी है।

कोहरे के कारण कार-पिकअप में भिड़ंत, 22 घायल

राजस्थान में 17 नवंबर से सर्दी तेज होने के आसार; माउंट आबू में पारा 10 डिग्री से नीचे

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण राजस्थान में सर्दी बढ़ गई है। श्रीगंगानगर में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी कम होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हुई। अनूपगढ़ में कोहरे के कारण पिकअप और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में 22 लोग घायल हो गए। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने राज्य में शुक्रवार और शनिवार को कोहरा छाने की आशंका जताते हुए तीन जिलों (हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और चूरू) के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 17 नवंबर के बाद से राजस्थान में सर्दी तेज होने की संभावना जताई है।

मौसम विशेषज्ञों ने बताया- उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के एरिया में लगातार दो बैक टू बैक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने से वहां बारिश के साथ बर्फबारी शुरू हो गई। इस सिस्टम के प्रभाव से हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हिस्सों में कोहरा छाने लगा है। राजस्थान में भी पिछले दो दिन से कोहरा देखने को मिल रहा है। अनूपगढ़ जिले के पतरोड़ा गांव के पास नेशनल हाईवे 911 पर शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे कोहरे के कारण मजदूरों से भरी पिकअप और कार की टक्कर हो गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पिकअप पलटी खा गई। पिकअप में सवार 20 और कार में सवार दो लोग घायल हो गए।

हादसे की सूचना पर अनूपगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस और निजी वाहनों से घायलों को अनूपगढ़ व घड़साना के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। हादसे में सास-बहू की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल से हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। कार अनूपगढ़ से घड़साना की ओर जबकि पिकअप घड़साना से अनूपगढ़ की ओर जा रही थी।

इससे पहले, गुरुवार को माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इस सीजन में पहली बार किसी भी शहर का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया है।

राजस्थान में पहली बार सभी शहरों का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। राज्य में रात के साथ अब दिन के तापमान में भी गिरावट आने लगी है। इससे लोगों को दोपहर में मौसम सुहावना लगने लगा है।

कल (गुरुवार) सभी शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

सबसे ज्यादा तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज हुआ।

महिला ने पीहर में पति पर चाकू से वार किया

पेट में घाव लगने से इलाज के दौरान मौत 10 महीने पहले हुई थी शादी

कोटा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पारिवारिक झगड़े में एक महिला ने अपने पति पर चाकू से हमला कर दिया। घटना शुक्रवार 8 नवंबर की है। पेट में गम्भीर घाव लगने से देर रात एमबीएस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान युवक की मौत गई। युवक शाहरुख (30) विज्ञाननगर छत्रपुरा तालाब का रहने वाला था। लोडिंग ऑटो चलाता था। 10 महीने पहले ही उसकी शादी पड़ोस में रहने वाली नाजमीन से हुई थी। युवक के परिजनों ने महिला व उसके पीहर वालों के खिलाफ थाने में शिकायत दी है।

भाई शानू ने बताया कि शादी के बाद से ही शाहरुख अपने ससुराल में रह रहा था। शाहरुख के दो महीने का बेटा है। उसकी पत्नी व सास नजमुन उसे हमारे घर नही जाने देती थी। 8 नवंबर की शाम 7 बजे करीब शाहरुख घर आया। उसका चेहरा लटका हुआ था। पहले तो पूछने पर भी उसने कुछ नहीं बताया। बाद में उसने कहा कि दोपहर 4 बजे करीब उसकी पत्नी नाजमीन व सास ने मिलकर उसके पेट पर चाकू से हमला कर दिया। हॉस्पिटल ले जाने के बजाय पेट पर पट्टी बांध दी। शाहरूख की हालत गम्भीर थी। उसे तुरंत हॉस्पिटल लेकर आए। तब से उसके इलाज चल रहा था। उसका ऑपरेशन भी हुआ। देर रात साढ़े 10 बजे उसकी मौत हो गई।

शानू ने बताया कि 8 नवंबर की दोपहर को शाहरुख के बेटे को छोड़ने उसके ससुराल गया था। तब किसी ने भी घटना के बारें में नहीं बताया। घटना का पता शाम को लगा। शाहरूख ने पूछने पर भी चाकू से हमला करने के कारणों के बारें में नहीं बताया। वैसे शनिवार 9 नवंबर को थाने में शिकायत दे दी थी।

विज्ञाननगर थाना सीआई पुष्पेंद्र ने बताया पारिवारिक झगड़े में पत्नी नाजमीन ने अपने पति शाहरुख पर घरेलू चाकू से हमला किया था। पिछले एक सप्ताह से शाहरुख का इलाज चल रहा था। देर रात उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज किया है। झगड़ा किस बात को लेकर हुआ इस बारें में जांच की जा रही है।

शादी समारोह से 7 लाख की चोरी

मेहमान बनकर आए नाबालिग समेत 2 युवक पैसों से भरा बैग लेकर कार से फरार

बालोतरा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बालोतरा में एक नाबालिग समेत 2 लोग शादी में मेहमान बनकर समारोह के अंदर घुसे और चंद मिनटों में करीब 7 लाख रुपए से भरा बैग लेकर फरार हो गए। मामला जसोल थाना इलाके में नाकोड़ा रोड स्थित एक रिसॉर्ट में गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे का है। पूरी घटना रिसॉर्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

बैग पास में रख पूजा कर रहे थे

पीड़ित दूल्हा पक्ष का है। शेरगढ़ (जोधपुर) निवासी कमल किशोर टावरी ने बताया- मैं भतीजे की शादी में आया था। 13 नवंबर को उसकी शादी हुई थी। 14 नवंबर को दूल्हा-दुल्हन के स्वागत का कार्यक्रम चल रहा था। मेरी पत्नी ने रुपए से भरा बैग अपने पास में रखा और पूजन कार्यक्रम में शामिल हो गई। इस दौरान एक नाबालिग आया और स्टेज के पास एक महिला के करीब आकर बैठ गया। इस बीच मौका पाकर वह 7 लाख रुपए से भरा बैग लेकर फरार हो गया। रिसॉर्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया तो इसके फुटेज में नाबालिग एक युवक के साथ कार में बैठ कर जाता नजर आया। इसके बाद घटना की सूचना जसोल पुलिस थाने को दी। थानाधिकारी चंद्रसिंह ने बताया- रिसॉर्ट में चोरी होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने रिसॉर्ट में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो उसमें एक नाबालिग साथी युवक के साथ बैग ले जाते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2 दिन के बच्चे को जबड़े में दबाकर लाया कुत्ता

खेत की बाड़ में झाड़ियों के बीच छोड़ा; रोने की आवाज सुन किसानों ने बचाया

जालोर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दो दिन के बच्चे को आवारा कुत्ता मुंह में दबाकर एक खेत में ले आया। कुत्ते ने बच्चे को खेत की बाड़ में झाड़ियों के बीच मिट्टी में छोड़ दिया। वहां काम कर रहे किसानों ने बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो मौके पर इकट्ठे हो गए। किसानों ने कुत्ते को भगाया और बच्चे को संभाला। बच्चा मिट्टी में उल्टे मुंह पड़ा था। वह पूरी तरह मिट्टी से सना था। मामला जालोर जिले के भाद्राजून थाना इलाके के वलदरा गांव का है।

मिट्टी में उल्टे मुंह पड़ा था बच्चा

भाद्राजून थाना इंचार्ज प्रेमाराम ने बताया- वलदरा गांव का किसान सताराम मीणा गुरुवार सुबह 11 बजे अपने खेत में काम कर रहा था। इस दौरान एक कुत्ता मुंह में एक बच्चे को दबाकर लाया और खेत की बाड़ (दीवार) के बीच झाड़ियों में बच्चे को छोड़ दिया। बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो सताराम ने आसपास काम कर रहे दूसरे किसानों को आवाज दी। सभी लोग मौके पर जुटे। उन्होंने बाड़ के अंदर देखा तो मिट्टी से सना बच्चा उल्टे मुंह पड़ा नजर आया। किसानों ने वहां घूम रहे कुत्ते को भगाया और फिर बच्चे को संभाला। बच्चे की सांसें चल रही थी।

इस दौरान एक किसान ने घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो 1 मिनट 28 सेकेंड का है। वीडियो में किसान कहता है- ये देखो जीवित बच्चे को कुत्ता लेकर जा रहा था। हमने कुत्ते से छुड़वाया है। यह बच्चा जी रहा है। इस दौरान एक व्यक्ति बाड़ में अंदर घुसता है और उल्टे पड़े बच्चे को उठाता है। हाथ में लेते ही बच्चा रोने लगता है। लोग कहते हैं कि बच्चा रो रहा है। जिंदा बच्चा मिला है। वीडियो बना रहा व्यक्ति कपड़ा लाने को कहता है। इसके बाद कपड़ा लाकर बच्चे का चेहरा पोंछते हैं।

बुजुर्ग ने हाथों पर लिया, चेहरे से हटाई मिट्टी

एक बुजुर्ग उसे अपने हाथों पर ले लेता है। इसके बाद आवाज आती है- बच्चे को हॉस्पिटल ले जाओ। इसके बाद किसान सताराम और अन्य ग्रामीण बच्चे को लेकर दोपहर 12 बजे भूती पीएचसी पहुंचे। वहां डॉक्टर ने बच्चे का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे जालोर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के एमसीएच सेंटर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. बाबूलाल चौधरी ने बच्चे का इलाज किया।

डॉक्टर ने कहा- बच्चा एक से दो दिन का, अब बेहतर

डॉ. बाबूलाल चौधरी ने बताया- ये बच्चा हमें दोपहर 2.30 बजे मिला। बच्चे के शरीर का तापमान कम था। उसे स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की समस्याएं थीं।

ग्रेजुएशन 2 साल में ही कर सकेंगे

यूजीसी अगले साल तक ला सकता है नई पॉलिसी, कमजोर स्टूडेंट्स कोर्स ड्यूरेशन को 5 साल तक बढ़ा सकेंगे

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। स्टूडेंट्स अगले एकेडमिक ईयर से ग्रेजुएशन में कोर्स ड्यूरेशन को घटा या बढ़ा सकेंगे। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ग्रेजुएशन 2025-26 एकेडमिक ईयर से ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी करने के लिए एक नए फ्लेक्सिबल अप्रोच पर काम कर रहा है। इसके तहत ग्रेजुएशन डिग्री जो 3 से 4 साल में होती है, उसे स्टूडेंट्स कमकर दो से ढाई साल में कर सकेंगे।

यह जानकारी यूजीसी चेयरमैन एम. जगदीश कुमार ने आईआईटी मद्रास के एक प्रोग्राम में गुरुवार को दी। आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामाकोटी ने इस पॉलिसी का सुझाव दिया था। इस पर यूजीसी लंबे समय से काम रहा है।

डिग्री के बीच ब्रेक भी ले सकते हैं स्टूडेंट्स :

इससे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत यूजीसी डिग्री के बीच में ब्रेक लेने का ऑप्शन भी स्टूडेंट्स के लिए ला चुका है। अगर कोई स्टूडेंट चाहे तो वह कोर्स से ब्रेक ले सकता है और बाद में वापस आकर इसे पूरा कर सकता है। इसे लेकर यूजीसी चेयरमैन ने कहा कि हमारा काम स्टूडेंट्स को क्रिटिकल थिंकर बनाना है। हम उन्हें ऐसा बनाना चाहते है जिससे वो देश के विकास में मदद कर सकें।

उन्होंने आगे कहा कि यूजीसी ने पहले ही कई एंट्रेंस और एग्जिट ऑप्शन दिए हैं, ताकि कमजोर स्टूडेंट्स ब्रेक ले सकें और अपनी पसंद के अनुसार सिलेबस पूरा कर सकें। हमारा उद्देश्य स्टूडेंट्स को ज्यादा फ्लेक्सिबल बनाएगा और ज्यादा मौके देगा।

इसके साथ ही जगदीश कुमार ने कहा कि 12-13 नवंबर को दिल्ली में हायर एजुकेशन की बैठक में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनसीपी 2020 की प्रोग्रेस को रिव्यू किया है और इसे लागू करने की बात कही है। पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों ने शिक्षा नीति का विरोध किया। इन राज्यों ने चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम शुरू किए। तमिलनाडु ने एनईपी को नहीं अपनाया था और इसके बजाय राज्य शिक्षा नीति का फॉर्मेट तैयार किया था। ऐसे में यह एक अच्छी शुरूआत होगी।

तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने सियोल की नदियों में आए बदलावों का पता लगाया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन दौरे के हिस्से के रूप में, तेलंगाना विधानमंडल के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के सियोल में हान नदी और चेओन्गगीचेओन धारा का दौरा किया। तेलंगाना विधान सभा के अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के अध्यक्ष जी सुखेंद्र रेड्डी, उपसभापति बंडा प्रकाश मुदिराज और विधानमंडल सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पता लगाया कि कैसे इन जल निकायों को प्रमुख शहरी स्थलों में बदल दिया गया। स्थानीय अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को हान नदी के उल्लेखनीय परिवर्तन के बारे में जानकारी दी। एक बार भारी प्रदूषित होने के बाद, नदी को दो दशक पहले दक्षिण कोरियाई सरकार द्वारा शुरू की गई एक व्यापक शुद्धिकरण प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। इस प्रयास ने, आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास और इसके आसपास के सौंदर्यीकरण के साथ मिलकर हान नदी को एक संपन्न पर्यटन स्थल में बदल दिया है।

इसी तरह, चेओन्ग्येचेओन नदी के किनारों पर आधुनिक बुनियादी ढांचे की स्थापना के बाद पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। स्थानीय निवासियों और व्यवसाय मालिकों ने तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल के साथ अंतर्दृष्टि साझा की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे इन पहलों ने क्षेत्र में आर्थिक और सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा दिया है। एक समानांतर रेखा खींचते हुए, अध्यक्ष प्रसाद कुमार ने टिप्पणी की कि हान नदी की पिछली स्थिति हैदराबाद की मूसी नदी की वर्तमान स्थिति से काफी मिलती जुलती थी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि तेलंगाना सरकार की चल रही मूसी नदी के पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण परियोजनाएं इसे उसी तरह एक प्राचीन नदी और हैदराबाद के लिए एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण में बदल देंगी।

दक्षिण कोरिया की यात्रा तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल के व्यापक अध्ययन दौरे का हिस्सा है, जो सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) सम्मेलन में उनकी भागीदारी के बाद हुआ था। दक्षिण कोरिया पहुंचने से पहले, प्रतिनिधिमंडल ने इन देशों में शहरी विकास और विधायी प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए न्यूजीलैंड और जापान का दौरा किया।

मुख्यमंत्री 19 को वारंगल का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी राज्य में सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रजा पालना विजयोत्सवलु के तहत 19 नवंबर को वारंगल का दौरा करेंगे। इस दौरान वे कालोजी कलाक्षेत्रम का उद्घाटन करेंगे और कई विकास योजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री स्वयं सहायता समूहों से बातचीत करेंगे, परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे और आर्ट्स कॉलेज मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के वारंगल दौरे के लिए किए जाने वाले प्रबंधों की समीक्षा के लिए आज सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बंदोबस्ती और वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और मुख्य सचिव शांति कुमारी के साथ अधिकारियों के साथ रूट मैप, डायस व्यवस्था, पार्किंग और अन्य लॉजिस्टिक मुद्दों पर चर्चा की। बंदोबस्ती और वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों से पार्किंग की उचित व्यवस्था करने को कहा ताकि महिलाओं को लंबी दूरी तक पैदल न चलना पड़े।

एक शाम गौमाता के नाम जागरण 17 को

हैदराबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कोरेमुला स्थित श्री आईमाता बडेर में रक्षक हिन्दु युवा फोर्स हैदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में गौसेवार्थ एक शाम गौमाता के नाम विशाल जागरण रविवार 17 नवंबर रात्रि 9.15 बजे से गौमाता की तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप प्रज्वलन व ज्योत जलाकर जागरण का आयोजन किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष सी.आर.कुमावत, महामंत्री दीपक जकिया ने संयुक्त रूप से बताया कि भाग्यनगर की धन्य धरा पर गौसेवार्थ एक शाम गौमाता के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। गणेश वंदना के साथ सहायक गायकार ओमप्रकाश कुमावत निमाज एवं मुख्य भजन सम्राट गौभक्त डॉ. ओमजी मुंडेल डिगरना, राजस्थानी अंदाज में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि गौशामहल विधायक टी. राजासिंह, सम्मानित अतिथि एवं गौभक्त उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए रात्रि 8.15 बजे से 11.15 बजे तक भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। जागरण में गौभक्तों द्वारा की गयी दान-पुण्य राशी रक्षक हिन्दु युवा फोर्स गौ चिकित्सालय में गौसेवार्थ दी जायेगी।

कार्यक्रम में रक्षक हिन्दू युवा फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण कुमावत, संरक्षक सोनाराम तिलायचा, अध्यक्ष सी.आर.कुमावत, उपाध्यक्ष दिनेश बाकरेचा, राजुराम माणणीया, कोषाध्यक्ष चम्पालाल खेड़ावत, महामंत्री दीपक जकिया, मंत्री हरीश मावर, सचिव रमेश घोड़ावड़, सहसचिव सुनिल घोड़ावड़, प्रचार मंत्री सूरज माणणीया, चेनाराम दुबलदिया, सुरेन्द्र अडाणीया, सलाहकार नेमीचन्द मावर, प्रभारी दुदाराम गोयल व कार्यकारिणी मेम्बर पधारे गौभक्तों की सेवार्थी उपस्थित रहेंगे। समाज बन्धुओं व गौभक्तों से निवेदन है गौसेवार्थ भव्य जागरण में सपरिवार, इष्टमित्रों सहित समय पर पधारकर, दान-पुण्यकर लाभ लेवे।

निर्दोष लोगों को फंसा रही सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के भाई तिरुपति रेड्डी प्रस्तावित निजी फार्मा कंपनी के लिए किसानों और आदिवासियों की जमीन जबरन अधिग्रहित करने के लिए लागाचेरला में आतंक का राज चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिरुपति रेड्डी के साथ मिलीभगत करके पुलिस ने जिला अधिकारियों पर कथित हमले के लिए बीआरएस को दोषी ठहराने के लिए निर्दोष ग्रामीणों को फंसाया।

शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए 16 ग्रामीणों से मिलने के बाद संगारेड्डी जेल के बाहर बोलते हुए रामाराव ने कहा कि ये गिरफ्तारियां असहमति को दबाने के लिए राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों को सिर्फ़ बीआरएस का समर्थन करने के लिए गिरफ़्तार किया जा रहा है। पुलिस, तिरुपति रेड्डी और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के साथ मिलीभगत करके, ग्रामीणों और उनके परिवारों को उनके खिलाफ़ बोलने पर हिंसा की धमकी दे रही है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने ग्राम पंचायत सचिव राघवेंद्र यादव और एक अन्य आईटीआई छात्र सहित कुछ खास मामलों की ओर इशारा किया, जिसमें कथित हमले के दौरान उनकी अनुपस्थिति को नजरअंदाज किया गया। पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ और वी श्रीनिवास गौड़, विधायक चिंता प्रभाकर, माणिक राव, केपी विवेकानंद, अनिल जादव, एमएलसी शंबीपुर राजू, नवीन कुमार रेड्डी और वरिष्ठ बीआरएस नेताओं ने भी पीड़ितों से मुलाकात की।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 का दुसरा चरण कल

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी फ्रेन्डस् क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के 7वें संस्करण तथा महिला वर्ग के खेलों का दूसरा चरण रविवार 17 नवंबर को सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद एवं श्रेष्ठा क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद में आयोजित किया जाएगा। फ्रेन्डस् क्लब के सुरेश सैंणचा ने बताया कि समाज प्रीमियर लीग-7 का तथा इस प्रतियोगिता के साथ महिला वर्ग के खेलों का बैडमिंटन खेल 17 नवंबर को प्रातः 7.15 को मुख्य प्रायोजक वंडर वाल पुट्टी की टीम तथा मुख्य अतिथियों द्वारा किया जायेगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 18 टीमें भाग लेंगी। जिसमें आईजी बिरमगुड़ा, करमनघाट, एल बी नगर, नागोल वेरिस, संगारेड्डी, शमशाबाद, मेडचल, जिडिमिटला, कापरा किंग्स, रामनगर, ऑल विन 11, बालनगर, सिकंदराबाद, आईजी फ्रेंड्स कलब, आईजी गुट्टा 11, हायतनगर, कुकटपल्ली, सैनिकपुरी, टीएमजी टाइटन्स क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ साथ महिला वर्ग के बेडमिंटन खेल शामिल होंगे।

चिकन बिरयानी खाने के बाद युवक बीमार

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में खाने-पीने की दुकानों पर बासी खाना परोसने का एक और मामला सामने आया है। शुक्रवार को नेरेडमेट के ग्रीन बावर्ची होटल में चिकन बिरयानी खाने के बाद 23 वर्षीय एक युवक बीमार पड़ गया और उसे मलकाजगिरी के एरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवक को गंभीर उल्टी, दस्त और बुखार के साथ भर्ती कराया गया था और उसका इलाज चल रहा है।

एक सतर्क नेटिजन ने जब युवक की परेशानी देखी तो उसने तुरंत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डॉक्टर के पर्चे के साथ उसकी तस्वीरें पोस्ट कर दीं।

नेटिजन ने पोस्ट किया कि 14 नवंबर की देर शाम नेरेडमेट के ग्रीन बावर्ची में चिकन बिरयानी खाने के बाद, लड़के को उल्टी, दस्त और पेट में तेज़ दर्द होने लगा। यह स्पष्ट रूप से फ़ूड पॉइज़निंग का मामला है। तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा आयुक्त और जीएचएमसी आयुक्त से अनुरोध है कि कृपया कड़ी कार्रवाई करें। इसके अलावा, ऐसे स्थानीय भोजनालयों के खिलाफ़ ऐसी कई शिकायतें नियमित रूप से दर्ज की जाती हैं। मलकाजगिरी निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खाद्य सुरक्षा निरीक्षण की आवश्यकता बढ़ रही है। पोस्ट के बाद, जीएचएमसी ने अपने एक्स हैंडल के माध्यम से जवाब दिया कि प्रिय नागरिक, संबंधित खाद्य सुरक्षा टीम को इस मुद्दे पर सतर्क कर दिया गया है और इसे जल्द से जल्द हल किया जाएगा।

दुर्घटनाओं में ट्रक चालक समेत 5 घायल

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को शहर में अलग-अलग सड़क हादसों में कम से कम 5 लोग घायल हो गए। पहली घटना में 4 लोग घायल हो गए जब कार अनियंत्रित होकर नचाराम के मल्लापुर में पलट गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। दूसरी घटना में, उप्पल बस डिपो पर एक ट्रक के एलिवेटेड कॉरिडोर के खंभे से टकराने से एक ट्रक चालक घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

ग्रेटर हैदराबाद के रियल इस्टेट क्षेत्र में वैश्नोई ग्रुप का उत्तरोत्तर विकास

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमुख रियल इस्टेट कंपनी वैश्नोई ग्रुप संस्थापक व सीएमडी येलीशेला रवि प्रसाद ने कहा कि, वैश्नोई ग्रुप द्वारा शमशाबाद में वैश्नोई साउथवुड्स लॉन्च से यह ग्रैंड विल्ला प्राजेक्ट, दक्षिण हैदराबाद को शानदार मोड़ देने के लिए तैयार है।

इस संदर्भ में, वैश्नोई ग्रूप के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, रियल इस्टेट क्षेत्र में प्रमुख वैश्नोई ग्रुप ने शमशाबाद के ममीडिपल्ली में स्थित विशेष विल्ला समुदाय, वैश्नोई साउथवुड्स के शुभारंभ की घोषणा की है। इस भव्य आयोजन में 1,000 से अधिक विजिटर्स पहुंचे। जिसमें तत्संबंधित शुभारंभ के पहले दिन पर ही 50 से अधिक बुकिंग सुरक्षित की गईं, जो इस परियोजना की अपील और वैश्नोई ग्रुप की स्थायी विरासत का एक मजबूत प्रमाण है।

इस शुभावसर पर वैश्नोई साउथवुड्स के शुभारंभ पर, वैश्नोई ग्रुप संस्थापक एवं सीएमडी

येलिशला रवि प्रसाद ने कहा कि, 'शानदार' ढंग से जीवन जीने के हमारे दृष्टिकोण में, बेजोड स्थानों सहित मनोहर व लुभावने सौंदर्य का मिश्रण, दक्षिण हैदराबाद के रियल एस्टेट परिदृश्य को बदलने का लक्ष्य रखता है। जिसमें विशाल मकान निर्मित करने और समुदायों को पोषित करने की अग्रणी भावना और अटूट प्रतिबद्धता के साथ, क्वालिटी और विश्वास हेतु नए मानक स्थापित करना हमेशा जारी रखे हुए हैं। यह एक सचमुच स्पेक्टेकुलर प्रोजेक्ट या बेजोड परियोजना है जो वैश्नोई साउथवुड्स प्रीमियम गेटेड समुदाय है, जो 260 अल्ट्रा-शानदार विल्ला प्रदान करता है, जिसे आधुनिक सुविधाओं सहित विस्तृत हरित स्थानों को मिलाकर सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया। उपरोक्त विशाल विल्ला जो 43.29 एकड़ में बसा है एवं जिसमें विल्ला का आकार 300 से 550 वर्ग गज है तथा जो समुदाय निवासियों को निश्चय ही बेहतरीन ढंग से रहने का अनुभव प्रदान करेगा ही। साथ ही तत्संबंधित प्रत्येक विल्लाज में मिनी-थिएटर रूम, विस्तृत रहने का स्थान और 50 से अधिक विश्व स्तरीय सुविधाओं तक पहुंच जैसी अनूठी सुविधाएं होंगी, जिसमें गोल्फ़ टर्फ, सेंट्रल पार्क और पीसफुल वर्कस्टेशन के साथ बेजोड स्काई ब्रिज जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

जिसमें आधिकारिक सूत्रों ने यह भी बताया कि, वैश्नोई ग्रूप जो तत्संबंधित सीएमडी वाय. रविप्रसाद के नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में गत पैतीस वर्षों से रियल क्षेत्र से जुडी है तथा इस प्रमुख ग्रूप ने सफलतम ढंग से अबतक पच्चीस से अधिक परियोजनाएं पूरी की है तथा इस द्वारा विल्लाज व मकान निर्माण में क्वालिटी को प्रधानता दी है एवं इस ग्रूप के निदेशकों में ए. कृष्णारेड्डी, वाय. शरतचंद्र एवं वाय. हेमचंद्र शामिल हैं, जो उपरोक्त सीएमडी के कुशल मार्गदर्शन में कई परियोजनाओं को पूरा करने में पूरा सहयोग प्रदान करते हैं। इसके चलते यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि, वैश्नोई साउथवूड्स जो शानदार ढंग से जीने से लिए एक उत्तम माध्यम है।

इस विल्ला लॉन्च प्रोग्राम में 1000 से अधिक विजिटर्स शामिल हुए तथा जिसमें पहले दिन 50 से अधिक बुकिंग प्राप्त हुईं एवं 43.29 एकड़ में 260 विशिष्ट 4 और 5 बीएचके विल्ला जो बुकिंग किये हुए कस्टमर्स के लिए आगामी वर्ष के 2027 दिसंबर माह तक दखलकारी या पजेशन में होंगे। उपरोक्त विशाल विल्लाज जो ग्रेटर हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के समीप एक रणनीतिक स्थान व एक असाधारण स्थान साथ ही यह बेजोड विल्लाज स्थान राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकटता में रणनीतिक रूप से स्थित, वैश्नोई साउथवुड्स बाहरी रिंग रोड और पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्कूलों, व्यापार केंद्रों और प्रमुख शहर के क्षेत्रों के लिए बेजोड कनेक्टिविटी प्रदान करता है। यही नहीं यह असाधारण स्थान समझदार मकानों के खरीदारों और निवेशकों के लिए निश्चय ही आकर्षक विकल्प बनाता है।

बालानगर रेलवे स्टेशन पर पहली बार एनएमजी रेक का उपयोग

बालानगर गुड्स शेड से ऑटोमोबाइल लोडिंग की गई

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद डिवीजन पर पहली बार बालानगर गुड्स शेड से एनएमजी (न्यू मॉडिफाइड गुड्स) रेक का उपयोग करके ऑटोमोबाइल ट्रैफिक लोड किया गया। हैदराबाद के बालानगर स्टेशन से दिल्ली के बिजवासन स्टेशन तक 1,770 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए एनएमजी रेक पर इलेक्ट्रिक ऑटो का परिवहन किया गया, जिससे उत्तर रेलवे को 17.5 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। लोकेश विश्नोई, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, हैदराबाद डिवीजन, अनिरुद्ध पामर जेड, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/हैदराबाद मंडल और वी. विद्याधर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, हैदराबाद मंडल ने बालानगर रेलवे स्टेशन का दौरा किया और लोडिंग पैटर्न का निरीक्षण किया। दक्षिण मध्य रेलवे हाल के वर्षों में माल ढुलाई में सुधार के लिए विभिन्न पहल कर रहा है। माल ढुलाई की टोकरी को मजबूत करने और माल ग्राहकों को लाने के लिए व्यापक विपणन

प्रयास करने के लिए ज़ोन के छह डिवीजनों में व्यवसाय विकास इकाइयां भी स्थापित की गई हैं। तदनुसार, केटो मोटर्स, जिसका प्लांट जेडचेरला के राजपुर गांव में है, बालानगर स्टेशन से ऑटोमोबाइल के परिवहन के लिए आगे आया है। इसके अलावा, उसी कंसाइनर द्वारा बालानगर रेलवे स्टेशन से ऑटोमोबाइल ट्रैफ़िक के 6 से 7 रेक लोड किए जाने की उम्मीद है। एनएमजी रेक संशोधित यात्री कोच हैं जिनका उपयोग मुख्य रूप से कार, ऑटो, मोटरसाइकिल, स्कूटर, कार और हल्के वाणिज्यिक वाहनों आदि जैसे वाहनों के परिवहन के लिए किया जाता है। एनएमजी रेक भारत के माल ढुलाई नेटवर्क का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, जो लागत प्रभावी और कुशल रसद सुनिश्चित करते हुए बढ़ते ऑटोमोबाइल उद्योग का समर्थन करते हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने माल ढुलाई बढ़ाने में हैदराबाद डिवीजन के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जोन माल ढुलाई व्यवसाय की नई धाराओं को आकर्षित करने की दिशा में प्रमुखता से काम कर रहा है, साथ ही अपने मौजूदा माल ढुलाई बास्केट को मजबूत कर रहा है। उन्होंने डिवीजन को और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए इसी तरह के प्रयास जारी रखने की सलाह दी।

अखिल भारतीय रेलवे महिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद में महिलाओं की 47वीं अखिल भारतीय रेलवे बास्केटबॉल चैंपियनशिप का प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, एससीआर के. पद्मजा ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन किया। इस अवसर पर सी. मधुसदन राव, अध्यक्ष, दक्षिण मध्य रेलवे खेल संघ (एससीआरएसए) और प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, एससीआर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और खेल कर्मी भी मौजूद थे। यह टूर्नामेंट 15 नवंबर से 19 नवंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा जिसमें बारह टीमों को चार पूल में विभाजित किया जाएगा। यह चैंपियनशिप लीग-कम-नॉकआउट आधार पर आयोजित की जाती है। चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे की 12 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें दक्षिण मध्य रेलवे, मध्य रेलवे, पश्चिमी रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वी रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर सीमांत रेलवे, दक्षिणी रेलवे, दक्षिण पश्चिमी रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और उत्तर पश्चिमी रेलवे शामिल हैं। खेले गए उद्घाटन मैचों में पश्चिमी रेलवे की टीम ने उत्तर पश्चिमी रेलवे को, पूर्वी रेलवे ने दक्षिणी रेलवे को, मध्य रेलवे ने दक्षिण पश्चिमी रेलवे को और दक्षिण मध्य रेलवे ने उत्तर पूर्वी रेलवे को हराया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीमती के. पद्मजा ने प्रतिभागियों को सच्ची खेल भावना और प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए अवसर का उपयोग करने की सलाह दी। ईमानदारी और कड़ी मेहनत खेल में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और अच्छे परिणाम प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। चैंपियनशिप के दौरान, भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी एक्शन में दिखाई देंगे। तेलंगाना व्हीलचेयर बास्केटबॉल टीम के सदस्यों द्वारा खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए एक प्रदर्शनी मैच खेला गया।

एससीआर सबरीमाला के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सबरीमाला तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, एससीआर विभिन्न गंतव्यों के बीच आठ सबरीमाला विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, मौला अली-कोल्लम (07143) 22 नवंबर और 29 नवंबर को चलेगी, कोल्लम-मौला अली (07144) 24 नवंबर को चलेगी। मछलीपट्टनम-कोल्लम (07145) 18 और 25 नवंबर को चलेगी। कोल्लम-मछलीपट्टनम (07146) 20 और 27 नवंबर को चलेगी। ट्रेन नं. 07143/07144 मौला अली-कोल्लम-मौला अली स्पेशल (चार सेवाएं) चेरलापल्ली, भोंगिर, जनगांव, काजीपेट, वारंगल, महबुबाबाद, दोर्नाकल, खम्मम, विजयवाड़ा, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, रेनिगुंटा, पर रुकेंगी। दोनों दिशाओं में कटपाडी, जोलारपेट्टई, सेलम, इरोड, तिरुप्पुर, कोयंबटूर, पलक्कड़, त्रिशूर, अलुवा, एर्नाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, कोट्टायम, चेंगनाचेरी, तिरुवल्ला, चेंगन्नूर और कायनकुलम स्टेशन पर रूकेगी। ट्रेन नं. 07145/07146 मछलीपट्टनम-कोल्लम-मछलीपट्टनम स्पेशल (चार सेवाएं) पेडाना, गुडीवाड़ा, विजयवाड़ा, न्यू गुंटूर, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, सिंगरायकोंडा, कवाली, नेल्लोर, गुडूर, रेनिगुंटा, काटपाडी, जोलारपेट्टई, सलेम, इरोड, तिरुप्पुर, कोयंबटूर, पलक्कड़, त्रिशूर, अलुवा, एर्नाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, कोट्टायम, चेंगनाचेरी, तिरुवल्ला, चेंगन्नूर और कायनकुलम स्टेशन दोनों दिशाओं में रूकेगी। इन विशेष ट्रेनों में फर्स्ट एसी, 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच शामिल हैं।

दुर्घटनावश आग लगने से 30 क्विंटल कपास जलकर राख

कुमरमभीम आसिफाबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार के दिन कुमरमभीम वांकिडी मंडल इंदानी गांव में दुर्घटनावश आग लगने के कारण प्रकाश के घर सहित करीब 30 क्विंटल कपास पूरी तरह जल गई। बताया जा रहा है कि 100000 नगद भी और एक तोला सोना भी जलकर राख हो गया। घटना स्तर पर फायर ब्रिगेड ने आकर आग को काबू करने की कोशिश की लेकिन जब तक कपास पूरी तरह से जल चुकी थी। घटनास्थल पर संबंधित अधिकारियों ने जाकर नुकसान का जायजा लिया।

आरटीसी ड्राइवरों को निजी ड्राइवरों के लिए रोल मॉडल होना चाहिए : जी. शंकर राजू

सड़क सुरक्षा पर आरटीसी वाहन चालकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैफिक एसीपी नॉर्थ जोन जी शंकर राजू ने कहा कि सभी को ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। आज जेबीएस में चेंगिचेरला डिपो आरटीसी से पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से वाहन चालकों को सड़क दुर्घटनाओं एवं रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आरटीसी बस से यात्रा करने का मतलब सुरक्षित यात्रा है। उन्होंने कहा कि एक बस में लगभग 40 से 50 यात्रियों की जान एक ड्राइवर के हाथ में होती है, इसलिए ड्राइवर को हमेशा सावधानी से बस चलानी चाहिए और यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना चाहिए। इस यातायात जागरूकता कार्यक्रम में जी. शंकर राजू - एसीपी, उत्तरी क्षेत्र, यातायात के साथ आरटीसी के खुसरू शाह खान, सिकंदराबाद क्षेत्रीय प्रबंधक, कविता, चेंगिचेरला डिपो मैनेजर, उप क्षेत्रीय प्रबंधक, प्रशिक्षक कालेश्वर ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत को भड़काने के लिए पीसीबी पीओके में ट्रॉफी की यात्रा निकालेगा

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान में होना है, लेकिन बीसीसीआई ने अपनी टीम को पड़ोसी मुल्क भेजने से इनकार कर दिया है। इससे भड़के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक कायराना चाल चली है। दरअसल, पीसीबी ने इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी की यात्रा निकालने का फैसला किया है। हालांकि, भारत को भड़काने के लिए उसने जिन जगहों से ट्रॉफी की यात्रा निकालने का फैसला किया है, उनमें से तीन PoK के इलाके हैं। यह यात्रा 16 नवंबर से शुरू होगी और 24 नवंबर तक चलेगी। ट्रॉफी गुरुवार को ही पाकिस्तान पहुंच गई थी।

पीसीबी ने क्या लिखा?

पीसीबी ने अपने एक बयान में बताया है कि ट्रॉफी की यात्रा स्कार्दू, मर्री, हुंजा और मुजफ्फराबाद होकर निकाली जाएगी। मर्री के अलावा जो अन्य तीन स्थान हैं, वह पीओके क्षेत्रों का हिस्सा हैं और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के इस कदम से भारत में भौंहें तन सकती हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान ने जानबूझकर अपनी ट्वीट में इन जगहों जिक्र किया है। पीसीबी ने लिखा, 'तैयार हो जाओ पाकिस्तान। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का ट्रॉफी टूर 16 नवंबर को इस्लामाबाद में शुरू होगा और स्कर्दू, मर्री, हुंजा और मुजफ्फराबाद का भी दौरा भी करेगा।'

पाकिस्तान जानबूझकर भड़का रहा

चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों के लिए जिन जगहों को चुना गया, उनमें ये जगह शामिल नहीं हैं। मैच कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होने हैं, लेकिन पाकिस्तान की ट्वीट में उन जगहों को तवज्जो नहीं दिया गया। इससे साफ है कि वह भारत को भड़काने की कोशिश की जा रही है। स्कार्दू, हुंजा और मुजफ्फराबाद, तीनों पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित हैं। पीसीबी द्वारा ऐसा किए जाने को भारत के सीमा पार यात्रा नहीं करने के फैसले के प्रति उकसावे के रूप में देखा जा रहा है। स्कार्दू बाल्टिस्तान और हुंजा गिलगित में स्थित है।

पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय टीम

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने के भारत द्वारा लिए गए निर्णय ने दोनों देशों के बीच तनाव को फिर से बढ़ा दिया है। टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी को लेकर काफी चर्चा हो रही थी, लेकिन आईसीसी ने पीसीबी को भारत के फैसले से अवगत करा दिया है। इससे पहले भारत ने अपने मैचों के लिए एक 'हाइब्रिड' मॉडल का सुझाव दिया था। एशिया कप 2023 की तरह भारत अपने मैच पाकिस्तान से बाहर खेलता, जबकि बाकी मैच पाकिस्तान में होते, लेकिन इसे पाकिस्तान ने अस्वीकार कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान विकल्पों की खोज कर रहा है जिसमें भारत के बिना टूर्नामेंट की मेजबानी करना या मेजबानी छीने जाने पर इसका बहिष्कार करना शामिल है। वहीं, आईसीसी इस टूर्नामेंट को किसी तटस्थ स्थान पर शिफ्ट करने पर भी विचार कर रहा है। इतना ही नहीं 11 नवंबर को 100 दिन के काउंटडाउन के कार्यक्रम को भी आईसीसी ने रद्द कर दिया था।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का एलान, विलियम्सन की वापसी

वेलिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम का एलान कर दिया है। स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की घरेलू सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ सितंबर में लगी ग्रोइन की चोट के कारण क्रिकेट से दूर रहे विलियमसन 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शुरू होने वाली सीरीज में खेलते दिखेंगे।

चोट के कारण विलियम्सन न्यूजीलैंड के हालिया भारत दौरे से बाहर हो गए थे। तब टॉम लाथम की अगुआई में न्यूजीलैंड ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम पर 3-0 से जीत दर्ज की थी। उनकी वापसी से न्यूजीलैंड के पास आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। टॉम लाथम कप्तान बने रहेंगे, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी, जिन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि वह इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, को भी टीम में शामिल किया गया है। अगर न्यूजीलैंड फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करती है तो साउदी का टेस्ट करियर हैमिल्टन में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में समाप्त हो सकता है।

न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने अनुभव और युवाओं के मिश्रण के साथ एक संतुलित टीम का चयन किया, लेकिन कुछ बड़े नामों को भी बाहल किया। तेज गेंदबाज बेन सियर्स और काइल जैमीसन चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं, जबकि मध्यक्रम के बल्लेबाज मार्क चैपमैन की जगह विलियम्सन को टीम में शामिल किया गया है। हाल ही में भारत के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करने वाली स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और ईश सोढ़ी को इस सीरीज के लिए गेंदबाजी लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, उनके साथी स्पिनर मिचेल सैंटनर के दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की उम्मीद है। वह मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे हैं।

उभरते हुए ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को अपने मजबूत घरेलू प्रदर्शन के बाद कॉल-अप मिला। चयनकर्ता सैम वेल्स ने सीरीज के लिए उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह सीरीज हमारे लिए न केवल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से बल्कि अपने बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक टिम साउदी को विदाई देने के लिए भी महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड क्रिकेट में टिम का योगदान अमूल्य है और मुझे विश्वास है कि टीम और फैंस समान रूप से एक सम्मानित इंग्लिश टीम के खिलाफ इस हाई-प्रोफाइल सीरीज में उन्हें सम्मानित करने के लिए उत्सुक होंगे।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीमः टॉम लाथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, विल ओ'रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर (दूसरा और तीसरा टेस्ट), नाथन स्मिथ, टिम साउदी, केन विलियम्सन, विल यंग।

सीरीज का शेड्यूल

टेस्ट	तारीख	मैदान	जगह
पहला टेस्ट	28 नवंबर - 2 दिसंबर	हेगले ओवल	क्राइस्टचर्च
दूसरा टेस्ट	6 - 10 दिसंबर	बेसिन रिजर्व	वेलिंगटन
तीसरा टेस्ट	14 - 18 दिसंबर	सेडन पार्क	हैमिल्टन

टी20 इनिंग में इंडियन प्लेयर्स के पावरप्ले में सबसे ज्यादा सिक्स, हार्दिक के 4000+ रन और 150+ विकेट पूरे

सेंचुरियन, 15 नवंबर एजेंसियां)। किसी भी टी-20 इंटरनेशनल मैच में भारतीय खिलाड़ी द्वारा पावरप्ले में सिक्स लगाने के मामले में अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने तीसरे टी-20 के पावरप्ले में 4 सिक्स लगाए। पहले स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी साल टी-20 वर्ल्ड कप में 5 सिक्स लगाए थे।

हार्दिक के 4000+ रन और 150+ विकेट पूरे

इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय प्लेयर्स द्वारा 4 हजार से ज्यादा रन और 150+ विकेट लेने के रिकॉर्ड में हार्दिक पंड्या ने अपना नाम शामिल कर लिया। वह छठे भारतीय बने, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। पहले नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 34,527 रन बनाने के साथ 201 विकेट लिए हैं।

22 साल की उम्र में भारत के लिया हाईएस्ट स्कोर

22 साल की उम्र तक तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए हाईएस्ट स्कोर में तिलक वर्मा ने अपना नाम शामिल कर लिया। भारत के लिए टेस्ट में विनोद कांबली ने 227 रन, वनडे में युवराज सिंह ने 139 रन और टी-20 में तिलक वर्मा ने 107* रन बनाए हैं। यह तीनों फॉर्मेट में 22 साल की उम्र तक भारत के लिए हाईएस्ट स्कोर है।

हरियाणा-पंजाब के 2 हॉकी ओलिंपियन रचाएंगे शादी

डीएसपी आकाशदीप की मोनिका से सगाई

जालंधर, 15 नवंबर एजेंसियां)। भारतीय हॉकी की पुरुष और महिला टीम के 2 खिलाड़ी आकाशदीप सिंह और मोनिका मलिक शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों की सगाई बुधवार को जालंधर में फगवाड़ा हाईवे पर स्थित एक निजी रिजॉर्ट में हई। दोनों प्लेयरों के परिवार जालंधर पहुंचे। बीत कल यानी मंगलवार को आकाशदीप के घर पर पाठ रखा गया था। दोनों की शादी 15 नवंबर को लांडरा सरहिंद हाईवे पर स्थित एक निजी रिजॉर्ट में होगी।

मोनिका मूल रूप से हरियाणा के सोनीपत जिला के गांव गामड़ी की रहने वाली हैं। वहीं आकाशदीप सिंह मूल रूप से खडूर साहिब के गांव वीरोवाल के रहने वाले हैं। आकाशदीप सिंह पंजाब पुलिस में बतौर डीएसपी तैनात हैं। इनकी नियुक्ति बीते साल पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ने की थी। वहीं मोनिका मलिक भारतीय रेलवे में कार्यरत हैं। दोनों ओलिंपिक टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

कौन हैं आकाशदीप

आकाशदीप सिंह का जन्म 2 दिसंबर 1994 को वेरोवाल गांव में हुआ था। उनके पिता सुरिंदर पाल सिंह पंजाब पुलिस में बतौर इंस्पेक्टर कार्यरत थे। जबकि उनके छोटे भाई प्रभदीप सिंह भी हॉकी खिलाड़ी हैं और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। साल 2011 में आकाशदीप सिंह को भारतीय जूनियर हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया। जहां उन्होंने 2011 में मलेशिया में आयोजित जूनियर एशिया कप में भारत को कांस्य पदक दिलाया।

2012 में सीनियर हॉकी टीम में डेब्यू

आकाशदीप सिंह ने एक साल बाद 2012 में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की सीनियर टीम में डेब्यू किया। जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें गोल मशीन के रूप में जाना जाता है। आकाशदीप अब तक भारत के लिए 80 से ज्यादा गोल कर चुके हैं। आकाशदीप सिंह ने रियो 2016 ओलिंपिक में भारत के अटैक का नेतृत्व किया था।

कौन हैं मोनिका मलिक

मोनिका मलिक ने 2005 में हॉकी की प्रैक्टिस करनी शुरू की थी। साल 2007 में मोनिका ने डे-बोर्डिंग स्कीम के तहत एकेडमी जॉइन की थी। 2009 में चंडीगढ़ गर्ल्स टीम ने स्कूल नेशनल गेम्स में गोल्ड मेडल जीता। इस टीम में मोनिका मलिक ने भी अहम भूमिका निभाई थी। अपने शानदार प्रदर्शन के चलते मोनिका ने इंडिया की जूनियर टीम में जगह बनाई और 2014 में जर्मनी में आयोजित जूनियर वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। मोनिका ने इसके बाद हरियाणा की तरफ से खेलना शुरू किया।

टीम इंडिया ने पर्थ में प्रैक्टिस शुरू की कोहली-बुमराह ने नेट में बहाया पसीना

पर्थ, 15 नवंबर एजेंसियां)। टीम इंडिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले पर्थ में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारतीय खिलाड़ियों की फोटोज-वीडियो पोस्ट किए जिसमें वे प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेते दिख रहे हैं।पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। इससे पहले, टीम सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई थी।

सभी खिलाड़ियों ने नेट सेशन में हिस्सा लिया

भारतीय टीम ने बुधवार को ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, टीम के उपकप्तान जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा समेट सभी खिलाड़ी शामिल हुए।

ऑस्ट्रेलिया में 1 टेस्ट मिस कर सकते हैं रोहित

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। उन्होंने BCCI को इन्फॉर्म किया है कि निजी कारणों के चलते उनका शुरुआती 2 में से किसी एक टेस्ट में खेलना मुश्किल है। रोहित इसलिए अब तक ऑस्ट्रेलिया भी नहीं पहुंचे हैं।

2023-25 साइकल में भारत की आखिरी टेस्ट सीरीज अब ऑस्ट्रेलिया से ही बाकी है। भारत ने 3-2 से सीरीज जीत भी ली तो भी टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। 4 टेस्ट जीतकर ही टीम बगैर किसी पर निर्भर हुए फाइनल में जगह बना सकेगी। इस लिहाज से भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है।

भारत को 2014-15 से हरा नहीं सका ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को पिछली 4 सीरीज से हरा नहीं पाई है। टीम को पिछली जीत 2014-15 के सीजन में मिली थी। तब स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 2-0 से हराया था। उसके बाद की चारों सीरीज में भारतीय टीम को 2-1 से जीत मिली।

तिलक विदेश में शतक लगाने वाले यंगेस्ट इंडियन इंडिया ने 8वीं बार 200+ स्कोर बनाया

सेंचुरियन, 15 नवंबर एजेंसियां)। भारत ने साउथ अफ्रीका को तीसरे टी-20 में 11 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम 4 मैच की सीरीज में 2-1 से आगे हो गई है। मैच में तिलक वर्मा ने अपना पहला इंटरनेशनल शतक लगाया। उन्होंने नाबाद 107 रन बनाए। टी-20 इंटरनेशनल में भारत ने अपना पहला मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2006 में खेला था, तब से 2021 तक टीम ने 7 शतक लगाए थे, लेकिन 2022 के बाद भारतीय बैटर्स 14 शतक लगा चुके हैं।

2024 के टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के अभिषेक शर्मा ने लगाए हैं। उनके अब तक लीग और इंटरनेशनल क्रिकेट मिलाकर कुल 65 छक्के हो गए हैं।

रमनदीप दूसरे भारतीय बन गए हैं, जिन्होंने अपने टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू की पहली बॉल पर सिक्स लगा दिया। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली बॉल पर सिक्स लगाया था। अर्शदीप सिंह भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए। उन्होंने इस रिकॉर्ड में जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया। अब उनके नाम 59 इनिंग में 92 विकेट हो गए हैं। पहले नंबर पर लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं, जिनके नाम 79 इनिंग में 96 विकेट हैं।तिलक विदेश में भारत के लिए सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने तीसरे टी-20 में नाबाद 107* रन बनाए। इसी के साथ वह 12वें भारतीय बने हैं, जिन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में शतक लगाया।

भारतीय टीम ने 2024 में आठवीं बार 200+ का स्कोर खड़ा किया। टीम ने कल 6 विकेट खोकर 219 रन बनाए। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जापान है, जिन्होंने 2024 में 7 बार 200 से ज्यादा का स्कोर खड़ा किया है।

टी-20i यंगेस्ट इंडियन जिन्होंने विदेश में शतक लगाया

तिलक वर्मा	सुरेश रैना	अभिषेक शर्मा
उम्र : 22 साल 5 दिन (vs SA)	उम्र : 23 साल 156 दिन (vs SA)	उम्र : 23 साल 307 दिन (vs ZIM)

प्रैक्टिस में पंत-बुमराह की मस्ती 100-100 डॉलर की शर्त लगाई

ऋषभ बोले- आउट कर दूंगा, जसप्रीत ने कहा- विकेट नहीं गिरने वाला

पर्थ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने जा रही है। दोनों टीमें दबाव में हैं, क्योंकि सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है। दबाव के बीच भारतीय खिलाड़ी प्रैक्टिस में मस्ती करते नजर आए हैं। BCCI ने शुक्रवार को इसका वीडियों जारी किया। इस वीडियो में भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आपस में 100-100 डॉलर की शर्त लगाई है।

BCCI के वीडियो में पंत ने गेंदबाजी की और बुमराह को बैटिंग के लिए बुलाया और आउट भी किया। हालांकि, बुमराह ने आउट होते ही पंत के एक्शन पर सवाल उठा दिया। बता दें कि भारतीय टीम पर्थ टेस्ट से पहले WACA स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रही है।

प्रैक्टिस में पंत-बुमराह की मजेदार बातचीत

वीडियो की शुरुआत में पंत नेट्स में जसप्रीत बुमराह को गेंदबाजी करते दिखाई दिए। पंत कहते हैं- 'मैं आउट कर दूंगा, 100-100 डॉलर की शर्त लगी।' इस पर बुमराह कहते हैं- 'विकेट नहीं गिरने वाला। रहने दे।' इस पर पंत जवाब देते हैं कि मैंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक विकेट लिया है। इस पर बुमराह बोलते हैं कि मुबारक हो, उसे तुम सजाकर रखो, अब बस करो। पंत पहली बॉल डालते हैं, जिसे बुमराह छोड़ देते हैं। यहां बॉल उठाते हुए पंत कहते हैं- 'रुक तुझे बाउंसर मारता हूं।' वे अगली बॉल शॉर्ट लेंथ पर डालते हैं और बुमराह उस बॉल पर पुल करते हैं। इस पर पंत कहते हैं कि यह आउट है। वे कोच मोर्ने मोर्केल से पूछते हैं कि आउट है ना। इस पर कोच असमंजस्य में आ जाते हैं। वहीं, बुमराह कहते हैं कि तेरा एक्शन अवैध है। मैं आउट नहीं हुआ। यहां पंत कहते हैं- नेट्स में तो आउट है।

बोर्ड ने फैंस से पूछा आउट है या नहीं, मजेदार जवाब मिले

बोर्ड ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- 'एक ऐसा कॉन्टेस्ट, जिसने बॉलिंग कोच को सोच में डाल दिया। आप टीम बुमराह है या टीम पंत? क्या पंत ने बुमराह को आउट किया?' इस पर फैंस के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं।

एक यूजर ने हंसने का इमोजी डालते हुए लिखा- 'टीम बुमराह या टीम पंत। यह बहस कभी पुरानी नहीं होती। किसने बड़ा दांव चला' एक अन्य यूजर ने लिखा- 'अल्टीमेट मुकाबला।'

हरियाणा के अंशुल कंबोज ने रणजी में रचा इतिहास, एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज

लाहली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया। वह रणजी ट्रॉफी में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए। इस 23 वर्षीय गेंदबाज ने केरल के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 30.1 ओवर में 49 रन देकर दस विकेट लिए।

ये दो गेंदबाज अंशुल से आगे

रणजी ट्रॉफी में उनसे पहले बंगाल के प्रेमांगशु चटर्जी (20 रन देकर 10 विकेट, बंगाल बनाम असम, 1956) और राजस्थान के प्रदीप सुंदरम (78 रन देकर 10 विकेट, राजस्थान बनाम विदर्भ, 1985) ने यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर कंबोज प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 10 विकेट लेने वाले छठे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले अनिल कुंबले, सुभाष गुप्ते और देबाशीष मोहंती ऐसा कर चुके हैं।

तेज गेंदबाज कंबोज को तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले यह उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल दो विकेट की जरूरत थी। उन्होंने बासिल थम्पी और शॉन रोजर के विकेट लेकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। उनकी शानदार गेंदबाजी से हरियाणा ने केरल को पहली पारी में 291 रन पर आउट कर दिया। इस दौरान कंबोज ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 50 विकेट भी पूरे किए।

स्नेहल-कश्यप ने निभाई थी 606 रन की साझेदारी

इससे पहले गोवा के स्नेहल कौथांकर और कश्यप बाकले ने रणजी ट्रॉफी में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया था। दोनों ने अरुणचाल प्रदेश के खिलाफ तीसरे विकेट के लिए अटूट 606 रन जोड़े थे। यही नहीं, दोनों ने तिहरे शतक भी जड़े। स्नेहल ने 215 गेंद में 45 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 314 और कश्यप बाकले ने 269 गेंद में 39 चौकों, दो छक्कों की मदद से नाबाद 300 रन बनाए थे। इन दोनों की बदौलत गोवा ने रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ दो विकेट पर 727 रन का बड़ा स्कोर बनाया। गोवा ने अरुणाचल को दूसरी पारी में 92 रन पर समेटते हुए पारी और 511 रन से बड़ी जीत भी हासिल की।

दोनों ने महाराष्ट्र के स्वप्निल गुगाले और अंकित बवाने की ओर से दिल्ली के खिलाफ 2016-17 में निभाई गई 594 रन की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी साझेदारी कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम है। दोनों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2006 में 624 रन की साझेदारी निभाई थी। यह रणजी ट्रॉफी में दूसरा मौका है जब एक मैच में दो बल्लेबाजों ने तिहरे शतक जड़े। इससे पहले 1989-90 में डब्ल्यूवी रमन और एजी कृपाल सिंह ने गोवा के खिलाफ तमिलनाडु के लिए तिहरे शतक जड़े थे। स्नेहल ने 205 गेंद में तिहरा शतक लगाया।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों की लिस्ट

गेंदबाज	विकेट/रन	मैच	सीरीज/टूर्नामेंट	वर्ष
प्रेमांगशु चटर्जी	10/20	बंगाल बनाम असम	रणजी ट्रॉफी	1956-57
देबाशीष मोहंती	10/46	पूर्वी क्षेत्र बनाम दक्षिण क्षेत्र	दलीप ट्रॉफी	2000-01
अंशुल कंबोज	10/49	हरियाणा बनाम केरल	रणजी ट्रॉफी	2024-25
अनिल कुंबले	10/74	भारत बनाम पाकिस्तान	टेस्ट मैच (कोटला)	1999
प्रदीप सुंदरम	10/78	राजस्थान बनाम विदर्भ	रणजी ट्रॉफी	1985-86
सुभाष गुप्ते	10/78	मुंबई बनाम पाकिस्तान कंबाइंड सर्विसेज और बहावलपुर एकादश	-	1954-55

दो स्नैचर्स गिरफ्तार, चार सेल फोन बरामद

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। काचीगुडा पुलिस ने एक किशोर समेत दो स्नैचर्स को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने हैदराबाद और राचकोंडा कमिश्नरेट में पीड़ितों से जबरन सेल फोन और अन्य कीमती सामान छीनने की चार वारदातें कीं। इनके कब्जे से 4 सेल फोन, एक दो पहिया वाहन जब्त किया है। एसीपी काचीगुड़ा डिवीजन ने बताया कि पहला आरोपी किशोर है। दूसरा आरोपी शेट्टी राकेश मजदूर है। वह नीलाद्रि नगर, इंजापुर, तुर्कयामजाल, आरआर जिला में रहता है। आरोपी मूल रूप से नेल्लोर, आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। आरोपी शेट्टी राकेश, निवासी इंजापुर और किशोर दोस्त हैं और वे पेशे से मजदूर हैं। वे बुरी आदतों, ऑनलाइन सट्टेबाजी के खेल के आदी थे और उन्हें अपनी आदतों, विलासिता की जरूरतों के लिए पैसे की जरूरत थी और उनकी मामूली कमाई उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। इस संबंध में आरोपी और सीसीएल ने सेल फोन/कीमती सामान छीनने और अपनी भव्य इच्छाओं को पूरा करने के लिए अवैध तरीके से आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। उनकी योजना के अनुसार आरोपी और सीसीएल दो पहिया वाहन यामाहा एफजेड पर चलते थे जो आरोपी की है। जबकि आरोपी वाहन चला रहा था, सीसीएल पीछे बैठा था और वे सड़कों पर घूमते थे और पीड़ितों की पहचान करने के बाद, आरोपी उनके पास वाहन ले जाते थे और उनसे सेल फोन/हैंड बैग छीन लेते थे। अपराध अंधेरे स्थान पर हुआ था और पीएस काचीगुडा अपराध टीम ने काचीगुडा से इंजापुर (20 किलोमीटर से अधिक के दायरे को कवर किया) तक लगभग 450+ सीसीटीवी कैमरों का सत्यापन किया है। इसके बाद, 15 नवंबर को काचीगुडा पुलिस ने आरोपी और सीसीएल को पकड़ लिया। गिरफ्तारी पीएस काचीगुडा के पुलिस निरीक्षक के चंद्र कुमार की देखरेख में की गई। डीसीपी ईस्ट ज़ोन ने एसएचओ काचीगुडा के चंद्र कुमार, पुलिस निरीक्षक, पी रवि कुमार, पुलिस एसआई, एम श्रीकांत, पीसी पी अशोक कुमार, पीसी, एम शिव कुमार, पीसी अर्जुन, पीसी एम विवेक राज पीसी वी रवि कुमार की टीम की सराहना की और उन्हें पुरस्कृत किया।

नगर भवन न्यायाधिकरण के लिए अध्यक्ष नियुक्त करने का आग्रह

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने नगर भवन न्यायाधिकरण के गठन और डब्ल्यू.पी. (पीआईएल) संख्या 113/2019 में उच्च न्यायालय के आदेश के कार्यान्वयन पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक पत्र लिखा है। अनधिकृत निर्माण राज्य में शहरों के नियोजित विकास को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं, जिससे बड़े पैमाने पर समुदाय के लिए गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं। जब भी नगर निगम के अधिकारी अनधिकृत निर्माण को रोकने के लिए नोटिस जारी करते हैं, तो संबंधित व्यक्ति अदालतों का दरवाजा खटखटाते हैं और स्थगन आदेश प्राप्त कर लेते हैं। प्रारंभिक चरण में ही अनधिकृत निर्माणों को नियंत्रित करने और इमारतों से संबंधित मामलों के त्वरित निपटान के लिए, राज्य सरकार ने 2016 में नगर भवन न्यायाधिकरण का गठन किया था, लेकिन अध्यक्ष और तकनीकी सदस्यों की नियुक्ति नहीं होने के कारण न्यायाधिकरण केवल कागजों तक ही सीमित रह गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.